आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, मंगलवार
08 जुलाई 2025
वर्ष: 38, अंक: 208
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3 रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी...

झारखंड

कोल माइंस को राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के द्वारा बीजीआर प्रबंधन को मजदूरों की......

हज़ारीबाग

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को सीकरी थाना की पुलिस ने किया डिटेन....

नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों का सर्च अभियान, 16 आईईडी बरामद

क्राइम संवाददाता द्वारा

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है. इस दौरान टोकलो थाना क्षेत्र के कोटसोना और लांजी के जंगली पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए 16 आईईडी बरामद किया गया. बरामद प्रत्येक आईईडी का वजन लगभग 2-2 किलो ग्राम बताया गया है. बरामद सभी आईईडी को सुरक्षा की दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट किया गया है.

आईईडी बरामदगी को लेकर पश्चिमी सिंहभूम जिला के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जानकारी दी गई है. कार्यालय से बताया गया कि एसपी राकेश रंजन को 6 जुलाई 2025 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, जिसमें कहा गया था कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के उग्रवादियों के द्वारा कुछ योजना बनाई जा रही है. जिसमें पश्चिमी सिंहभूम जिला के टोकलो थाना और सरायकेला जिला के दलभंगा ओपी के सीमावत्ती जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों के अभियान को रोकने का प्लान तैयार किया जा रहा है.

इसके लिए उग्रवादियों के द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए गोला बारूद छुपाकर रखा गया है. जिसके आलोक में झारखंड पुलिस के (चाईबासा एवं सरायकेला) जवान, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 60 बीएन के साथ एक संयुक्त अभियान दल का गठन किया गया था. अभियान दल द्वारा सोमवार को टोकलो थाना अंतर्गत जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान प्रारंभ किया गया था.

संयुक्त अभियान दल के द्वारा अग्रतर सर्च अभियान के दौरान सोमवार को टोकलो थानान्तर्गत कोटसोना और लांजी के जंगली पहाड़ी क्षेत्र से 16 आईईडी बरामद किया गया. सभी आईईडी को नष्ट कर सुरक्षाबलों के द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है.

तिरंगा झंडा ने सुलझाया मुहर्रम के दौरान उठा विवाद

सांसद और विधायक लिए गए हिरासत में

क्राइम संवाददाता द्वारा

हजारीबाग: जिले के केरेडारी के बेलतू में पिछले तीन दिनों से धार्मिक झंडा फहराने को लेकर विवाद चल रहा था. तिरंगे झंडे ने उस विवाद को हमेशा के लिए खत्म कर दिया है. कहा जा सकता है कि बेलतू में तिरंगा आपसी भाईचारे और एकता की मिसाल बन गया. जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की सहमति के बाद अब उस जगह पर तिरंगा झंडा फहराएगा, जहां धार्मिक झंडा फहराने को लेकर विवाद हुआ था.

हजारीबाग के केरेडारी के बेलतू में मुहर्रम जुलूस को लेकर पिछले तीन दिनों से विवाद गहराता जा रहा था. हालात ऐसे थे कि जिला प्रशासन ने पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया था. इलाके में धारा 163 लगा दी गई थी. दरअसल पूरा मामला धार्मिक झंडा फहराने से जुड़ा था. जहां दोनों समुदायों ने अपना-अपना धार्मिक झंडा फहराया था. चौराहे पर मुहर्रम के मौके पर एक समुदाय विशेष द्वारा झंडा फहराया गया था. जहां पास में एक मंदिर भी था.

इसी बात को लेकर विवाद गहराता जा रहा था. विवाद के कारण मुहर्रम का जुलूस नहीं निकला. जिला प्रशासन के अधिकारी भी तीन दिनों से वहां कैंप कर रहे थे. तीसरे दिन दोनों समुदायों और प्रशासन के बीच वार्ता हुई. जिसमें तय हुआ कि विवादित जगह पर तिरंगा झंडा फहराया जाएगा, ताकि उस जगह पर कोई विवाद न हो.

हजारीबाग एसडीओ बैजनाथ कामती ने कहा कि तिरंगा झंडा लगाने से समस्या का समाधान हो गया है. इससे यह संदेश भी मिला है कि हमें आपसी भाईचारे के साथ रहना चाहिए. इस घटना को लेकर सोमवार को पूरे इलाके में तनाव रहा. हजारीबाग के भाजपा सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. क्योंकि वे दोनों बेलतू आना चाहते थे. उनकी मंशा इस समस्या का समाधान करवाने की थी. धारा 163 का हवाला देते हुए दोनों को एनटीपीसी सीकरी साइट ऑफिस में हिरासत में लिया गया.

सांसद ने कहा कि जिला प्रशासन की यह गलत कार्रवाई है. सरकार के किसी मंत्री के दबाव में ऐसा कोई काम नहीं होना चाहिए. मुहर्रम जुलूस में धार्मिक झंडा फहराने को लेकर जुलूस को भी रोक दिया गया. इस घटना को लेकर पूरे इलाके में तनाव रहा. जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की सूझबूझ और आपसी समन्वय से समस्या का समाधान हो गया. तिरंगा आपसी भाईचारे का संदेश देता है और इससे बेलतू की समस्या भी खत्म हो गई. जिला प्रशासन ने शाम करीब 5:00 बजे सांसद और विधायक को छोड़ दिया.

शिबू सोरेन की सेहत में सुधार

सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा इलाज

संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। 81 वर्षीय दिशोम गुरु दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उनकी स्थिति पर गहन निगरानी रख रही है।उनकी हालत अब स्थिर है और धीरे-धीरे बेहतर हो रही है। शिबू सोरेन को 19 जून को ब्रेन स्ट्रोक और किडनी संबंधी समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।चिकित्सकों की सतर्कता और उपचार के कारण उनकी स्थिति में सकारात्मक प्रगति देखी जा रही है। उनसे कुशलक्षेम जानने के लिए नेताओं का तांता लगा है।चिकित्सकों का कहना है कि उनकी लगातार देखभाल और निगरानी की जा रही है। झामुमो नेताओं और समर्थकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान हजारीबाग में बड़ा हादसा, आगजनी के खेल में 15 लोग झुलसे, 6 की हालत गंभीर

कमल कुमार

हजारीबाग: मुहर्रम जुलूस के दौरान जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तुरांव-पौता गांव में बड़ा हादसा सामने आया है। जुलूस के दौरान आगजनी की घटना हुई है। दरअसल अपनी कला का प्रदर्शन करने के दौरान आग ने भयावह रूप ले लिया और उसकी चपेट में आने से 15 लोग झुलस गए।

इस घटना में घायलों का इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जब जुलूस में जब आग्नेय प्रदर्शन किया जा रहा था। उसी दौरान आग में डीजल डालते ही आग भड़क गई। इसकी वजह से आग ने भयावह रूप ले लिया और स्थिति अनियंत्रित हो गई।

इस आगजनी की घटना में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे आग की चपेट में आए है। इस हादसे के बाद अफरा तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। वहां से कुछ गंभीर रूप से झुलसे लोगों को रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया है।

मुफस्सिल थाना प्रभारी ने भी इस हादसे के बाद घटनास्थल और अस्पताल पहुंचकर मामले की पूरी जानकारी ली है। सबसे अहम बात यह है कि जिला प्रशासन ने आदेश निर्गत किया था कि आग के साथ कोई भी अखाड़ा करतब नहीं दिखाएंगे। बावजूद इसके अखाड़ा के लोगों की ओर से आग का करतब दिखाया जा रहा था। इसकी जांच की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी घायलों का इलाज सही तरीके से करने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिए है।

वहीं हजारीबाग के सदन विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रतिनिधि साहिल कुमार अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवार की सहायता की है। इस घटना को लेकर उन्होंने बताया कि लगभग 15 लोग झुलसे हैं। सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। अस्पताल के अंदर दृश्य पीड़ादायक है। घायल लोग जलन से परेशान हैं। हालांकि पीड़ित परिवार को हर सहायता पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

गुमला में व्यवसायी हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

गुमला: शहर के सिसई रोड निवासी व्यवसायी विनोद अग्रवाल हत्याकांड का गुमला पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुरानी रंजिश में तीन लोगों ने शराब के नशे में धुत होकर पूरी वारदात को अंजाम दिया. गुमला एसपी हारिश बिन जमां ने इसकी पुष्टि की है. एसपी ने बताया कि करीब 2 वर्ष पूर्व विनोद अग्रवाल के घर में चोरी हुई थी. हत्या में शामिल अपराधियों के परिवार के लोगों पर ही चोरी का आरोप लगा था. पिछले वर्ष दिसंबर माह में भी मृतक विनोद के साथ इनकी लड़ाई हुई थी. तब से अपराधियों के निशाने पर विनोद अग्रवाल थे.उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लोयोला नगर सिसई रोड निवासी मुख्य अपराधी अंचल ब्यूम तिर्की और उसके दो सहयोगी डुमरटोली निवासी जुलिमन मिंज और समीर टोप्पो शामिल हैं.

गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुलिस की पूछताछ में स्वीकार किया है कि पुरानी रंजिश के कारण तीनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई थी और 6 जुलाई को वारदात को अंजाम दिया था. अपराधियों ने हत्या के पूर्व एक साथ बैठकर शराब और गांजा का सेवन किया था. इसके बाद सभी 3 अपराधी विनोद अग्रवाल के घर के समीप पहुंचे. इस दौरान दो लोग रेकी करने लगे. इस क्रम में जैसे ही विनोद अग्रवाल एक दुकान से सामान खरीदकर वापस आने लगे, तभी एक अपराधी के द्वारा दौड़कर उनके सिर पर लोहे के रॉड से कई बार वार किया गया.

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार तीन अभियुक्तों में अंचल और जुलिमन मिंज का अपराधिक इतिहास रहा है. यह दोनों आर्म्स एक्ट, छेड़खानी सहित अन्य मामले में जेल जा चुके हैं. वहीं, पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड, चाकू, ग्लव्स, तलवार के अलावा एक मोटरसाइकिल बरामद की है.

सिमडेगा के बाल संप्रेक्षण गृह से 6 बच्चे फरार, पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

क्राइम संवाददाता द्वारा

सिमडेगा: बाल संप्रेक्षण गृह से 6 बच्चे फरार हो गए हैं. ये सभी बच्चे अलग-अलग कांडों में पकड़े गए थे. जानकारी के अनुसार ड्राम लगाकर बच्चे संप्रेक्षण गृह की बाउंड्री फांदकर फरार हो गए. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस बच्चों की तलाश में जुट गई है.

जांच में जुटी पुलिस: हत्या सहित अन्य अलग-अलग मामलों में पकड़े गए 6 बच्चे रविवार रात अंधेरे का फायदा उठाकर बाल संप्रेक्षण गृह की दीवार फांदकर फरार हो गए. जानकारी के अनुसार फरार बच्चों में लातेहार का एक, पश्चिम सिंहभूम के दो और गुमला के 3 बच्चे शामिल हैं. इनके फरार होने की सूचना मिलते हैं डीएसपी हेडक्वार्टर और एसडीपीओ सिमडेगा मामले की जांच में जुट गए हैं. पुलिस फरार बच्चों को पकड़ने की कोशिश में जुट गई है.

संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा को लेकर सवाल: इधर, बाल संप्रेक्षण गृह से बच्चों के फरार होने की सूचना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. विदित हो कि कुछ माह पूर्व भी बाल संप्रेक्षण गृह के एक बच्चे के साथ मारपीट की घटना हुई थी. जिसके पश्चात सदर अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई थी. इस मामले में परिजनों ने बच्चे के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था और अब एक साथ 6 बच्चों के भागने का मामला सामने आने के बाद बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

इधर, इस संबंध में सिमडेगा के एसपी मो. अर्सी ने कहा कि बाल संप्रेक्षण गृह से 6 बच्चे फरार हुए हैं. पुलिस बच्चों को ढूंढने की कोशिश में जुटी है.

झारखंड में भारी बारिश का कहर, भरभराकर गिरा मकान, 9 साल के बच्चे की मौत

संवाददाता द्वारा

झारखंड में भारी बारिश का दौर जारी है। इस बीच एक बड़ा हादसा हो गया है। रांची के सोनाहातू के तेलवाडीह गांव में मकान गिरने से मलवे में दबकर 9 साल बच्चे की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिकल सोनाहातू प्रखंड के तेलवाडीह पंचायत के तेलवाडीह गांव में रविवार रात एक बजे के आसपास भारी बारिश से सुभाष प्रमाणिक का खपरैल का मकान धवस्त हो गया। जिस वक्त ये घटना हुई, तब परिवार के 6 सदस्य एक कमरे में सोए हुए थे।

अचानक से भरभरा कर खपरैल का ऊपरी हिस्सा और दीवाल गिर गया। जो लोग संभल पाये किसी तरह सुरक्षित निकल गए। लेकिन सुभाष प्रमाणिक का बेटा 9 साल शिवा प्रमाणिक मलबे में दब गया। मलबे को हटाने में समय लगा तबतक शिवा की मौत हो गई। घटना के सूचना मिलते ही सोमवार सुबह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो के निर्देशनुसार पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि फणीभूषण सिंह मुंडा गांव पहुंच कर घटना की जानकारी लेने पहुंचे।

पुलिस को मामले की सूचना दी गई और अंचल कार्यालय ओर आपदा विभाग से बात की गई। आवश्यक कार्रवाई के बाद सरकारी मुआवजा देने की बात कही गई है। मौके पर ग्राम प्रधान भूतनाथ सिंह मुंडा ,आजसू पंचायत प्रभारी, दलेल चन्द्र महतो, धीरेश प्रमाणिक, रसोराज प्रमाणिक, एवं ग्रामीण मौजूद थे। सुभाष प्रमाणिक खेतीबाड़ी से अपना परिवार का भरण पोषण करते हैं। सुभाष प्रमाणिक ने दो शादी की है। पहले पत्नी का एक बेटा और एक बेटी है। दूसरी पत्नी का एक बेटा शिवा प्रमाणिक था।बेटे के आकस्मिक मौत से मां का रो कर बुला हाल है।

खूंटी पुलिस ने चार पीएलएफआई नक्सलियों समेत पांच लोगों को किया गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

खूंटी: खूंटी थाना पुलिस ने चार पीएलएफआई नक्सलियों समेत पांच लोगों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. खूंटी पुलिस ने रांची में गोलीबारी की घटनाओं समेत लूट और डकैती के मामलों का भी खुलासा किया है. गिरफ्तार नक्सलियों में पवन लोहरा, विक्की लोहरा, अर्जुन लोहरा और अर्पित केरकेट्टा शामिल हैं, जबकि एक अन्य मामले में शामिल सागर मुंडा को भी गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने इनके पास से 2 लोडेड देसी पिस्तौल, 10 जिंदा कारतूस, 2 लोडेड मैगजीन, एक बाइक, एक स्कूटी, एक मोबाइल और एक चाकू बरामद किया है.

पीएलएफआई सदस्य विक्की लोहरा और पवन लोहरा का आपराधिक इतिहास रहा है. विक्की लोहरा पर नामकुम, रांची, धुर्वा, तुपुदाना और सुखदेवनगर थाने में मामला दर्ज है. पवन लोहरा पर छत्तीसगढ़ राज्य के बगीचा थाने, रांची के धुर्वा और नामकुम, खरसीदाग में भी मामला दर्ज है.

एसपी मनीष कुमार ने प्रेस वार्ता में गिरफ्तारी का खुलासा करते हुए बताया कि खूंटी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सभी खूंटी शहर के उरांव टोली स्थित सरकारी स्कूल के पास हथियार के साथ जमा होकर किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं.

सूचना पर डीएसपी वरुण कुमार के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया. इसमें प्रशिक्षु डीएसपी रामप्रवेश, खूंटी थाना प्रभारी मोहन कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे. गठित टीम ने इलाके की घेराबंदी कर सरकारी स्कूल के पास एस्बेस्टस की छत वाले एक घर में छापेमारी की और उसी घर से चारों नक्सलियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया.

गिरफ्तार नक्सली सदस्यों ने पुलिस को दिए बयान में खुलासा किया है कि वे जिले के शहरी क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. इसके अलावा नक्सलियों ने पुलिस को बताया कि तुपुदाना क्षेत्र में लेवी की मांग को लेकर मंटू साव और हिंदुस्तान टाइल्स पर दहशत फैलाने के उद्देश्य से गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था.

एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली सिग्नल एप के जरिए फरार नक्सली पंचम के संपर्क में था. पंचम लोहरा पवन गोप (फिलहाल जेल में बंद) 15 लाख रुपये के इनामी नक्सली मार्टिन केरकेट्टा से जुड़कर रांची और खूंटी समेत आसपास के इलाकों में लेवी समेत अन्य घटनाओं की योजना बनाकर उसे अंजाम देता था. उन्होंने बताया कि सिग्नल एप एक व्हाट्सएप की तरह है, जिसके जरिए ये लोग पुलिस की रडार से बचने के लिए एक-दूसरे के संपर्क में रहते थे और इसी एप के जरिए लेवी की मांग की जा रही थी.

उन्होंने बताया कि जिले में इन चार नक्सलियों की गिरफ्तारी से पीएलएफआई को बड़ा झटका लगा है. एक अन्य मामले में पुलिस ने शहर के बाजार टांड़ से लोडेड पिस्तौल के साथ सागर मुंडा को गिरफ्तार किया है. एसपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस को सूचना मिली थी कि हथियार लेकर आए तीन व्यक्ति बाजार टांड़ इलाके में हथियार का भय दिखाकर रंगदारी मांग रहे हैं. सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सागर मुंडा को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो भागने में सफल रहे.

एसपी ने बताया कि फरार अपराधियों की पहचान कर ली गई है. जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. छापेमारी टीम में डीएसपी वरुण रजक, प्रशिक्षु डीएसपी राम प्रवेश, थाना प्रभारी मोहन कुमार, सब इंस्पेक्टर सीताराम दांगी, मंटू कुमार, अरुण कुमार, मणिदीप, चंदन कुमार, आदित्य कुमार, विकास कुमार, अमित मार्डी, ऑगस्टिन लुगुन और खूंटी थाने के सशस्त्र बल शामिल थे.

पिता-भाई को खोया, बहन कैंसर से जूझ रही, आर्थिक तंगी से लड़कर अब बुलंदियों को चूम रहे हैं आकाश

बर्मिंघम

भारत के स्टार तेज गेंदबाज आकाश दीप इंग्लैंड दौरे पर धमाल मचा रहे हैं। लीड्स में पहले टेस्ट में मौका नहीं मिलने के बाद एजबेस्टन में जसप्रीत बुमराह की जगह उन्हें मौका दिया गया। इंग्लैंड की सरजमीं पर अपने पहले ही मैच में आकाश छा गए। उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट लिए। पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर उन्होंने इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। बुमराह की गैरमौजूदगी में कहा जा रहा था कि भारतीय टीम कैसे कामयाब हो पाएगी, लेकिन आकाश ने सिराज के साथ मिलकर दिखा दिया कि वे किसी से कम नहीं हैं। जिस तरह मैच के बाद फैंस उनसे ऑटोग्राफ लेते दिखे, इससे पता चलता है कि आकाश नाम के नए स्टार भारतीय क्रिकेट में उदय हो गया है। हालांकि, आकाश दीप के लिए यह सफर इतना आसा नहीं रहा है। इस मुश्किल सफर में उन्हें काफी कुछ खोना पड़ा, संघर्ष और अपनी कड़ी मेहनत के बलबूते वह इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वो कहते हैं न भगवान के घर देर है, लेकिन अंधेर नहीं...आकाश की कहानी कुछ ऐसी ही है। एजबेस्टन में जीत के बाद आकाश ने कहा कि यह गेंदबाजी प्रदर्शन उनकी बहन के लिए है, जो पिछले दो साल से कैंसर से जूझ रही हैं। आकाश को आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ी। उन्होंने क्या कुछ नहीं सहा, लेकिन अब बिहार का यह लाल बुलंदियों को चूम रहा है। आइए उनके संघर्ष की कहानी जानते हैं... 27 साल के आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ साल 2024 के फरवरी-मार्च में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में उतरते ही कमाल कर दिया था। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी में शुरुआती तीन विकेट लेकर धमाल मचा दिया। आकाश को अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह खेलने का मौका मिला था। आकाश ने कप्तान रोहित शर्मा के भरोसे को सही साबित किया और यादगार प्रदर्शन किया। आकाश के लिए राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सफर आसान नहीं रहा। मूलरूप से बिहार के सासाराम के रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपने जीवन में संघर्ष के कई दौर देखे हैं। कभी पिता-भाई के निधन ने तोड़ा तो कभी आर्थिक तंगी के कारण क्रिकेट छोड़ना पड़ा। आकाश के पिता उन्हें सरकारी नौकरी करते देखना चाहते थे। उन्होंने कई परीक्षाएं भी दीं, लेकिन उनके मन में हमेशा क्रिकेट चल रहा था। पढ़ाई में उतना मन नहीं लगता था। वह क्रिकेट के लिए ज्यादा समय निकालते थे। आकाश ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा था कि लोग बचपन में उन्हें ताने सुनाते थे। यहां तक के दोस्तों के घर वाले भी उनकी बुराई करते थे। अपने बच्चों को उनसे दूर रहने की सलाह देते थे। भारतीय तेज गेंदबाज ने बताया कि लोग यह कहते थे कि आकाश से दूर रहो। उसके संगत में रहकर बिगड़ जाओगे। हालांकि, आकाश अब किसी की आलोचना नहीं करते हैं। जब वह 23 साल के थे तो उनके पिता को लकवा मार दिया था। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से कुछ समय के लिए ब्रेक लिया था। आकाश के लिए 2015 उनके जीवन का सबसे कठिन साल रहा। उन्होंने तीन महीने के अंदर अपने पिता और भाई दोनों को खो दिया था। पिता का निधन स्ट्रोक के कारण हुआ था। वहीं, दो महीने बाद उनके भाई ने भी दुनिया छोड़ दी। आकाश के घर में पैसे नहीं थे। उन्हें अपनी मां की देखभाल करनी थी। इस कारण उन्होंने क्रिकेट को तीन साल के लिए छोड़ दिया था। बाद में आकाश को लगा कि वह क्रिकेट से ज्यादा दिन दूर नहीं रह सकते हैं। इसके बाद दुर्गापुर चले गए। वहां से फिर कोलकाता पहुंचे। एक छोटे से कमरे में भाई के साथ रहने लगे। बिहार क्रिकेट संघ पर बैन ने उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर दी थीं, इस वजह से भी उन्हें बंगाल का रुख करना पड़ा था। आकाश अपने दोस्त का शुक्रिया हमेशा करते हैं। उन्होंने बताया कि दोस्त ने ही उन्हें बुरे समय में काफी मदद की। दुर्गापुर में उन्हें क्लब क्रिकेट में खेलने का मौका मिला। टेनिस गेंद की क्रिकेट से उनकी कमाई हो जाती है। दुर्गापुर में चाचा ने भी काफी मदद की। उन्होंने आकाश को मुश्किलों से बाहर निकाला और क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। आकाश ने 2019 में बंगाल के लिए पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला। उसी साल लिस्ट ए और टी20 फॉर्मेट में भी डेब्यू का मौका मिला। एक समय आकाश के कमर में चोट लगी थी, जो उनके करियर को प्रभावित कर सकती थी, लेकिन वह हार कहां मानने वाले थे। डेब्यू में अपने घर में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश में उन्होंने कहर बरपाया और अब इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट खेलते हुए जलवा बिखेरा है। आकाश की कहानी किसी हीरो से कम नहीं है। उन्होंने दिखाया कि परिवार के लिए वह कुछ भी करने को तैयार हैं। बिहार के लाल आकाश दीप ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद झकझोर देने वाला खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनकी बहन कैंसर से पीड़ित है और यह प्रदर्शन उसे समर्पित है। मुकाबले के बाद तेज गेंदबाज भावुक हो गए और उन्होंने कहा, 'मेरी बहन कैंसर से पीड़ित है। हर बार जब गेंद अपने हाथ में लेता था तो उसके विचार मेरे दिमाग में आते। मैंने इस बारे में किसी से बात नहीं की है, लेकिन दो महीने पहले मेरी बहन को कैंसर का पता चला था। वह मेरे प्रदर्शन से बहुत खुश होगी और उसके चेहरे पर मुस्कान आएगी।' चेतेश्वर पुजारा से बात करते हुए आकाश दीप ने आगे कहा, 'हर बार जब मैं गेंद लेता तो उसके विचार और तस्वीर मेरे दिमाग में आ जाती। यह प्रदर्शन उसे समर्पित है। मैं उसे बताना चाहता हूं बहन, हम सब तुम्हारे साथ हैं। आकाश ने बंगाल के लिए 39 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 138 विकेट लिए। लिस्ट ए के 28 मैचों में उनके नाम 42 विकेट हैं। वहीं, 48 टी20 में उन्होंने 52 विकेट झटके हैं। आकाश आईपीएल में विराट कोहली की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेल चुके हैं। इस साल वह लखनऊसुपर जाएंट्स की टीम का हिस्सा थे। आईपीएल में वह 10 मैचों में 14 विकेट ले चुके हैं। आकाश लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी भी कर लेते हैं और बड़ी हिट लगाने में माहिर हैं।

गुप्त प्रेम... लेकिन ऐसा क्या हुआ कि टीम के 40 मेंबर अपने साथी की जान के दुश्मन बने

वरुण शैलेश

नागपुर : नागपुर में एक कुख्यात गिरोह के सदस्य का अपने सरदार की पत्नी से प्रेम हो गया। दोनों छुपकर मिलने गए। तभी एक दुर्घटना में महिला की मौत हो गई। इसके बाद गिरोह में बवाल मच गया। इप्पा गिरोह के 40 सदस्य पूरे शहर और कामठी इलाके में फैल गए हैं। वे अपने ही एक सदस्य अरशद टोपी को जान से मारने पर तुले हैं। टोपी का गुप्त रूप से उनके सरगना की पत्नी के साथ प्रेम संबंध था। गुरुवार को टोपी महिला के साथ एक निजी मुलाकात पर गया था। तभी एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महिला की जान चली गई। गिरोह को शक है कि टोपी ने महिला की हत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और टोपी अपनी जान बचाने के लिए भागा फिर रहा है।

सरगना की बीवी की मौत : एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक नागपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि टोपी और महिला एक बाइक पर चल रहे थे। तभी उनकी बाइक को गलती से एक खउइ मशीन ने टक्कर मार दी। टोपी को मामूली चोटें आईं। लेकिन महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। कोराड़ी थर्मल प्लांट की एक गश्ती गाड़ी मौके पर पहुंची। उन्होंने महिला को एक प्राइवेट अस्पताल में पहुंचाया। लेकिन अस्पताल ने उसे भर्ती करने से मना कर दिया। फिर उसे कामठी के एक अन्य अस्पताल ले जाया गया, वहां भी उसे भर्ती नहीं किया गया। आखिरकार, टोपी ने एक एम्बुलेंस ड्राइवर को पैसे दिए। तब जाकर महिला को नागपुर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (GMCH) में भर्ती किया गया। शुक्रवार सुबह उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। GMCH के CCTV फुटेज में टोपी घायल महिला के साथ अस्पताल में दिख रहा है।

गिरोह के 40 सदस्य तलाश में जुटे : महिला की मौत की खबर फैलते ही इप्पा गिरोह ने टोपी को गद्दार घोषित कर दिया। उन्होंने उसे "खत्म" करने की कसम खाई। पुलिस अधिकारियों ने यह भी कहा कि गिरोह को यह भी लगता है कि उनके सरदार की पत्नी की हत्या टोपी ने की है। यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थी। गिरोह के चालीस सदस्य अब टोपी की तलाश में हैं। वे महिला के विश्वासघात और कथित हत्या का बदला लेना चाहते हैं। गोपनीयता की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया, "अपनी जान को खतरे में देखकर टोपी शुक्रवार को पार्डी में के कार्यालय में सुरक्षा के लिए पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ऊढ ने उसे कोराडी पुलिस स्टेशन भेज दिया, वहां उसका बयान दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि अब तक की जांच से पता चला है कि महिला की मौत एक दुर्घटना में हुई थी। ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उसकी हत्या की गई थी। टोपी फिलहाल छिपा हुआ है।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

राहुल कुमार

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट ने इस मामले में दायर याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग के इस कदम की वैधता पर निर्धारित तिथि को विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के नेतृत्व में कई याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत दलीलों को संज्ञान में लेते हुए गुरुवार (10 जुलाई) को मामले की सुनवाई के लिए सहमति जताई। सिब्बल ने पीठ से आग्रह किया कि वह इन याचिकाओं पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी करे। इस पर न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, हम इस मामले को गुरुवार को सुनेंगे। मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में राजद सांसद मनोज झा, एडीआर और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने याचिका दायर की है। मनोज झा ने चुनाव आयोग के उस निर्णय को अदालत में खारिज करने की मांग की है, जिसमें आयोग ने बिहार में विशेष सघन पुनरीक्षण (रक्फ़) प्रक्रिया को तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। राजद का कहना है कि विधानसभा चुनाव के ठीक कुछ महीने पहले इस तरह की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है। मनोज झा ने कहा कि निर्वाचन आयोग का 24 जून का आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार), अनुच्छेद 325 (जाति, धर्म और लिंग के आधार पर किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता) और अनुच्छेद 326 (18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका प्रत्येक भारतीय नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के योग्य है) का उल्लंघन करता है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

वहीं महुआ मोइत्रा ने अपनी याचिका में कहा कि वह निर्वाचन आयोग के 24 जून के उस आदेश को रद्द करने का अनुरोध करती हैं, जिसके तहत संविधान के विभिन्न प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है। महुआ ने अपनी याचिका में कहा, अगर इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो यह देश में बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है, जिससे लोकतंत्र, स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कमजोर हो सकते हैं। महुआ ने शीर्ष अदालत से भारत निर्वाचन आयोग को देश के अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण के इस तरह के आदेश जारी करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया। गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' भी एक याचिका दायर कर चुका है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश को चुनौती दी गई है। चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में एसआईआर करने के निर्देश जारी किए थे, जिसका उद्देश्य अपात्र नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना था कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

नई वोटर लिस्ट पर विशेषज्ञ बोले यह नियम के हिसाब से सही है

मनीष अग्रवाल

नई दिल्ली : बिहार में 2002-03 के बाद चुनाव आयोग फिर से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के तहत नई वोटर लिस्ट बना रहा है। विपक्षी दलों का आरोप है कि यह लाखों लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटने की साजिश है, क्योंकि काफी लोग अपनी नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज नहीं दे पाएंगे। सवाल है कि 2002 से मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पदभार संभालने से पहले 13 और मुख्य चुनाव आयुक्त बने, लेकिन किसी ने भी वोटर लिस्ट के लिए यह SIR नहीं किया, तो अभी क्यों ?

सुप्रीम कोर्ट से ही होने दें निर्णयः इस मसले पर 23 जनवरी 2018 से 1 दिसंबर 2018 तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे ओपी रावत का कहना है कि चूंकि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है तो इस बारे में अभी मैं केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि इसका निर्णय सुप्रीम कोर्ट से ही होने दीजिए। रही बात अभी क्यों तो मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो कदम उठाया है, वह संविधान के आर्टिकल-326 के तहत ही किया जा रहा है। संबंधित ईआरओ का अंतिम फैसला मान्य :भारत सरकार के पूर्व सचिव विजय शंकर पाण्डेय का कहना है कि हो सकता है कि कुछ लोगों को दस्तावेज मिलने में परेशानी आए। इसके लिए संबंधित ईआरओ का अंतिम फैसला मान्य होगा। ईआरओ से पहले वोटर लिस्ट से किसी का नाम नहीं काटा जा सकता। इसमें तस्वीर साफ होने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा, कम से कम वोटर लिस्ट का ड्रॉफ्ट पब्लिकेशन होने तक। आयोग को वोटर लिस्ट बनाते वक्त वैध नागरिकों का ही वोटर कार्ड बनाने का अधिकार है।

2003 के बाद से वोटर लिस्ट का एसआईआरः इस मामले में चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि 2002-03 के बाद से अब तक बिहार की वोटर लिस्ट का एसआईआर क्यों नहीं हुआ, यह तो हम नहीं बता सकते। इसकी जानकारी तो रिटायर हो चुके पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ही दे सकते हैं, लेकिन आयोग ने अभी जो कदम उठाया है, वह संविधान और नियमों के मुताबिक ही उठाया है।

बंगाल में भी पुनरीक्षण कराएं: पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक शुभेंदु अधिकारी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का रविवार को स्वागत करते हुए कहा कि इसी तरह की कवायद तृणमूल कांग्रेस शासित इस राज्य में भी की जानी चाहिए। अधिकारी ने कहा, 'यह एक अच्छा कदम है और इससे पारदर्शिता आएगी। देश में सूची में नाम दर्ज कराने वाले अवैध प्रवासियों की पहचान की जानी चाहिए। जिन लोगों ने फर्जी आधार कार्ड और पहचान पत्र के जरिए नामांकन कराया है, उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाने चाहिए।'

बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम हटाने की मांग : बीजेपी विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पहले भी कई मौकों पर आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों ने बंगाल की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने ऐसे घुसपैठियों की पहचान करने तथा मतदाता सूची से उनके नाम हटाने की मांग की थी। बीजेपी नेता ने कहा कि देश की मतदाता सूची में केवल भारत के नागरिकों का नाम होना चाहिए। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि यदि मतदाता सूची में दर्ज घुसपैठियों को पहचानकर उनके नाम हटा दिये जाते हैं तो राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को नुकसान होगा।

एमएस धोनी मना रहे 44वां जन्मदिन, केक काटकर मनाया जश्न

स्वप्निल शशांक

भारत के महान क्रिकेटर और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। आईसीसी के सीमित ओवर के क्रिकेट टूर्नामेंट की तीनों ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के एकमात्र कप्तान धोनी ने अपना 44वां जन्मदिन खास अंदाज में मनाया। इसकी तस्वीरें सामने आई हैं। उन्होंने झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (JSCA) के अपने साथियों के साथ जन्मदिन मनाया और केक काटा। इस दौरान माही बेहद खुश नजर आए। भारत के महानतम कप्तानों में शुमार धोनी को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी बधाई दी है। बीसीसीआई ने विश करते हुए लिखा, 'टी20 विश्व कप, वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी...धोनी को हैप्पी बर्थडे। भारत के पूर्व कप्तान और इस खेल को खेलने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक। धोनी को क्रिकेट की दुनिया में किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दिनों में मैदान पर अपने शांत और शानदार कप्तानी कौशल के लिए प्रसिद्ध हैं। 15 अगस्त, 2020 को, धोनी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। धोनी के नेतृत्व में भारत ने सभी प्रारूपों में शीर्ष पर रही थी। उनकी कप्तानी में भारत दिसंबर 2009 से 18 महीनों के लिए टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहा था। टीम ने 2011 में 50 ओवर का विश्व कप और 2007 में उनकी कप्तानी में टी20 विश्व खिताब जीता था। धोनी का क्रिकेट के इतिहास में सबसे प्रेरणादायक यात्राओं में से एक रहा है। रेलवे स्टेशन पर टिकट कलेक्टर के रूप में काम करने के बाद वह भारत के सबसे बड़े ट्रॉफी कलेक्टर भी बन गए और टीम की कप्तानी करते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप 2007, आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2011 और आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2013 में टीम की कप्तानी की। उन्होंने 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और एक पावर हिटर के रूप में खुद का नाम बनाया। हालांकि, समय के साथ एक फिनिशर के रूप में खुद को ढाला। वह समय पर आक्रमक बल्लेबाजी करने के साथ-साथ परिस्थिति के मुताबिक खुद को ढालने में माहिर थे। चेन्नई सुपर किंग्स में 'थाला' के रूप में जाने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए 98 टी20 खेले, जिसमें 126.13 के स्ट्राइक रेट से 37.60 की औसत से 1,617 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में दो अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रन है। टेस्ट की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने 224 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45 फीसद के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने टीम इंडिया को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग दिलाई। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को व्हाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं। ऐसा उन्होंने 2010-11 और 2012-13 की सीरीज में किया था। भारत ने 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की अगुआई करते हुए 41 में जीत दर्ज की और 28 हारे, एक बराबरी पर रहा जबकि दो नतीजे हासिल करने में नाकाम रहे। उनका जीत प्रतिशत 56.94 है। आईसीसी खिताब के लिए भारत का मार्गदर्शन करने के अलावा, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और चैंपियंस लीग टी20 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को फ्रेंचाइजी का गौरव भी दिलाया है। उन्होंने सीएसके को 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग टी20 का खिताब जीता है। धोनी ने 2016 से 2017 में सीएसके के बैन होने पर राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेले थे। आईपीएल में धोनी ने 278 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनके नाम 158 कैच और 47 स्टंपिंग भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में आर.आर. ब्रदर्स बैक्सी 3-व्हीलर शोरूम का भव्य शुभारंभ

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। आर.आर. ब्रदर्स बैक्सी 3-व्हीलर शोरूम का भव्य शुभारंभ सोमवार को हजारीबाग, मार्खम कॉलेज, बरकागांव रोड स्थित परिसर में बरही विधायक मनोज यादव के कर-कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बैक्सी के नेशनल सर्विस हेड एवं उनकी टीम की उपस्थिति रही, जिनकी मौजूदगी ने इस शुभारंभ को और भी विशेष बना दिया।

कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, प्रख्यात समाजसेवी मुन्ना सिंह, नरेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने शोरूम के उद्घाटन पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

इस शुभ अवसर पर कंपनी के संचालक द्वारा मॉनसून ऑफर धमाका की घोषणा की गई, जिसके अंतर्गत ग्राहकों को आकर्षक ब्याज दरों पर 3-व्हीलर गाड़ियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संचालक ने बताया कि ई-रिक्शा एवं ऑटो चालक भाइयों के लिए हर खरीदारी पर निश्चित उपहार प्रदान किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता विनोद कुशवाहा ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी, भक्ति और भाईचारे का दिया संदेश, सैकड़ों लोगों ने चखा लंगर

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। मोहर्रम के पावन अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और भाईचारे का परिचय देते हुए लंगर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने लंगर ग्रहण कर इस सेवा कार्य में भागीदारी की। लंगर वितरण कार्यक्रम खास तौर पर मुस्लिम समाज के प्रति सम्मान और एकता के संदेश को लेकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोग, धर्मप्रेमी, युवा एवं कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। विनोद कुशवाहा ने इस अवसर पर कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान और इंसानियत की शिक्षा देता है। यह केवल मुस्लिम समुदाय का पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड कांग्रेस हमेशा सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता, और सेवा भाव के सिद्धांतों पर काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी। लंगर वितरण कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने हिस्सा लिया। सभी ने एकजुट होकर अल्पाहार ग्रहण किया और विनोद कुशवाहा के इस प्रयास की सराहना की। विनोद कुशवाहा ने सभी का आभार जताया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से सभी धर्मों के लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास जारी रहेगा।

विभावि के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च मेथडोलॉजी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आज से

● कुलपति करेंगे उद्घाटन, देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ करेंगे मार्गदर्शन

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग की ओर से रिसर्च मेथडोलॉजी विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन मंगलवार से किया जा रहा है। यह कार्यशाला सीवी रमन भवन के आर्यभट्ट सभागार में प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ होगी। इस कार्यक्रम का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन, रांची के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. चन्द्र भूषण शर्मा संबोधित करेंगे। वे शोध कार्यों की पद्धति, उसकी महत्ता एवं वर्तमान शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालेंगे। मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार (गया) के सोशल साइंस संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कुमार एवं बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा (बिहार) के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. इंतेखाबुर रहमान शिरकत करेंगे। दोनों विशेषज्ञ विद्यार्थियों को शोध विधियों की बारीकियों से अवगत कराएंगे।कार्यशाला में कुल 70 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें विभावि के विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों से आए शोधार्थी शामिल होंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन चार सत्रों में आयोजित होगा। पहले दिन दूसरे सत्र में डॉ. इंतेखाबुर रहमान एसपीएसएस (SPSS) सॉफ्टवेयर की सहायता से डेटा एनालिसिस के तकनीकी पक्षों पर व्याख्यान देंगे, जबकि अंतिम सत्र में विज्ञान संकाय के डीन डॉ. एच.एन. सिन्हा पायलट स्टडी की अवधारणा पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को सीकरी थाना की पुलिस ने किया डिटेन, साढ़े चार घंटे बाद छोड़ा

● हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को सीकरी थाना की पुलिस ने किया डिटेन, साढ़े चार घंटे बाद छोड़ा ● हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को सीकरी थाना की पुलिस ने किया डिटेन, साढ़े चार घंटे रहे छोडा दिया गया 163 का हवाला, कहा बेलतू नहीं जा सकते, मामला झंडा विवाद

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी को केरेडारी के बेलतू जाने के क्रम में सीकरी थाना की पुलिस व स्थानीय प्रशासन ने रोक लिया और उन्हें अपने थाने में डिटेल कर नजर बंद कर दिया । पुलिस प्रशासन ने कहा की धारा 163 लागू है इसलिए आप बेलतू नहीं जा सकते। यह मामला बेलतू में दो समुदाय के बीच झंडा विवाद का है। आश्चर्य बात की है की धारा 163 में जनप्रतिनिधि पर भी स्थल पर जाने में रोक लगा

दिया गया है। जबकि सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हम भी इस मामले का निष्पादन चाहते हैं । स्थल पर विवाद का निष्पादन हो इसलिए हम जाना चाह रहे थे। पिछले दो दिनों से इस मामले को लेकर ग्रामीणों में तनाव का माहौल है । बेलतू गांव , केरेडारी थाना क्षेत्र में है और यह इलाका हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में है। जिसके सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रोशन लाल चौधरी हैं। इस हैसियत से दोनों वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि हैं। ऐसे में उन्हें पुलिस के द्वारा डिटेन कर बीते साढ़े चार घंटे से नजर बंद किया जाना क्षेत्र में चर्चा का विषय भी बन गया । इसके बाद शाम 6:00 बजे छोड़ दिया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रशासन से अपील करते हुए आग्रह किया कि हजारीबाग जिला प्रशासन यार सुनिश्चित करें कि बदले की भावना से कोई भी कार्यवाही ना हो, किसी की दुकान और मकान को ना तोड़ा जाए, जो झंडा हाल में वहां लगाया गया है उसे तत्काल हटाया जाय और शांतिप्रिया ढंग से इस मामले का निपटारा करें ताकि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था कायम रह सके । सांसद मनीष जायसवाल ने जिला प्रशासन से शांतिपूर्ण समाधान की अपील की है, ताकि किसी का नुकसान न हो और वर्तमान में यहां लगे विवादित झंडे को तत्काल हटाया जाय । हालांकि उधर बेलतू बाजार में लगाए गए दोनों समुदाय के झंडा को प्रशासन द्वारा वहां से हटा दिया गया और भगवा झंडा को मंदिर में तथा मुस्लिम समुदाय के झंडा को मस्जिद में पहुंचा दिया गया। एवं तिरंगा झंडा लगाया गया। वही इस स्थल पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस का प्रतिमा लगाए जाने का निर्णय हुआ जिसको लेकर प्रशासन ने नीव रखी। सांसद मनीष जायसवाल के साथ विधायक रोशन लाल चौधरी, लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, बड़कागांव विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, भाजयुमो नेता अमित गुप्ता, लोकसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, विधायक पीए अनूप सिंह मौजूद थे।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को सीकरी थाना की पुलिस ने किया डिटेन, नज़र बंद

दिया गया 144 का हवाला, कहा बेलतू नहीं जा सकते, मामला झंडा विवाद का

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी को केरेडारी के बेलतू जाने के क्रम में सीकरी थाना की पुलिस व स्थानीय प्रशासन ने रोक लिया और उन्हें अपने थाने में डिटेल कर नजर बंद कर दिया है। पुलिस प्रशासन ने कहा की धारा 144 लागू है इसलिए आप बेलतू नहीं जा सकते। यह मामला बेलतू में दो समुदाय के बीच झंडा विवाद का है। इसके निपटारे में प्रशासन लगातार जुटी हुई है लेकिन अब तक सफल नहीं हुई है। आश्चर्य बात की है की धारा 144 में जनप्रतिनिधि पर भी स्थल पर जाने में रोक लगा दिया गया है। जबकि सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हम भी इस मामले का

निष्पादन चाहते हैं ।स्थल पर विवाद का निष्पादन हो इसलिए हम जाना चाह रहे थे। पिछले दो दिनों से इस मामले को लेकर ग्रामीणों में तनाव का माहौल है।

बेलतू गांव, केरेडारी थाना क्षेत्र में है और यह इलाका हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में है। जिसके सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रोशन लाल चौधरी हैं। इस हैसियत से दोनों वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधि हैं। ऐसे में उन्हें पुलिस के द्वारा डिटेन कर लिया जाना और नजर बंद किया जाना क्षेत्र में चर्चा का विषय भी बन गया है। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रशासन से अपील करते हुए आग्रह किया कि हजारीबाग जिला प्रशासन यार सुनिश्चित करें कि बदले की भावना से कोई भी कार्यवाही ना हो, किसी की दुकान और मकान को ना तोड़ा जाए, जो झंडा हाल में वहां लगाया गया है उसे तत्काल हटाया जाय और शांतिप्रिया ढंग से इस मामले का निपटारा करें ताकि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था कायम रह सके।

सांसद मनीष जायसवाल के साथ विशेषरूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, बड़कागांव विधायक के पीए अनूप सिंह भी साथ हैं।

छड़वा मोहर्रम कमेटी ने मुहर्रम मेला के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व समाजिक संगठनों को दिया धन्यवाद

● छड़वा मोहर्रम मेले को सफल बनाने में हर समुदाय के लोगों ने सहयोग किया, जो समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल हैः मुख्तार अंसारी

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। त्याग और बलिदान का प्रतीक पर्व मुहर्रम इस वर्ष छड़वा में आपसी एकता, शांति, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं हर्षोल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर छड़वा मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष मुख्तार अंसारी ने एक बयान जारी करते हुए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अथक प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने मुहर्रम मेला के शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रशासन के साथ-साथ कमेटी के तमाम सदस्यों, अखाड़ा धारियों एवं समाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की और उन्हें दिल से धन्यवाद दिया।

मुख्तार अंसारी ने कहा कि मोहर्रम का पर्व हमें त्याग, सहनशीलता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। इसे सफल बनाने में हर समुदाय के लोगों ने सहयोग किया, जो समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल है।

दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर का तीसरा प्राणप्रतिष्ठा वर्षगांठ धूमधाम से मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ (दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर) के प्राणप्रतिष्ठा का तीसरा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया. अहले सुबह से ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा पाठ को लेकर श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा जो संध्या आरती के उपरांत महाभोग वितरण तक जारी रहा. बताते चलें की दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर के तृतीय वर्षगांठ पर सुबह 9:00 बजे से पूजा अर्चना , 3:00 बजे से दीपदान, 4:00 से महिला समूह के द्वारा कीर्तन संध्या, 6:00 बजे श्मशान काली मंदिर पुजारी बिट्टू बाबा एवं काली मंदिर पुजारी शिवम पंडित के द्वारा महाआरती के उपरांत महाप्रसाद वितरण एवं रात्रि में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया. ज्ञात

हो कि वर्ष 2022 में 6 जुलाई को काली मंदिर में मां काली की प्रतिमा के साथ साथ शिव परिवार, राम दरबार, दस महाविद्या, पंच मुखी हनुमान, बटुक भैरव, भगवान भास्कर, दुर्गा माता, नवग्रह समेत अन्य देवी देवताओं का मूर्ति स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया था द्य आयोजन को लेकर दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ प्रभात कुमार प्रधान ने कहा दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शिवपुरी सहित हजारीबाग के श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया मां काली मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के तीसरे वर्षगांठ पर मुहल्ले के लोगों ने एक परिवार रूप में एकत्र होकर धूमधाम से वर्षगांठ मनाया द्य आगे उन्होंने कहा कि मंदिर में होने वाले हर पूजनोत्सव को शिवपुरी के श्रद्धालु उत्सव के रूप में मनाते हैं जो एक वृहद परिवार की पहचान है. मौके पर डॉ प्रो प्रदीप कुमार प्रधान, मोहर दास, शंकर प्रसाद अम्बाष्टा , समाजसेवी प्रशांत कुमार प्रधान, दिवाकर कुमार , समाजसेवी निशांत कुमार प्रधान, सुधा प्रधान, सोनम प्रिया, मिताली रश्मि, लक्ष्मी देवी सहित शिवपुरी मुहल्ले के साथ साथ शहर के दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे.

उपायुक्त ने किया सलगांवां पैक्स (धान अधिप्राप्ति केंद्र) का निरीक्षण

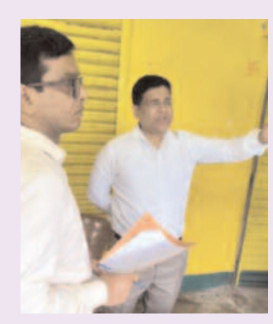

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने सोमवार को कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत सलगांवां पैक्स (धान अधिप्राप्ति केंद्र) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर धान अधिप्राप्ति की प्रक्रिया, भंडारण,रिकॉर्ड संधारण समेत सभी पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में कुछ त्रुटियाँ पाए जाने पर उपायुक्त ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी त्रुटियों को अविलंब सुधार किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की सुविधा सर्वोपरि है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि धान अधिप्राप्ति कार्य तथा केंद्र पर जरूरी सुविधाएं जैसे वजन मशीन, माप-तौल व्यवस्था आदि की उपलब्धता रहे तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुधीर कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

हजारीबाग पुलिस ने शिशु अपहरण मामले का सफल उद्भेदन किया

● 1.5 वर्षीय बालक सकुशल बरामद, 5 गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के शिवपुरी निवासी मितु देवी ने गत 01 जुलाई 2025 को अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र शकर के अपहरण की शिकायत सदर थाना, हजारीबाग में दर्ज कराई थी। जांच में पाया गया कि कुछ व्यक्तियों ने बालक को बेचने की नीयत से महावीर स्थान से अगवा किया था। सदर थाना कांड संख्या 197/25, दिनांक 06/07/25 को IPC की धारा 137(2)/142/61(2)(a) के तहत मामला दर्ज कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चलकुशा से बालक को सकुशल बरामद कर लिया। कांड में संलिप्त 5 अभियुक्तों सुदीप कुमार स्वर्णकार, सीमा शर्मा, संजय कुमार, सरिता देवी एवं चिंता देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। हजारीबाग पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि बाल सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। छापामारी टीम में अमित आनंद, (भा.पु.से.) अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग, सुभाष सिंह- पु.नि., थाना प्रभारी सदर, राहुल कुमार, पु.अ.नि., अनुसंधानकर्ता, सदर थाना रमेश चंद्र हजाम, पु.अ.नि., सदर थाना और महिला आरक्षी-258, सदर थाना शामिल थे।

हजारीबाग यूथ विंग द्वारा गौशाला कर्मचारियों के बीच रेनकोट का किया गया वितरण

● गौ माता की सेवा में जुटे समर्पित कर्मचारियों को संस्था ने बरसात में राहत देने का किया प्रयास ● गौसेवकों की सेवा करना समाज का कर्तव्य है, यह पुण्य का कार्य हैः चंद्र प्रकाश जैन ● बारिश में भीगते कर्मठ कर्मचारियों के लिए रेनकोट एक छोटा प्रयास, मगर बड़ा सहारा हैः करण जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। बरसात के इस मौसम में जब हर कोई बारिश से बचाव के उपाय खोज रहा है, वहीं गौ माता की सेवा में दिन-रात जुटे गौशाला कर्मचारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कार्य में लगे हुए हैं। ऐसे ही समर्पित सेवकों को सम्मान और सहूलियत देने के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग द्वारा सोमवार को हजारीबाग गौशाला परिसर में सभी कर्मचारियों के बीच रेनकोट का

वितरण किया गया।

यह आयोजन उस समय किया गया जब रिमझिम बारिश हो रही थी और कर्मचारी अपने कार्य को पूरा कर रहे थे संस्था ने इस क्षण को अवसर बनाते हुए न केवल रेनकोट वितरित किया, बल्कि यह संदेश भी दिया की समाज के प्रति समर्पित व्यक्तियों के साथ संस्था हर परिस्थिति में खड़ी है। रेनकोट पाकर कर्मचारियों के चेहरे पर खुशी और संतोष की झलक स्पष्ट रूप से देखी गई। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन की माताजी सुधारानी जैन द्वारा किया गया। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा की गौशाला कर्मचारी बारिश, गर्मी या सर्दी की परवाह किए बिना निरंतर सेवा करते हैं। ऐसे में रेनकोट उनके लिए सिर्फ एक वस्त्र नहीं, बल्कि सेवा पथ का सहायक साधन है। संस्था भविष्य में भी ऐसे जरूरतमंद कर्मियों की सहायता करती रहेगी। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा की हजारीबाग यूथ विंग की हमेशा से यह सोच रही है की सेवा में लगे हर वर्ग तक सहायता पहुंचे। गौशाला के ये कर्मचारी सिर्फ गौ माता की सेवा ही नहीं करते, बल्कि शहर के विभिन्न घरों में दूध वितरण जैसे कार्यों में भी लगे रहते हैं। बारिश में इनका कार्य प्रभावित न हो, इसलिए यह रेनकोट एक सहायक कवच की तरह कार्य करेगा। इस मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, संजय कुमार, प्रवेक जैन, उदित तिवारी, विनय पांडे, गौशाला के कोषाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल, बिनोद कुमार जैन, साधना जैन (इंदौर निवासी) सहित कई लोग मौजूद रहें.

संक्षिप्त समाचार

सतगावां की आंगनबाड़ी वर्करों ने सीडीपीओ ऑफिस में ज्ञापन सौंपा

आदिवासी एक्सप्रेस मुन्ना दास

सतगावां कोडरमा। केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों और कोड के खिलाफ 17 सूत्री मांगों को लेकर 9 जुलाई 2025 को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) और ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ आंगनबाड़ी वर्करों एंड हेल्फर से संबद्ध झारखंड राज्य न्यूनतम 26 हजार वेतन , स्थायीकरण , रिटायमेंट के बाद 10 हजार पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ देने की आदि मांगों को लेकर 9 जुलाई 2025 को देशव्यापी हड़ताल करने को निर्णय लिया गया है। उन्होंने सीडीपीओ ऑफिस सतगावां में ज्ञापन देकर सूचित किया गया कि हमलोग सतगावां आंगनबाड़ी की सेविका सहायिका 9 जुलाई को हड़ताल में शामिल होने कोडरमा जा रहे हैं । मौके पर सुनीता देवी, लीला देवी करुणा कुमारी, ऊषा देवी , मुशरत जहां , सुनैना देवी, सोनी कुमारी, सुरेन्द्र पांडेय, बाबूलाल चौधरी एवं अनेकों सेविका सहायिका शामिल हुए।

हेरिटेज पब्लिक स्कूल में रैनी डे का उल्लासपूर्वक आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा। झुमरी तिलैया स्थित हेरिटेज पब्लिक स्कूल में रेनी डे का आयोजन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर प्ले ग्रुप और नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्नों ने पूरे जोश से भाग लिया। बच्चे रंग-बिरंगे वर्षा ऋतु के परिधानों में सजे हुए आए थे, जिससे स्कूल का वातावरण आनंद और रंगों से भर गया। कार्यक्रम की शुरुआत छतरियों के साथ मनमोहक नृत्य से हुई, जिसमें बच्चों ने मुस्कुराते हुए हिस्सा लिया। कागज़ की नावों को पानी में तैराना बच्चों के लिए बेहद रोचक अनुभव रहा। इसके साथ ही बादलों से सजा हुआ सेल्फी कॉर्नर भी बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ उन्होंने हँसी-खुशी में तस्वीरें खिंचवाईं।

बच्चों को वर्षा ऋतु के बारे में जानकारी, इसके फायदे और सावधानियों से अवगत कराया गया। शिक्षकों ने बताया कि वर्षा से प्रकृति हरी-भरी होती है और वातावरण शुद्ध होता है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गुनगुन मैम और पायल मैम का विशेष योगदान रहा। उनका मार्गदर्शन और सहयोग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने में अहम भूमिका निभाया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या मारिया मंडल ने सभी को सराहना दी और बच्चों को इसी तरह हर गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह दिन बच्चों के लिए मनोरंजक, ज्ञानवर्धक और स्मरणीय अनुभव बन गया।

सीता देवी के दशगात्र कार्यक्रम में सैकड़ों के संख्या में जन सैलाब उमड़ा, मौके पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड के ग्राम बेलखोरी में सीता देवी के दशगात्र कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रविदास समाज मयूरहंड एवं अन्य प्रखंड/जिलों के सैकड़ों लोगों की उमड़ी भीड़। कार्यक्रम में पहुंचे हुए लोगों ने स्व.सीता देवी,पति ठाकुरी रविदास के तस्वीर पर पुष्प श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मृतक के परिजनों को ढाढस बंधाए।बताते चले कि सीता देवी का आकस्मिक निधन पिछले 27 जून को हो गया था। इस मौके पर मयूरहंड रविदास महासभा के प्रखंड अध्यक्ष सुमन दास, एवम समस्त बेलखोरी गांव के ग्राम वासी और सैकड़ों उनको चाहने वाले उपस्थित रहे।

पी एल वी जितेंद्र दास के द्वारा दिव्यागजनों के अधिकारों को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

चतरा (गिद्धौर)। प्रखंड मुख्यालय गिद्धौर के ग्राम बरटा में अधिकार मित्र जितेंद्र दास के द्वारा दिव्यांगजनों के अधिकारोंको लेकर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के माननीय सचिव महोदय के निर्देश अनुसार चलाया गया। इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विधिक सहायता के विषय में जागरूक करना तथा योजनाओं के अंतर्गत दिव्यांग व्यक्तियों को मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता, सम्मानजनक जीवन, सुलभ सुविधाएँ, तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही नालसा टोलफ्री न15100 की जानकारी दी गई इस कार्यक्रम में दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

चान्हो बाजार टॉड में मुहर्रम मेला का आयोजन

चान्हो में अस्त्र शस्त्र एवं लाठी खेल का रोमांचक आयोजन

संवाददाता-अंगद कुमार सिंह

चान्हो। मुहर्रम के अवसर पर इंसाफ और सच्चाई के लिए शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में चान्हो में भव्य जुलूस निकाला गया। इस मौके पर क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों की टीमों ने अपने-अपने निशानों के साथ चान्हो चौक में एकत्र होकर शस्त्र एवं लाठी खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सेन्ट्रल मुहर्रम

कमेटी की ओर से किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। लाठी भांजकर किया गया प्रतियोगिता का उदघाटनः प्रतियोगिता का उद्घाटन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, खलारी डीएसपी आरएन चौधरी, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने फीता काटकर किया।स्वागत के क्रम में दोनों अतिथियों को साफा पहनाकर और बैज लगाकर सम्मानित किया गया। रोमांचक खेल और नारेबाजी ने बढ़ाया उत्साहः अखाड़ों के टीम लीडरों ने अपनी-अपनी टीमों के साथ बारी-बारी से लाठी और तलवार के रोमांचक करतब दिखाए। खेल संचालन के दौरान किए गए नारे, शायरी, ताशा और लाउडस्पीकर की धुनों ने मैदान में उपस्थित दर्शकों में रोमांच भर दिया। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों की सराहना की। वहीं मेले में लगे स्टॉलों पर पारंपरिक मिठाइयों की जमकर बिक्री हुई। प्रतिभागी टीमों को दिया गया सम्मानः प्रतियोगिता में बेतलंगी, खुटीटोला, सरईटोली, सोंस, चटवल, मसमानो और पकरियो की टीमों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी टीमों को कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इरशाद खान, अब्दुल्ला अंसारी, मोजाहिद अंसारी, सुनिल उरांव समेत बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक की मौत एक गंभीर रूप से घायल, किया गया रेफर

हजारीबाग ले जाते समय ऑटो चालक मारूफ अंसारी ने तोड़ा दम

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। चौपारण चतरा मुख्य मार्ग पर भद्रकाली कॉलेज गेट के समीप बोलेरो और टेंपो के बीच हुई जोरदार टक्कर। इस भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल ऑटो ड्राइवर मारूफ अंसारी ने दम तोड़ दिया है। उन्हें इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग ले जाया जाने के क्रम में रास्ते में उनकी मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। मृतक की पहचान मारूफ अंसारी के रूप में की गई है,इस दुर्घटना में एक महिला भी गंभीर रूप से घायल है। घायल महिला अम्बिया देवी जिनका इलाज हजारीबाग में जारी है। हादसे में घायल महिला नेवरी कर्मा की रहने वाली हैं पति का नाम मदन यादव

है और उनका इलाज हजारीबाग में जारी है, अम्बिया को इलाज के लिए 108 पर कॉल करने पर भी नहीं आया जिसके बाद प्राईवेट वाहन से हजारीबाग ले जाया गया। घायलों के पहुंचने के बाद घायलों के प्रति इटखोरी सामुदायिक अस्पताल का रवैया घायलों के प्रति उदासीन देखा गया। अस्पताल में अव्यवस्था का आलम देखने को मिला। अस्पताल का रवैया बिलकुल खराब हो चूका है। इस बीच घायलों के परिजनों ने इटखोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि इस हॉस्पिटल में इस प्रकार के व्यवहार किए जाने का मामला पहले भी सामने आ चुका है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। मारूफ अंसारी पिता रहमली मियां की मौत के बाद इस सड़क हादसे और अस्पताल में कथित दुर्व्यवहार का मामला और भी गरमा गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस घटना की गहन जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शांति और सौहार्द के साथ बिंदुआ डेवडर में मोहर्रम का त्योहार संपन्न

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- मोहम्मद शमीम

उंटारी रोड, पलामू। जिले के उंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत ग्राम बिंदुआ डेवडर में रविवार को दसवीं मोहर्रम को लेकर मुस्लिम समुदाय के द्वारा जुलूस का भव्य आयोजन किया। सुरक्षा को लेकर अंचलाधिकारी वासुदेव राय, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण कुमार भगत, इंस्पेक्टर रामाशीष पासवान, मजिस्ट्रेट अनुज कुमार पासवान, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे, सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात थे।

मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह समाजसेवी राजकुमार चंद्रवंशी उमा तिवारी अंजुमन कमेटी के सदर खताबुद्दीन अंसारी, मुस्तकीम अंसारी, अलीहुसेन अंसारी , मंसूर अंसारी मौजूद थे वही मौके पर 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कहा की यह ताजिया अखाड़ा मिलन समारोह का आयोजन बिंदुआ डेवडर के धरती पर मोहर्रम का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया आगे भी मनाया जाएगा दोनों समुदाय के लोगों ने एक से बढ़कर एक करतब पेश किया। लाठी व तलवार भांजकर कला दिखाया।

आपस में भाईचारे के रूप में मिलजुल कर त्यौहार मनाते हैं एवं शांति पूर्वक से संपन्न हुआ।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

● जांच में जुटी पुलिस ● 2 माह पूर्व हुआ था विवाह, गांव में पसरा मातम

आदिवासी एक्सप्रेस / ब्यूरो संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में एक नई दुल्हन ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की पहचान थाना क्षेत्र के बड़हीबीघा निवासी राजू दास के 21 वर्षीय पत्नी रिंकू कुमारी के रूप की गई है, जो दो माह पहले ही अपने पति राजू के साथ विवाह बंधन में बंधी थी। घटना की जानकारी मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमारदल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए चतरा भेज दिया दी है। ग्रामीणों ने बताया कि जब महिला फांसी लगाई थी उस वक्त घर पर कोई सदस्य नहीं था सास खेत में धान के बिचड़ा देखने गई थी वही नन्दन कोचिंग गई हुई थी। जब सास और नन्दन घर पहुंची तो देखी की दरवाजा बंद है इसके बाद परिजनों ने ग्रामीणों को हो हल्ला किया। हल्ला सुनकर आस पड़ोस के ग्रामीण पहुंचे। इस दौरान लोगों ने छत पर चढ़ कर देखा तो मृतिका दुपट्टा के फंदे लगाकर झूल रही थी। इधर ग्रामीणों ने जब

अंदर जाकर देखा तो देखा कि महिला मृत है। इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए चतरा भेज दिया है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि इस मामले में विस्तृत से जांच की जा रही है। हमने सभी संभावित कारणों की जांच शुरू कर दी है। परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या के पीछे का कारण स्पष्ट हो सके। स्थानीय निवासियों के अनुसार, रिंकी एक खुशमिजाज लड़की थी और उसके विवाह को अभी दो माह पहले हुआ था। पड़ोसियों के अनुसार, परिवार में कोई बाहरी समस्या नहीं थी, लेकिन रचना के अचानक इस कदम उठाने से सभी हैरान हैं। मृतका के पति राजू कोलकला में मजदूरी करता है। जांच में जुटी पुलिस ने कहा है कि वे रिंकी के परिवार वालों से बात कर रहे हैं और उनकी भावनाओं का ध्यान रखते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ मामले की जांच करेंगे। रिंकी के मायके वालो का कहना है कि वे इस दुखद घटना के पीछे की सच्चाई जानने के लिए पुलिस की मदद कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि मामला नव विवाहिता का है इसलिए मामले की जांच गहनता से की जा रही है। हालांकि खबर लिखें जाने तक मायके पक्ष के द्वारा थाने में आवेदन नहीं दी गई थी।

दो सप्ताह से लापता युवक छत्तीसगढ़ के रायपुर से सकुशल बरामद

● परिजनों में हर्ष का माहौल

आदिवासी एक्सप्रेस/ ब्यूरो संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। दो सप्ताह पूर्व सिरसा जानें के क्रम में अचानक गया जी रेलवे स्टेशन से लापता हुआ युवक छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर से सकुशल बरामद हो गया है। बताया जा रहा है युवक की अचानक संतुलन मानसिक रूप से कमजोर हो गया था। हंटरगंज थाना क्षेत्र के ढेबो गांव निवासी 23 वर्षीय राजदेव यादव का पुत्र रामबली कुमार 25 जून को सिरसा जानें के क्रम में गया जी रेलवे स्टेशन से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने हंटरगंज थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वही आवेदन पत्र के माध्यम से परिजनों ने चतरा एसपी और स्थानीय सांसद व विधायक को भी अवगत करवाया था। सोमवार को परिजनों के पास रामबली ने फोन के माध्यम से सकुशल होने की जानकारी दी वही सोशल मीडिया में वीडियो कॉल पर अपने मां और पिता से बात किया। इसकी तत्काल सूचना रामबली के चचेरे भाई पत्रकार विकास कुमार यादव ने हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार को दी। साथ ही मंगलवार सुबह रामबली के पिता राजदेव यादव, मित्र धर्मेंद्र यादव, रामजी यादव, चंदू कुमार, विकास कुमार यादव, सहित अन्य ग्रामीण छत्तीसगढ़ रायपुर के लिए रवाना होंगे उक्त जानकारी युवक के पिता श्री यादव ने दी। वहां जाकर कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद युवक को सकुशल घर लाया जाएगा। रामबली के मिलने पर परिजनों और ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है।

15 वर्षों से फरार दो लाल वारंटी गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। पुलिस अधीक्षक पलामू के निर्देश पर जिले में फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में छतरपुर थाना क्षेत्र से 15 वर्षों से फरार दो लाल वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बबन पासवान पिता चन्द्रदेव पासवान एवं लल्लू यादव पिता लंकेश्वर यादव शामिल है। दोनों पटसारा के रहने वाले हैं। यह कार्रवाई छतरपुर पुलिस की छापामारी टीम द्वारा की गई। इसकी जानकारी छतरपुर थाना द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया गया।

मिशन सेवा के तहत आर पी एफ कोडरमा के जवान ने पीड़िता का करवाया ईलाज

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा। आज दिनांक 07/07/2025 को आर पी एफ कोडरमा को सूचना प्राप्त हुआ कि गाड़ी संख्या 18428. पुरी वीकली एक्सप्रेस से एक महिला उतरने के क्रम में प्लेटफार्म संख्या 03 पर गिर गई। सूचना के उपरांत सहायक उप निरीक्षक वशिष्ठ नारायण यादव महिला आरक्षी नीलू कुमारी तथा आरक्षी शंकर कुमार मौके पर पहुंचे तो पाए कि उनका सर में गंभीर चोट लग गई है तथा खून निकल रहा है हालांकि महिला बोलचाल रही थी इसपर नाम रसीबा खातून, पति मोहम्मद हबीब, उम्र करीब 55 वर्ष साकिब चंदवारा थाना चंदवारा जिला कोडरमा बताया, महिला के सिर तथा पैर में चोट लगा था। तत्पश्चात स्टेशन मास्टर कोडरमा से समन्वय कर रेलवे डॉक्टर को बुलाया गया और प्राथमिक उपचार महिला का कराया गया बाद 108 पर कॉल करके एंबुलेंस भी बुलाया गया। बाद स्थानीय थाना चंदवारा से संपर्क कर महिला के परिजनों को सूचित किया गया इसपर पड़ोसी मोहम्मद काजिम जो घटनास्थल पर पहुंचे और महिला को एंबुलेंस में बैठा कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल कोडरमा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया।

कोल माइंस को राष्ट्रीय कोयला मज़दूर यूनियन के द्वारा बीजीआर प्रबंधन को मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र सौंपा गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

केरेडारी। हजारीबाग प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कोल माइंस पांडु में एनटीपीसी, डीजीआर में राष्ट्रीय कोयला मज़दूर यूनियन (HMS) द्वारा बीजीआर प्रबंधन को मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र सौंपा गया। इस पत्र में मजदूरों की कुल 10 प्रमुख मांगे दर्ज थीं, जिनमें से मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं। यह मांग पत्र बीजीआर के एचआर रामशास्त्री एवं पगार प्रभारी ओ.पी. द्वारा आश्वासन दिया गया।

बीजीआर प्रबंधन द्वारा इन मांगों पर समय लेते हुए उन्होंने कहा कि वार्ता की तिथि निर्धारित की गई। इस निर्णय से यूनियन व सभी मजदूर साथी सहमत हुए। एक बड़ी उपलब्धि साथ ही, यूनियन द्वारा उठाई गई एक महत्वपूर्ण मांग तत्काल पूरी हुई। बीजीआर के वर्कर हारून रशीद, जिन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के ड्यूटी से सस्पेंड कर दिया गया था, उन्हें बीजीआर के प्रोजेक्ट मैनेजर श्रीनिवास राव द्वारा सम्मानपूर्वक पुनः ड्यूटी पर बहाल कर दिया गया। यह मजदूर यूनियन की पहली और बहुत महत्वपूर्ण जीत मानी जा रही है। संक्षेप में ः मांग पत्र बीजीआर प्रबंधन को सौंपा गया। मांगों पर चर्चा के लिए समय साथ वार्ता सुनिश्चित हुई। जिन कामगारों को कार्य स्थल से हटाकर क्लब हाउस में रखा गया है, उन्हें पुनः अपने - अपने कार्य स्थल पर भेजा जाए। सभी कामगारों को अपॉइंटमेंट लेटर जॉइनिंग लेटर कनफर्मेशन लेटर डिपार्टमेंट वाइज ऑथराइज पेपर व डेजिग्नेशन पेपर प्रदान किया जाए। सभी कामगारों को एचपीएस (हाई पावर कमेटी) का वेतन। रविवार को दो हाजिरी और अवकाश के दिन ड्यूटी पर बुलाने पर तीन हाजिरी, यानि तीन मास्टर देने होंगे। सभी कामगारों को सैलरी स्लिप। सभी कामगारों को एक्सीस या ग्रुप इनश्योरेंस के तहत मेडिकल बीमा। सभी कामगारों को 8.33न्न वार्षिक बोनस। कामगारों को सीएल, एस एल, इएल, पीएल, (छुट्टियाँ) की सुविधा। कामगारों को स्मार्ट कार्ड, दिया जाए। डीजीएम (खान सुरक्षा महा निदेशालय के प्रबंधन) के द्वारा ऋ्यरूप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर त्रिपक्षीय वार्तालाप कराया जाए।

संक्षिप्त समाचार

समाजसेवी संजय पंडित ने किया बदिया मुहर्रम मेला का उद्घाटन

देवघर। सोमवार को पालोजोरी प्रखंड अंतर्गत बदिया गांव में मुहर्रम पर्व के मेला को लेकर तजिया जुलूस निकाला गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं इस मौके पर युवा समाजसेवी सह विधायक प्रत्याशी संजय पंडित ने फिता काटकर मेला आयोजन का शुभारंभ किया गया। वहीं समाजसेवी संजय पंडित ने कहा की ये पर्व हसन हुसैन की कुर्बानी को दर्शाता है। तथा उन्होंने कहा की लोग तजिया को कंधे पर रखकर गांवों मे घुमाया जाता है उसके बाद लोग ताजिया को लेकर कर्बला तक पहुंचकर नमाज आदा करते हैं।जिसको लेकर लोगों ने वहीं तरह तरह की अखाड़ा खेलते हुवे साथ ही हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। वहीं इस मौके पर नसीम भाट ,मिरआलम भाट, मालेश्तर भाट ,रफाकत भाट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिविर में ग्रामीणों को दिया गया योजनाओं का लाभ

आदिवासी एक्सप्रेस प्रतिनिधि
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। प्रखंड के बांडू पंचायत भवन में सोमवार को पीएम-जनमन धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का उद्घाटन पंचायत के मुखिया संतोषीला मरांडी, पंचायत समिति के सदस्य मागा राम पहाड़िया, उप मुखिया अर्जुन मरांडी, प्रभारी प्रखंड कल्याण सह कृषि पदाधिकारी के. सी. दास ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।
शिविर में ग्राम डहरलंगी, माहुलबोना, बांडू एवं जिरली के ग्रामीणों को आधार, ई-केवाईसी, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति, आय, निवास प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड,किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान, जनधन, बीमा योजनाएं, विधवा, बृद्धा पेंशन, मनरेगा व आइसीडीएस जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया।
मौके पर समाज सेवी प्रेम लाल हांसदा, पंचायत सचिव जाफरान अंसारी, प्रवाह संस्था के फिल्ड कोर्डिनेटर मोनू कुमार सिंह, कोच बैदा पहाड़िया, सुरजा पहाड़िया, वार्ड सदस्य, डीलर व आंगनबाड़ी सेविकाएं सहित बड़ी संख्या में लाभुक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

● खिलाड़ियों को दी खेल भावना से खेलने का संदेश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ - उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा बैंक कॉलोनी स्थित जिला स्टेडियम में जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों की अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग की विजेता टीमें हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन समारोह की शुरुआत उपायुक्त द्वारा फुटबॉल को किक मारकर की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक, एडीपीओ, एपीओ व बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।
उपायुक्त मनीष कुमार ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया । उन्होंने कहा कि सुब्रतो कप एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है । उन्होने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने का संदेश देते हुए कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन सच्ची जीत टीम भावना, अनुशासन और समर्पण में होती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर पोषण और स्वच्छता का बताया गया गुढ़

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
हिरणपुर (पाकुड़)। हिरणपुर बिआरसी मैं प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत सोमवार को एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीएम पोर्शन योजना को लेकर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड के सभी साधन सेवी, संकुल साधन सेवी, के अलावा पीएम मध्य विद्यालय तारापुर और उर्दू मध्य विद्यालय के संजू जी का ने भाग लिया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक बीआरपी संजय कुमार जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया की मध्यान भोजन को दिए गए मेनू चार्ट के अनुसार स्वच्छ और सुव्यवस्थित रूप से संचालन करना है। इन्होंने बताया कि एमडीएम में बच्चों को पौष्टिक आहार मिले यह सबसे महत्वपूर्ण है। इन्होंने बताया हमारे यहां सहजन (मोरिंगा) काफी उपलब्ध है, और इसे बच्चों को अवश्य खिलाना चाहिए, सहजन मैं प्रचुर मात्रा पोषक तत्व पाया जाता है। इन्होंने बच्चों को प्रोटीन और कैल्शियम युक्त भोजन देने को कहा। वहीं एमडीएम बनाने में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिए, जबकि रसोइयों को सांप रहते हुए किचन को भी हमेशा स्वच्छ रखना को कहे। जबकि रसोइयों को टोपी लगाना अनिवार्य बताएं, वहीं एमडीएम किसी भी अवस्था में बंद ना हो इसको विशेष रूप से ध्यान देने को कहे।
मौके पर बीआरपी सुजाता सरकार, सुजीत चार, लखीराम साहा, नरेंद्र साहा, अनीता देवी आदि उपस्थित थी।

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026, मतदान केंद्रों का रेसलाईजेशन तथा बूथ लेवल एजेंट के नियुक्ति को लेकर सभी वरीय पदाधिकारियों एवं सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के अध्यक्ष/ सचिव के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग अपेक्षित हैं। योग्य मतदाता, मतदाता सूची से वंचित न रहे, अयोग्य मतदाता, मतदाता सूची में न रहे, मतदाता सूची को शुद्ध करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR) किया जा रहा है। झारखंड में भी आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण होने वाला है। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर जिले के सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से स्पष्ट निर्देश प्राप्त हुए हैं कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिसके लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 ही रहेगी। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या के पुनर्गठन से जिले में मतदान केंद्रों की संख्या में वृद्धि होगी। जिसके लिए नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। नए मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की जाएगी।
मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, भूमि सुधार उप समाहर्ता मनीष कुमार एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी उपस्थित रहे।

शिविर में ग्रामीणों को दिया गया योजनाओं का लाभ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। प्रखंड के बांडू पंचायत भवन में सोमवार को पीएम-जनमन धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का उद्घाटन पंचायत के मुखिया संतोषीला मरांडी, पंचायत समिति के सदस्य मागा राम पहाड़िया, उप मुखिया अर्जुन मरांडी, प्रभारी प्रखंड कल्याण सह कृषि पदाधिकारी के. सी. दास ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।
शिविर में ग्राम डहरलंगी, माहुलबोना, बांडू एवं जिरली के ग्रामीणों को आधार, ई-केवाईसी, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति, आय, निवास प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड,किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान, जनधन, बीमा योजनाएं, विधवा, बृद्धा पेंशन, मनरेगा व आइसीडीएस जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया। मौके पर समाज सेवी प्रेम लाल हांसदा, पंचायत सचिव जाफरान अंसारी, प्रवाह संस्था के फिल्ड कोर्डिनेटर मोनू कुमार सिंह, कोच बैदा पहाड़िया, सुरजा पहाड़िया,वार्ड सदस्य, डीलर व आंगनबाड़ी सेविकाएं सहित बड़ी संख्या में लाभुक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजकीय श्रावणी मेला को लेकर बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालु के लिए जिला प्रशासन द्वारा होटल/ धर्मशाला के कमरे का दर किया गया निर्धारित

ललित कुमार पाल की रिर्पोट
दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2025 के दौरान बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालु पूजा करने के उपरांत होटल धर्मशाला में ठहरते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, जिला प्रशासन द्वारा होटल/धर्मशाला के कमरे का दर निर्धारित किया गया है।
ए0सी0 कमरा होटल 2 बेड 900.00 (नौ सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
ए0सी0 कमरा धर्मशाला 2 बेड 600.00 (छह सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
ए0सी0 कमरा होटल 4 बेड 1300.00 (एक हजार तीन सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
ए0सी0 कमरा धर्मशाला 4 बेड 800.00 (आठ सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
ए0सी0 कमरा होटल/धर्मशाला एक्ट्रा बेड 150.00 (एक सौ पचास) रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन।
नन ए0सी0 कमरा होटल/धर्मशाला 2 बेड 400.00 (चार सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
नन ए0सी0 कमरा होटल/धर्मशाला 4 बेड 600.00 (छह सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
नन ए0सी0 कमरा होटल/धर्मशाला एक्ट्रा बेड 100.00 (एक सौ) रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन ।
कॉमन रूम होटल/धर्मशाला 200.00 (दो सौ) रुपये जीएसटी के साथ प्रति कमरा प्रति दिन
हॉल होटल/धर्मशाला 30.00 (तीस) रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन

डीपीआरओ ने भवानीपुर पंचायत भवन का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़। जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया। डीपीआरओ द्वारा पंजी का अवलोकन किया गया। साथ ही भस्मक, ज्ञान केन्द्र, जन्म-मृत्यु पंजी और पंचायत सुदृढ़ीकरण की जांच की। निरीक्षण में डीपीआरओ ने पंचायत भवन और उसके संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर पंचायत भवन में सारी व्यवस्था दुरूस्त करने एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान का निर्देश दिया गया। मौके पर मुखिया, पंचायत सचिव एवं जीआरएस उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख रखाव का जायजा लिया। उल्लेखनीय हो कि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) एवं त्री - मासिक (अंदर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को समर्पित करना होता है।
इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निरीक्षण करते हुए निर्वाचन विभाग के कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्रीमंडल निर्वाचन विभाग रांची को भेजने का निर्देश दिया।

आगामी बोर्ड परीक्षा में अव्वल परिणाम लाने की तैयारी, शिक्षकों का होगा मूल्यांकन- डीसी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, राज +2 विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के सभी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों के साथ बैठक की।उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी सीएम स्कूल के शिक्षकों को निर्देश दिया कि बोर्ड परीक्षा 2026 में शत प्रतिशत रिजल्ट हेतु अभी से ही तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया गया। अगले माह से शिक्षकों से विषयवार बच्चों की उपलब्धि के आधार पर समीक्षा की जाएगी। बच्चों के लिए दो घंटे का विशेष कक्षा की व्यवस्था की जा रही है जिसमें बच्चे की विषय से संबंधित जटिल समस्याओं को क्लियर किया जाएगा। सीएम स्कूल एसओई क्लास का परख बुकलेट तैयार किया जा रहा है सभी बच्चों को बुकलेट उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही सभी बच्चों को जूता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया गया। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के बेस्ट शिक्षक का लिस्ट तैयार करें ताकि सीएम स्कूल एसओई में दिया जा सके।
बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी सुश्री अनीता पुरती एवं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पीयूष कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
हिरणपुर (पाकुड़)। हिरणपुर थाना कांड संख्या 71/25 दिनांक 6 .7 .25 धारा 303 (2) /317 (2) bns के प्राथमिक अभियुक्त पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला अंतर्गत फरक्का थाना क्षेत्र के शिवनगर निवासी 25 वर्षीय काजेम शेख पिता बनरूद्दीन शेख को चोरी के आरोप में हिरणपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा।

खनिज चेकपोस्ट पर एसपी का औचक निरीक्षण

बिना चालान के एक भी वाहन नहीं होगा पार

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। अवैध खनन पर लगाम कसने के तहत सोमवार को पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ द्वारा मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के काशिला खनन चेकपोस्ट एवं कुसमा फाटक खनन चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने चेकपोस्ट में संधारित पंजी एवं सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य अभिलेखों की गहनता से जांच की। इस दौरान चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया गया कि बिना वैध माइनिंग चालान के एक भी खनिज लदा वाहन चेकपोस्ट से जाना नहीं चाहिए। इन्होंने सख्त हिदायत दी की यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई होना निश्चित।

उपायुक्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जल सहिया दीदियों के साथ बैठक किया

उपायुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने हेतु किया प्रेरित

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़। सोमवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी जल सहिया दीदियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त द्वारा सभी जल सहिया को निर्देशित किया गया कि SSG का सर्वे टीमने आने से पूर्व SBMSSG2025 मोबाइल ऐप के द्वारा अपना फीडबैक जरूर दें एवं अपने गांव के लोगों को फीडबैक देने हेतु प्रेरित करें। उपायुक्त ने बताया कि अपने घर के साथ-साथ अपने आसपड़ोस तथा गली मोहल्लों की साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखें एवं अन्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता का शपथ, प्रभात फेरी, रैली, दीवाल लेखन, मेंहदी, चित्रकारिता इत्यादि कर लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करें। साथ ही अपने घर, मुहल्ले एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गिला कचरा एवं सूखा कचरा के निपटान हेतु अलग- अलग कूड़ेदान बनाकर उसका प्रयोग करें एवं बने हुए भष्मक का उपयोग करें तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, अपने आसपास हो रहे जल जमाव के स्थलों को साफ करें एवं जल जमाव न होने दें। उपायुक्त के द्वारा निर्देश दिया गया कि प्रत्येक परिवार को 20 रुपये की राशि प्रति माह जमा करना है, तथा इस राशि का प्रयोग स्वच्छता संबंधित कार्यों के लिए करना है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सोमवार को एक अभियान चलाकर सभी घरों में प्लास्टिक कचरा रखने हेतु घर के बाहर एक बोरा टांगे और बंद पड़े टॉयलेट को चालू करवायें।

लेन-देन की कूटनीति के दौर में भारत का इम्तिहान

>> विचार

> “ अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है।

ज्योति मल्होत्रा

एक चीनी कहावत है ‘काश ! हम मजेदार समय में जी सकें’। तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में, बीता सप्ताह हमारे आसपास की दुनिया के कुछ रोचक पहलू सामने लाया। मामला कुछ भी हो, हालात का जायजा लेने में सप्ताहांत हमेशा अच्छा समय होता है। जब कभी चीन और पाकिस्तान के नेता मिलते हैं, तो अपने रिश्तों को लेकर, मंत्र सरीखे जिस वाक्यांश का आह्वान करते हैं :‘दोनों मुल्कों का जुड़ाव पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है’ झ्र वह तेजी से एक ऐसी हकीकत बनता जा रहा है, जो भारत के सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे हम जिस ओर भी मुंह घुमाएं। भारतीय सेना के उप-सेनाध्यक्ष, जनरल राजीव सिंह द्वारा चीन को लेकर की गई यह वाकपटु टिप्पणी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसका तरीका ‘उधार के चाकू से काम चलाने’ वाला रहा,जब उसने भारत को चोट पहुंचाने के लिए हर कदम पर पाकिस्तान की मदद की झ्र यह इस बात की पुष्टि है, अगर पुष्टि करना जरूरी है, कि चीन ही भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है। दो अन्य कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पहला, कि चीन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, यानि अमेरिका, वह भी पाकिस्तानियों के प्रति ज्यादा गर्मजोशी दिखा रहा है। दूसरा, अब जबकि दलाई लामा ने गत सप्ताहांत में उम्र के 90 साल पूरे कर लिए हैं, और अपने पुनर्जन्म को लेकर अटकलों को खुद ही यह कहकर विराम लगा दिया है कि उनका अगला जन्म चीन से बाहर होगा, एक आज़ाद और लोकतांत्रिक देश में, मसलन भारत-हालांकि, अभी साफ नहीं कि इस बदलती स्थिति पर केंद्र सरकार का नजरिया क्या रहेगा। अब लग रहा है कि इस सप्ताह क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की वाशिंगटन में होने जा रही बैठक से ऐन पहले जारी व्यक्तव्य में, पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम बतौर प्रायोजक लेने से परहेज रखा गया ,हालांकि ‘सीमा पारीय आतंकवाद’ की निंदा की गई है, एक सहमतिपूर्ण जुमला, जो संकेत देता है इससे परे जाकर कुछ नहीं कहा जाएगा- वहीं इसी वक्त पाक वायुसेनाध्यक्ष ज़हीर अहमद बाबर सिद्धू भी अमेरिकी राजधानी में

मेजबानी का लुत्फ ले रहे हैं। सिद्धू की यात्रा पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का अगला सिलसिला है, जब उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ असाधारण मुलाकात का मौका देकर नवाज़ा गया था। इसी बीच, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता अपनी परिणति की ओर है और भारतीय दल घर वापसी कर चुका है। अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है। लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है। क्वाड वक्तव्य में कम-से-कम पहलगाम का जिक्र तो आया, भले पाकिस्तान का नाम सीधे न लिया हो। जबकि,पिछले हफ्ते, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन-नीत शंघाई सहयोग संगठन द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत करने से मना कर दिया था, क्योंकि इसमें न तो इस जघन्य कांड के पीछे रहे मुल्क का जिक्र था, न जगह का। बड़ा सवाल, बल्कि कई सारे सवाल यह हैं कि हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर बनाए ताकतवर समूह क्वाड में, जिसमें भारत मुख्य सहयोगी है, वह भी भारत द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन क्यों नहीं करता। ये मुल्क, जानते हुए भी कि उनके एक सहयोगी क्वाड मुल्क को पाक-प्रायोजित आतंकी हमले से आघात लगा है, पाकिस्तान का सीधा नाम लेने से क्यों कतरा रहे? इतना ही नहीं, भारत इस नज़रिए को बदलने के लिए क्या कर सकता है? साफ है, मनगढ़ंत कहानियों पर काबू पाने के इरादे से मोदी सरकार ने पाकिस्तानी हॉकी टीम को भारत में होने जा रही दो प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी। यानि एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप (पुरुष) में पाक हॉकी टीम खेलेगी, भले इसका कारण बताया जा रहा कि ये प्रतियोगिताएं द्विपक्षीय मैच न होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आती हैं। ज्यादा रोचक रहा पंजाब भाजपा इकाई को दिलजीत दोसांझ के बचाव में खड़े होते देखना कि किसलिए इस देशभक्त अभिनेता की ट्रोलिंग की जाए और उसकी फिल्म पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए केवल इसलिए कि उसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री ने काम किया है। कुछ दिन पहले, सरकार ने माहौल का जायजा लेने के लिए, पाकिस्तान की कुछ नामी हस्तियों जैसे शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी और मावरा होकेन के कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से प्रतिबंध हटाया था झ्र लेकिन सोशल मीडिया पर इस कदम की प्रतिक्रिया देख इनको फिर से ब्लॉक करना पड़ा। रोचक है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता को रेखांकित करती सूचना का कुछ भाग ब्लॉक किए गए इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आता रहा- मसलन, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के मुख्य सहयोगी राणा सनाउल्लाह का मशहूर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर (उनका अकाउंट भी भारत ने ब्लॉक किया है) के साथ बातचीत में यह कहना कि पाकिस्तान उस वक्त बुरी तरह दवाब में आ गया था, जब नूर खान हवाई वायुसेना अड्डे पर भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों ने बुरी तरह कहर बरपा दिया था। राणा सनाउल्लाह के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के पास महज तीस-चालीस सेकंड ही यह तय करने के लिए थे कि किया क्या जाए। उन्होंने कहा : यदि हम भी अपनी मिसाइलें छोड़कर प्रत्युत्तर देते तो इससे टकराव में और विस्तार होता। स्पष्टतः, सनाउल्लाह पाकिस्तानी खेमे की पतली हुई हालत को स्वीकार कर गए, जब 10 मई की रात भारतीय वायु सेना ने अपनी कार्रवाई से निर्णायक तौर पर मामला निबटा दिया था। आजकल इस इंटरव्यू के छोटे-छोटे अंश सोशल मीडिया पर चले हुए हैं झ्र लेकिन जरा अंदाजा लगाएं कि घुमाकर पेश किए गए इन प्रारूपों की बजाय अगर पूरा इंटरव्यू भारतीयों को देखने को मिलता, तो कितना प्रभाव पड़ता। बीते सप्ताह का अन्य बड़ा मुद्दा रहा, दलाई लामा के बारे में सवाल। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, जो खुद भी उस अरुणाचल प्रदेश से हैं जिसके त्वांग में छठे दलाई लामा पैदा हुए थे और जहां से होकर वर्तमान 14वें दलाई लामा ने 1959 में तिब्बत से पलायन करने के बाद भारत में प्रवेश किया था। उनको लेकर पिछले कुछ दिनों से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि तिब्बती बौद्ध पवित्र संस्थानों के मामले में क्या होना चाहिए, इस बारे में और कोई नहीं (अर्थात चीन) बल्कि स्वयं वे ही तय कर सकते हैं। जो भी निर्णय प्रवास में रह रहे तिब्बती लोग अपने लिए तय करेंगे, मोदी सरकार कमोबेश उसके साथ चलना चाहेगी, लेकिन सब पक्षों को बखूबी पता है कि आज की कठोर दुनिया में, जहां हरेक मुल्क अपने हित बचाना चाहता है, इसकी संभावना कम ही है कि भारत सरकार अपने जोखिम पर चीन को नाराज़ करना चाहेगी। पुराने वक्त के लोगों को याद होगा कि कैसे लगभग दस साल पहले प्रधानमंत्री मोदी और दलाई लामा के बीच गुप्त बैठक हुई थी, जब प्रधानमंत्री से मिलवाने के लिए तिब्बती धर्मगुरु को काले शीशों वाली और बिना नंबर प्लेट की कार में ले जाया गया था। आज की तारीख में, भारत का मानना है कि आस्था के मामलों में वह कोई रुख नहीं रखना चाहेगी, हालांकि धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखेगी। सवाल यह है, इस कूट-संदेश के मायने क्या हैं?

लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

संपादकीय

हिंदू-मुसलमान के बीच धार्मिक समभाव, सौहार्द रहे

कांवड़-यात्रा 11 जुलाई से आरंभ हो रही है। इन सालों में जो सांप्रदायिक तनाव दिखा है, नफरत महसूस की है, कमोबेश 10 साल पहले ऐसा माहौल नहीं था। हालांकि हिंदू-मुसलमान भारतीय राजनीति का शाश्वत भाव रहा है, लेकिन कांवड़-यात्रा के दौरान मुसलमान भी शिव-भक्तों की खूब सेवा करते दिखाई दिए हैं। शिविर लगाए जाते रहे हैं, भोजन परोसा जाता है, मीठा पानी पिलाया जाता है, शिव-भक्तों के जख्मों की प्राथमिक चिकित्सा भी की जाती रही है।कांवडि़यों के पैरोकारों ने पैंट ही उतरवाई थी। उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा उसे ‘सांप्रदायिक मोड़’ दे दिया गया, यह जांच पुलिस कर रही है। प्राथमिकी में 6 आरोपितों के नाम हैं। सभी हिंदूवादी संगठनों के बताए जा रहे हैं। इस घटना में एक स्वयंभू बाबा भी कूद पड़े हैं, जो उसी इलाके में योग-साधना सिखाते हैं। उन्होंने धमकी दी है कि यदि कोई केस बनाया गया, तो देश भर में आंदोलन छेड़ दिया जाएगा। बाबा ने पैंट उतारने की घटना को फर्जी करार दिया है। यहां बेहद गंभीर सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था बेलगाम और हिंदू दबंगइयों के हाथ है? उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी झटका लगा था। उसके बाद भाजपा नेता ऑफ दि रिकॉर्ड कहते रहे हैं कि हम ऐसा हिंदू-मुसलमान करेंगे कि सब देखते रह जाएंगे। क्या वही राजनीति सामने आ रही है? बहरहाल पुलिस विशेषज्ञों का मानना है कि इलाके के ढाबों, होटलों और खोमचेवालों के नाम, पिता का नाम, मोबाइल, पता आदि का संपूर्ण डाटा ‘बीट कांस्टेबल’ के पास होता है। तो फिर जांच के लिए छापामारी करने को हिंदू दबंगइयों को किसने निर्देश दिए थे? हरी झंडी दिखाई थी? यह हरकत आपराधिक और दंडनीय है, लेकिन माना जाता है कि ये कथित हिंदू हुड़दंगी एक निश्चित राजनीतिक संरक्षण में पलते रहे हैं। । उप्र और उत्तराखंड में कांवड़-यात्राएं आयोजित की जाएंगी, जबकि कश्मीर में ‘अमरनाथ यात्रा’ शुरू हो चुकी है। उस यात्रा के दौरान प्रबंध करने वाले सभी मुसलमान होते हैं। वहां हिंदू-मुसलमान के बीच धार्मिक समभाव, सौहार्द क्यों है?

सबकी हो गिनती, तभी जनगणना का मतलब

पुनीत सिंह सिंघल

जनगणना लोगों की गिनती भर नहीं। यह योजना, नीति और राजनीतिक ताकत की बुनियाद है। क्या होगा जब यह गिनती अधूरी रह जाए, अनजाने में लाखों लोग इससे बाहर रह जाएं? भारत में विकलांग लोगों के संदर्भ में यह सवाल सैद्धांतिक नहीं, जीती-जागती सच्चाई है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और तब भारत की आबादी का सिर्फ 2.2 फीसदी हिस्सा विकलांगता से पीड़ित पाया गया। यह आंकड़ा खासा विवादित है। विश्व बैंक और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमानों के मुताबिक, दुनिया में विकलांगता करीब 15 फीसदी है। इसका मतलब है कि भारत में इनकी संख्या तकरीबन 20 करोड़ होनी चाहिए। यानी इतने लोग गिनती में आने चाहिए, लेकिन उनके सामने नहीं गिने जाने का जोखिम है। इतने बड़े पैमाने पर छूटने को संख्या में अंतर के रूप में नहीं बल्कि पहचान से महरूम किए जाने के तौर पर देखा जाना चाहिए। जब विकलांगता को गायब कर दिया जाता है, तो वह महत्वहीन भी हो जाती है। न तो सेवाओं की योजना बनाते समय और न ही बुनियादी ढांचा खड़ा करते समय विकलांगों को ध्यान में रखा जाता है। और इस तरह, अधिकार आकांक्षाएं बनकर रह जाती हैं। स्कूल भवनों से लेकर जॉब पोर्टल तक हर जगह उन्हें नजरअंदाज किया जाता है और ऐसे बहिष्कार की शुरुआत गलत गिनती से होती है। समस्या आज की नहीं। इसकी जड़ें औपनिवेशिक युग की उस सोच में हैं, जिसमें विकलांगता को एक दोष माना जाता था, ऐसा दोष जिसके प्रति दया का भाव रखना चाहिए। 1872 में हुई पहली भारतीय जनगणना में ‘अशक्तता’ पर अस्पष्ट प्रश्न रखे गए थे। परिणाम अविश्वसनीय आए

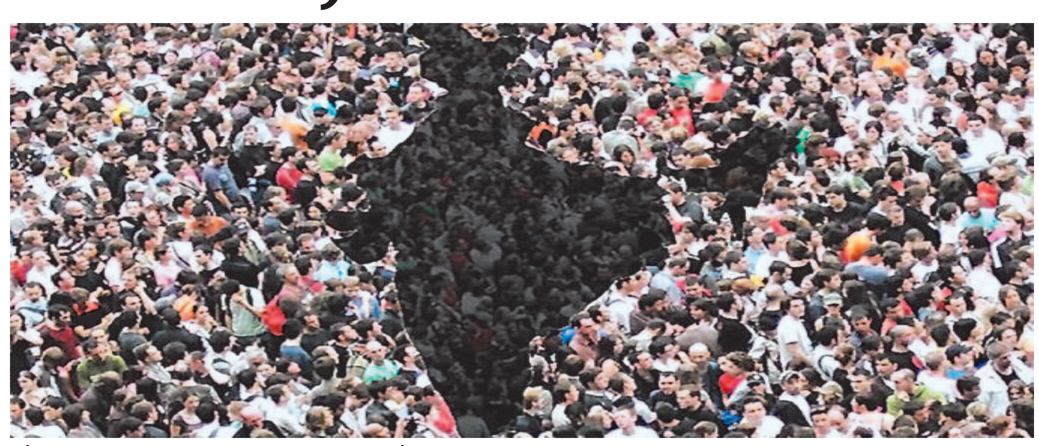

और उसके बाद इन प्रश्नों को हटा दिया गया। दुनिया भर में बने माहौल के बाद 1981 की जनगणना में विकलांगता को फिर से शामिल किया गया, लेकिन परिभाषा संकीर्ण और कार्यप्रणाली तब भी खराब ही रही। विकलांगता की गणना दिखने वाले कारकों पर निर्भर करती है। अदृश्य और संज्ञानात्मक विकलांगताओं की अनदेखी कर दी जाती है। कलंकित होने के भय से परिवार के लोग भी इसे छिपाते हैं। अगर प्रमाणपत्र न हो तो ऐसे लोगों को विकलांग मानने से सिरे से खारिज कर दिया जाता है। बिना प्रमाण पत्र वाले कई लोगों को पूरी तरह से खारिज कर दिया जाता है। ये खामियां यूं ही नहीं। वे व्यवस्थात्मक पूर्वाग्रहों और धारणाओं को दिखाती हैं कि कौन गिनने लायक हैं। सरकार ने घोषणा की है कि 2026-27 की जनगणना में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत सूचीबद्ध सभी 21 श्रेणियां शामिल होंगी। कागज पर यह बड़ा बढ़िया दिखता है। अधिकारियों का कहना है कि वे कार्यात्मक प्रश्नों और सांकेतिक भाषा का उपयोग करेंगे, लेकिन इसे कैसे लागू किया जाएगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं। संरचनात्मक बदलावों के बिना यह बड़ी आसानी से महज दिखावा होकर रह जा सकता है- क्योंकि केवल अधिसूचना इसकी गारंटी नहीं है कि यह अभ्यास ईमानदारी से या जरूरत के मुताबिक किया जाएगा। अभी इस पर कोई स्पष्टता नहीं कि गणनाकर्ताओं को कैसे प्रशिक्षित किया जाएगा, सर्वेक्षणों में विकलांगता को कैसे परिभाषित किया जाएगा, या बिना प्रमाणपत्र वाले मामलों में क्या किया जाएगा। साफ है, गलत गिनती का वास्तविक खतरा अब भी बना हुआ है। जनगणना प्रक्रिया को वास्तव में समावेशी बनाने के लिए, सरकार को विकलांग व्यक्तियों और उनके प्रतिनिधि संगठनों को प्रक्रिया के केन्द्र में रखना होगा। सिविल सोसाइटी समूहों, ऐक्टिविस्ट और अनुभवी लोगों को इस प्रक्रिया की योजना, प्रशिक्षण और समीक्षा के विभिन्न चरणों का हिस्सा बनाना चाहिए। गणनाकर्ताओं को न केवल परिभाषाओं पर बल्कि सही भाषा का उपयोग करने और गोपनीयता का सम्मान करने के तरीके पर भी प्रशिक्षित करने की जरूरत होगी। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछने के लिए निर्देश और प्रशिक्षण- दोनों की जरूरत होगी, जिसे साबित करना न पड़े। जैसेः ‘क्या आपको देखने, याद रखने, सुनने या चलने में कठिनाई होती है?’ किसी व्यक्ति के ‘विकलांग’ होने के बारे में पूछने की तुलना में इस तरह से बेहतर जवाब पा सकते हैं। सरकार को इसके लिए बड़ा जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। लोगों को पता होना चाहिए कि गिने जाने के लिए प्रमाण-पत्र होना जरूरी नहीं। ऑटिस्टिक बच्चों से लेकर बाईपोलर डिसऑर्डर के शिकार वयस्कों तक, तमाम लोग केवल इसलिए डेटा में नहीं आ पाते क्योंकि उन्हें नौकरशाही का खौफ होता है या फिर इस बात का कि लोग क्या कहेंगे। और संख्या में कम होने का सीधा-सीधा राजनीतिक परिणाम होता है। इसलिए जरूरी है कि गिनती का काम ऐसे किया जाए कि विकलांग व्यक्ति अपनी स्थिति का खुलासा करने में सुरक्षित महसूस करें। जब तक लोगों को लगता है कि विकलांग के रूप में पहचाने जाने से उन्हें नुकसान होगा, वे चुप रहेंगे। एक मददगार माहौल बनाने के लिए सार्वजनिक संदेश, कानूनी सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही की जरूरत होती है। परिसीमन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उच्च विकलांगता आबादी वाले क्षेत्रों को पुनःसीमांकन प्रक्रिया में खंडित न किया जाए। इन समुदायों को विभाजित करने से उनका सामूहिक राजनीतिक प्रभाव और अधिकारों और पात्रता तक पहुंच कमजोर हो जाती है। जनगणना से पहले ही सभी संस्थानों को अपनी प्रथाओं की समीक्षा करनी चाहिए। उनके पास कितने विकलांग कर्मचारी हैं? क्या जॉब पोर्टल उनके मददगार तकनीक के अनुकूल हैं? क्या विविधता नीतियों में न्यूरोडाइवर्जेंस शामिल है? क्या सार्वजनिक इमारतें वास्तव में सुलभ हैं या सुलभता का दिखावा भर कर रही हैं? डेटा सही होने का चौतरफा असर होता है। गिनती में विफल होने का मतलब है योजना बनाने में विफल होना। और योजना बनाने में विफल होने का सीधा सा मतलब है बहिष्कृत हो जाना। न केवल इस बार की जनगणना देरी से हो रही है; बल्कि विकलांग व्यक्तियों को न्याय दिलाने में भी देरी हो रही है। भारत के पास दशकों की चूक को सुधारने का मौका है। लेकिन आगे का रास्ता केवल घोषणाओं से तय नहीं किया जा सकता। इसके लिए भरोसा बनाना होगा, गिनती करने वालों को सही तरह से प्रशिक्षण करना होगा और यह सारा काम पूरी पारदर्शिता के साथ होना होगा। विकलांगों की गिनती कोई दानकर्म या अनुपालन से जुड़ा विषय नहीं। यह हर जिंदगी, इसके हर रूप और स्वरूप को ससम्मान स्वीकार करने के बारे में है। एक अच्छी जनगणना सभी की गिनती करती है। एक सार्थक जनगणना सुनती है, सीखती है और बदलाव लाने में मदद करती है।

धातुओं से भरे चार क्षुद्र ग्रहों पर विज्ञानियों की नजर

विजय गर्ग

नैनीताल क्षुद्र ग्रह (स्टेरायड) धरती से टकरा जाएं तो ये बड़ा खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। साथ ही, जीवन की उत्पत्ति के रहस्य उजागर करने के अलावा बेशकीमती धातु भी प्रदान कर सकते हैं। इन्हीं संभावनाओं को लेकर अमेरिकन व यूरोपियन स्पेस एजेंसी समेत दुनिया भर के विज्ञानियों की नजर सौर मंडल के चार क्षुद्र ग्रहों पर है। धरती व चंद्रमा से टकराने की आशंका को लेकर विज्ञानी इन पर निगाह रखे हुए हैं। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगौल विज्ञानी डा. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, पृथ्वी के चारों और क्षुद्र ग्रहों का बड़ा संसार है। ये आए दिन पृथ्वी के करीब से गुजरते रहते हैं। इनमें से दो क्षुद्रग्रह ऐसोफिश व 2024 बाईआर-4 है। एपोफिस तीन फुटबाल मैदानों के बराबर यानी करीब 400 मीटर का है। यह पृथ्वी से टकरा गया तो धरती के बड़े भूभाग के साथ लाखों जिंदगियां मिटा सकता है। मिस्त्र की पौराणिक कथाओं में एपोफिस अराजकता और विनाश का देवता माना जाता है। इसी आधार पर विज्ञानियों ने इसका नाम एपोफिस दिया है। इसे वर्ष 2004 में खोजा गया था। तब से ही इस पर

नजर रखी जा रही है। पूर्व में हुई गणना के अनुसार इसके 13 अप्रैल 2029 को टकराने की संभावना जताई जा रही थी। बाद में नास की नई गणना के अनुसार इसके कम से कम अगले 100 वर्षों तक टकराने की कोई आशंका नहीं है। रोचक यह है कि पृथ्वी के नजदीक पहुंचने पर इसे कौरी आंखों से देखा जा सकेगा। डा. पांडेय के अनुसार, दूसरा क्षुद्र ग्रह 2024 बाईआर 4 है। इसके पृथ्वी से टकराने की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है। इसका आकार लगभग 53 से 67 मीटर के बीच है। इसकी खोज वर्ष 2024 में हुई थी। हालिया गणना में इसके वर्ष 2032 में पृथ्वी से टकराने की मामूली आशंका जताई गई थी लेकिन नासा ने इस आशंका को खारिज कर दिया है। इसके चंद्रमा से टकराने की आशंका बनी हुई है। इनके अलावा डिडिमोस और डिमाफोंस हैं। वर्ष 2022 में नस ने डबल एस्टेरायड रिडायरेक्शन टेस्ट (डार्ट) मिशन के तहत एक प्रोब यान डिमाफोंस से टकराया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य यह जांचना था कि भविष्य मैं यदि किसी क्षुद्र ग्रह पृथ्वी से टकराने की आशंका होती है तो उसे कैसे दूर किया जा सकता है। इस सफल मिशन को पृथ्वी से एक करोड़ किमी की दूरी से पर आजमाया गया था। डा. पांडेय कहते हैं कि इन्हीं क्षुद्र ग्रहों के जरिए पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति की गुत्थी को सुलझाया जा सकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

उधवा चौक पर रोजाना लग रहे जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त, स्थायी समाधान की मांग तेज

आदिवासी एक्सप्रेस प्रिंस मिश्रा
उधवा साहिबगंज। प्रखंड मुख्यालय उधवा के मुख्य चौक पर रोजाना लग रहे जाम से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चौक से महज 300 मीटर की दूरी में फैले इस इलाके में प्रतिदिन ट्रैफिक जाम आम बात हो गई है। स्थानीय लोग इसे प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम मानते हैं।

अवैध दुकानों और बेतरतीब पार्किंग से जाम का संकट
जाम की सबसे बड़ी वजह सड़क के किनारे अवैध रूप से लगी फुटपाथ की दुकानें और सड़क पर खड़े किए जा रहे वाहन हैं। चौक के समीप पुराना थाना, सब्जी मार्केट और पुल के पास पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे लोग अपनी गाड़ियाँ सीधे सड़क पर खड़ी कर देते हैं। बेलवा मोड़ से लेकर पाकीज़ा मोड़ तक दोनों ओर अस्थायी दुकानदारों ने सड़क की जगह घेर रखी है। सड़क पर ठेले और रेहड़ी वाले बैठ जाते हैं, जिससे आवागमन बाधित होता है।

प्रशासन की कार्रवाई दिखावटी, हालात जस के तस
हालांकि प्रशासन द्वारा समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती रही है, लेकिन ये कदम लंबे समय तक प्रभावी नहीं रह पाते। कुछ ही दिनों में पुनः दुकानदार अपनी दुकानें वहीं लगा लेते हैं। सब्जी मार्केट सड़क किनारे ही लगाई जाती है, जहां खरीदार अपनी बाइक बीच सड़क पर खड़ी कर खरीदारी में जुट जाते हैं। इससे न केवल राहगीरों को दिक्कत होती है, बल्कि छोटी-मोटी दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से स्थिति और बिगड़ी
चौक पर ई-रिक्शा चालकों की मनमानी भी यातायात बाधा का बड़ा कारण बन गई है। चालक जहां-तहां सवारियों को बैठाने के लिए ई-रिक्शा खड़ा कर देते हैं, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और वाहनों की कतारें लग जाती हैं।

स्थानीयों की मांग- ठोस और स्थायी समाधान हो
स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को इस समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। केवल अस्थायी कार्रवाई से कुछ हासिल नहीं होगा। लोगों ने मांग की है कि चौक के आसपास उचित पार्किंग की व्यवस्था की जाए, फुटपाथ दुकानदारों के लिए वैकल्पिक बाजार तय किया जाए और ई-रिक्शा चालकों के लिए निर्धारित स्टैंड बनाया जाए। तभी चौक का यातायात सामान्य हो सकेगा और आम जनता को राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम कमिटी का अखाड़ा जुलूस, एलसी रोड में दूसरे दिन भी शाम से देर रात्री तक रहा मेला जैसा नजारा

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। मुहर्रम की ग्यारहवीं तिथि सोमवार को शहर के सभी मुहर्रम कमिटी के ताजिया सिपल का देर शाम किया गया पहलाम, शाम को निकाला गया सभी मुहर्रम कमिटी का अखाड़ा जुलूस। एलसी रोड में दूसरे दिन भी शाम से देर रात्री तक रहा मेला जैसा नजारा। बिहार, बंगाल, झारखंड के कई जिला के महिला पुरुष बच्चे पहुंचे शहर के मुहर्रम अखाड़ा जुलूस ताजिया सिपल देखने। सभी मुहर्रम कमिटी के खिलाड़ी दिखाए अपने अपने आकर्षक अखाड़ा खेल का प्रदर्शन। जहां एलसी रोड कमिटी अपने साथ अंजुमन नगर, रसूलपुर दहला, मजहर टोला मुहर्रम कमिटी के अखाड़ा को लेकर कुलीपाड़ा गया, वहां से बाकी सभी मुहर्रम कमिटी के ताजिया जुलूस को लेकर सभी कमिटी मुख्य मार्ग होते हुए पुनः एलसी रोड पहुंचकर अखाड़ा खेलते हुए पश्चिम फाटक होकर सदर ब्लॉक कार्यालय समीप कर्बला (ईदगाह) पहुंचकर पहलाम किया। पहलाम करने के बाद सभी मुहर्रम कमिटी अपना ताजिया सिपल को लेकर शांतिपूर्ण अपने मुहल्ले को लौटे गए। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद हैं, सीसीटीवी, ड्रोन, गुप्त कैमरा, वीडियो ग्राफी से पैनी नजर मुहर्रम जुलूस पर बनाई रखी हुई है। उपद्रवी, हुडदंगी, दूसरे देश के झंडा बैनर पोस्टर लेकर चलने वालों पर पुलिस की पैनी नजर था।

जिला बरकतुल्लाह खान का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जिंदाबाद का नारा लगाकर स्वागत किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बरहेट मे रविवार को कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी की अध्यक्षता में बरहेट पहुंचे पार्टी के जिला बरकतुल्लाह खान का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जिंदाबाद का नारा लगाकर स्वागत किया। इसके साथ ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए भी नारे लगाए। बैठक में बरकतुल्लाह खान ने कांग्रेस के बरहेट प्रखंड कमीटी में प्रखंड उपाध्यक्ष, महासचिव, मंडल अध्यक्ष की घोषणा कर दिया। कमेटी में दो उपाध्यक्ष जयदेव रजवार और रागीब आलम, 9 महासचिव जिसमें हनिफ मोमिन, आलम अंसारी, नुनूवा हेम्ब्रम, हेमा मुर्मू, खगेन दास, सीताराम पंडित व अन्य शामिल हैं तथा दो मंडल अध्यक्षों में मो.अख्तर अंसारी और अफजल अंसारी की घोषणा की गई है।

राजकीय श्रावणी मेला को लेकर प्रसाद और भोजन का किया गया दर निर्धारित

ललित कुमार पाल की रिर्पोट
दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2025 के दौरान बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालु पूजा करने के उपरांत प्रसाद के रूप में चूड़ा, पेड़ा, इलायची दाना आदि का क्रय करते हैं,साथ ही भोजन आदि भी करते हैं।बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं को ठगी का शिकार नहीं होना पड़े,इसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रसाद एवं खाद्य सामग्री आदि का दर निर्धारित किया गया।
चुड़ा प्रसादी (रायपुर) 70.00 (सत्तर) रुपये प्रति किलोग्राम
चुड़ा प्रसादी (वर्धमान/ लोकल) 60.00 (साठ) रुपये प्रति किलोग्राम
ईलायची दाना (दर स्टीकर के साथ) 80.00 (अस्सी) रुपये प्रति किलोग्राम
पेड़ा (800 ग्राम खोवा एवं 200 ग्राम चीनी) 390.00 (तीन सौ नब्बे) रुपये प्रति किलोग्राम
पेड़ा (700 ग्राम खोवा एवं 300 ग्राम चीनी) 360.00 (तीन सौ साठ) रुपये प्रति किलोग्राम
दही (सांची) 120.00 (एक सौ बीस) रुपये प्रति किलोग्राम
नास्ता (5 पुड़ी, 1 जलेबी एवं सब्जी) 50.00 (पचास) रुपये प्रति प्लेट
नास्ता (मुट्टी, घुधनी, पकौड़ी, पापड़ एवं सेवई) 50.00 (पचास) रुपये प्रति प्लेट
समोसा (बड़ा) 10.00 (दस) रुपये प्रति समोसा
चाय कुल्हड़ 10.00 (दस) रुपये प्रति कुल्लड़
पानी बोतल 20.00 (बीस) रुपये प्रति बोतल
पानी बोतल लोकल 15.00 (पंद्रह) रुपये प्रति बोतल
भोजन याली (चावल, दाल, सब्जी, भुजिया, पापड़, अचार) 80.00 (अस्सी) रुपये प्रति थाली
मारवाड़ी बासा प्रति व्यक्ति भोजन (चावल, रोटी घी सहित, अरहर दाल, दो प्रकार की सब्जी, भुजिया, सलाद, पापड़, अचार) 135.00 (एक सौ पैतीस) रुपये प्रति प्लेट
पनीर सब्जी 200.00 (दो सौ) रुपये प्रति प्लेट
दही, चुड़ा चीनी नास्ता 50.00 (पचास) रुपये प्रति प्लेट
रसगुल्ला, सादा एवं काला (बड़ा) 10.00 (दस) रुपये प्रति पीस
रसगुल्ला, सादा एवं काला (छोटा) 05.00 (पांच) रुपये प्रति पीस
दाल फ्राई 80.00 (अस्सी) रुपये प्रति प्लेट
दाल मखनी 120.00 (एक सौ बीस) रुपये प्रति प्लेट
तड़का 100.00 (एक सौ) रुपये प्रति प्लेट

ज्ञानकोष क्लासेस ने मनाई प्रथम वर्षगांठ, डिजिटल ज्ञानकोष लाइब्रेरी का हुआ उद्घाटन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बना चुकी ज्ञानकोष क्लासेस ने सोमवार को अपनी प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से मनाई।इस विशेष अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शैक्षणिक जगत के गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।समारोह के मुख्य अतिथि उप विकास अयुक्त सतीश चन्द्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉकियाथा रणजीत कुमार सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर व फीता काट कर किया।इस मौके पर÷डिजिटल ज्ञान कोष लाइब्रेरी÷का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह डिजिटल लाइब्रेरी विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री, पाठ्यक्रम आधारित नोट्स और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु उत्कृष्ट संसाधन प्रदान करेगी।यह पहल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी पहल मानी जा रही है।समारोह के दौरान मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों सत्यम यादव, केशव गुप्ता, तुषार कुमार, अमन कुमार, सवेरा कुमारी, डोली कुमारी, रागिनी कुमारी, खुशी कुमारी और पायल कुमारी को सम्मानित भी किया गया। विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया गया। अतिथियों ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए इसे जिले के शैक्षणिक विकास के लिए प्रेरणास्रोत बताया.ज्ञानकोष क्लासेस के निदेशक गौरव ठाकुर एवं सूरज कुमार ने बताया कि संस्था के माध्यम से कक्षा 9वीं एवं 10वीं के सभी स्कूलों और सभी बोर्डों के लिए आर्ट्स कक्षा 11वीं, 12वीं, बीए. एवं एमए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के आलावे सरकारी नौकरियों के लिए विशेष कोर्स की शैक्षणिक सेवाएं दी जा रही हैं. मौक़े पर संस्थान के फाउंडेशन सूरज कुमार, गौरव ठाकुर एवं फैकल्टी संटू शर्मा, अनंत कुमार सहित कई छात्र छात्राएं मौजूद थे!

रेक लोडिंग यार्ड बिंदुधाम हिल साइट में हुई भीषण रेल दुर्घटना में रेलवे को करोड़ो का नुकसान हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बीते दिनों बरहरवा रेक लोडिंग यार्ड बिंदुधाम हिल साइट में हुई भीषण रेल दुर्घटना में रेलवे को करोड़ो का नुकसान हुआ है,साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को की भी जिंदगी बाल बाल बची है, आखिर इस दुर्घटना का जिम्मेवार कौन है,किसकी लापरवाही के कारण इस भीषण दुर्घटना का सामना रेलवे को करना इतना महँगा पड़ा ये एक बड़ा सवाल है जिसका जवाब भी तक पूरी तरह से साफ नहीं हो पाया है। घटनास्थल पर मालदह डीआरएम दुर्घटना के दूसरे दिन पहुँच कर मामले की छानबीन और राहत कार्य तत्काल शुरू कर दिए थे लेकिन जानकारी के अनुसार सोमवार को कोलकाता रेलवे महाप्रबंधक (जीएम) के निर्देश पर कोलकाता,जमालपुर व मालदह से चार सदस्यीय जाँच टीम व एडीआरएम सहित बरहरवा रेलवे रेक लोडिंग हिल साइट व बिंदुधाम दुर्घटनास्थल पर दल बल के साथ पहुँच कर एक एक बिंदुओं की बारीकी से जाँच की जिस दौरान अधिकारियों ने बरहरवा गुड्स कलर्क (जीएसएस) टुनटुन प्रसाद को उनके गैर जिम्मेदाराना हरकत के लिये जमकर फटकार लगाई। अधिकारियों ने लोडिंग प्रकिया,घटना के दिन लोडिंग के दौरान कौन कौन रेलकर्मी मौजूद थे रेलवे के नियमो के अनुसार अनुपालन क्यों नहीं किया गया,बोगियों की सुरक्षा के लिए क्या क्या कार्य किये गए थे,ब्रेकिंग सिस्टम,चैन ब्लॉकिंग की क्या पोजीशन थी, सहित विभिन्न सवाल किए जिसका संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया। वही बरहरवा एसएस से रेक लोडिंग साइडिंग के नियमित निरीक्षण को लेकर भी कड़े लहजे में सवाल जवाब किये, तत्पश्चात गुड्स कलर्क टुनटुन प्रसाद से लोडिंग के लिए इंडेन लगवाने, लोडिंग करने वालों की पूरी जानकारी व आवश्यक दस्तावेज की माँग की परन्तु गुड्स कलर्क द्वारा संतोष जनक जवाब नहीं मिल पाई और गुड्स कलर्क ने कार्यालय में कागजात दिखाने की बात कही,हालांकि मामले की जाँच व छानबीन अभी जारी है।

जाँच स्थल पर मीडिया की उपस्थिति पर अधिकारियों ने जताई नाराजगी
बरहरवा रेलवे हिल साइट पर जाँच टीम पहुँचते ही स्थानीय मीडिया भी जाँच स्थल पर पहुँची इस दौरान जाँच टीम के सदस्यों ने मीडियाकर्मियों द्वारा वीडियो बनाना और फ़ोटो खीचने पर नाराजगी जताई ,जो निंदनीय है। इतनी बड़ी घटना घटित होने के बाद बड़े पैमाने पर उच्चस्तरीय जाँच होगी टीम पहुँचेगी तो मीडिया का पहुँचना स्वाभाविक है इससे जाँच टीम के सदस्यों द्वारा आपत्ति जताना समझ के परे है।

शादी की भोज में एक व्यक्ति को मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। उधवा राधानगर थाना क्षेत्र के खासपुरा गांव में एक शादी के भोज में मारपीट का मामला आया है। मामले को लेकर खासपुरा निवासी 70 वर्षीय सेकाब शेख पिता- स्व. घिसटा शेख ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर बताया है कि बीते 12 जून 2025 को उनके भाई पतलु शेख के पुत्र सिदु शेख के विवाह का भोज चल रहा था। उनके घर के सामने पंडाल लगा था और गाना-बजाना हो रहा था। इसी बीच फारू शेख, एरफान शेख, असफाक शेख, सुकु शेख और होमा शेख नाजायज मजमा बनाकर लाठी, हँसुआ और छुरा से लैस होकर उनके घर के बच्चों को घेर लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए फारू शेख के आदेश पर तौकिल शेख को जान से मारने की नीयत से छुरा से वार किया, जिससे तौकिल शेख का हाथ कट गया। इरफान शेख ने फरसा से तौकिल शेख के सर पर मारा, जिससे उसका सर फट गया। असफाक शेख और होमा शेख ने मिलकर तौकिल शेख को जान मारने की नीयत से पटक दिया। जब उनका दूसरा पुत्र रविउल शेख अपने भाई को बचाने आया, तो असफाक शेख और सुकु शेख ने फरसा, भाला और लाठी से रविउल शेख को मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया, जिससे उसके हाथ, पेट और गले में गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने सेकाब शेक के पोते को भी जान से मारने की नीयत से पटक कर गला दबाने की कोशिश की। इसके अतिरिक्त, सभी आरोपियों ने मिलकर पंडाल और बाजा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे लगभग पांच रुपये का नुकसान हुआ। सेकाब शेख ने बताया कि ग्रामीणों और गवाहों ने हस्तक्षेप कर उनके पोते को बचाया, अन्यथा वह मारा गया होता। वही सेकाब शेख के बयान पर पांच लोगों के विरुद्ध कांड संख्या 252/25 दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ (BLOs) के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

अजय कुमार कुशवाहा आदिवासी एक्सप्रेस जिला ब्यूरो
साहिबगंज। भारत निर्वाचन आयोग एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार, झारखंड राज्य के निर्वाचन विभाग द्वारा दिनांक 03 जुलाई,2025 से 17 जुलाई, 2025 तक चलाए जा रहे Booth Level Officers (BLOs) के लिए National Training Program के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 02-बोरियो (अ0ज0जा0) के अंतर्गत सभी बीएलओ को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण India International Institute of Democracy and Election Management (IIIDEM) द्वारा विकसित मानकीकृत मॉड्यूल के आधार पर आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का माध्यम PPT (हिंदी एवं अंग्रेजी) रहेगा, जिसे प्रशिक्षित प्रशिक्षकों/सहायकों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।
प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु एक समर्पित टीम का गठन किया गया है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, संबंधित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी
प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर
हेल्प डेस्क मैनेजर
ERO ऑपरेटर
BLO सुपरवाइज़र एवं अन्य संबंधित कर्मचारी
प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथि एवं स्थान विवरण निम्नानुसार है:
1 बोरियो (म.के. 68-100) 33 प्रतिभागी,दिनांक 08.07.2025 (मंगलवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से अनुमंडल कार्यालय सभागार,साहेबगंज।
2 मंडरो (म.के. 1-35) 35 प्रतिभागी, 09.07.2025 (बुधवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
3 तालझारी (म.के. 178-212) 35 प्रतिभागी, 10.07.2025 (गुरुवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
4 बोआरीजोर (म.के. 247-297) 51प्रतिभागी, दिनांक 11.07.2025 (शुक्रवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
5 बोरियो (म.के. 101-140) 40 प्रतिभागी, दिनांक 12.07.2025 (शनिवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
6 बोआरीजोर (म.के. 298-348) 51 प्रतिभागी 14.07.2025 (सोमवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
7 बोरियो (म.के. 141-177) 37 प्रतिभागी दिनांक 15.07.2025 (मंगलवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
8 मंडरो (म.के. 36-67) 32 प्रतिभागी दिनांक 16.07.2025 (बुधवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
9 तालझारी (म.के. 213-246) 34 प्रतिभागी दिनांक 17.07.2025 (गुरुवार) पूर्वाह्न 09:00 बजे से संबंधित प्रखंड कार्यालय सभागार।
सभी नामित BLO निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में भाग लें। प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, प्रभावशीलता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आपसी विवाद में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मुर्गी टोला गांव में आपसी विवाद में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मुर्गी टोला निवासी मनारूल शेख 43 वर्ष का पड़ोसी के साथ घर का गंदा कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद में कहा सुनी होते-होते बात मारपीट तक पहुंच गया। परिजनों की मदद से इलाज के लिए घायल को अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर बीती रात मोहर्रम जुलूस में किसी बात को लेकर कहा सुनी में हुई मारपीट में शहर के कासिम बाजार निवासी इमरान शेख घायल हो गया। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर कुमार सौरभ के द्वारा बताया गया कि दोनों घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

उपायुक्त ने आवास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- उपायुक्त मनीष कुमार ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अबुआ आवास एवं पीएम जनमन आवास की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अबुआ आवास योजना के तहत 2023-24 में प्रतिदिन 18 और 2024-25 में 50 आवास पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही प्लिंथ जियो टैग लंबित लाभुकों के निर्माण कार्य को 10 दिनों में पूरा करने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने जियो टैगिंग एवं आवास कंप्लीटेशन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। पीएम जनमन आवास योजना में लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि अबुआ आवास एवं पीएम जनमन आवास जो पूर्ण होने वाले हैं उसमें 14 जुलाई एवं 15 जुलाई से शौचालय का निर्माण भी कराया जाएगा।

उधवा बैरबन्ना मोड़ से कर्बला बाजार तक जर्जर सड़क बनी जानलेवा

आदिवासी एक्सप्रेस
प्रिंस मिश्रा
उधवा साहिबगंज। प्रखंड अंतर्गत पूर्वी जामनगर पंचायत के बैरबन्ना मोड़ से लेकर पश्चिमी नारायणपुर पंचायत के खास टोला बाजार होते हुए कर्बला बाजार तक की मुख्य सड़क की हालत बेहद दयनीय हो चुकी है। जगह-जगह गहरे गड्ढों से सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। बरसात के मौसम में जलजमाव के कारण स्थिति और भयावह हो गई है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बाजार या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए जान जोखिम में डालकर आना-जाना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से सड़क की मरम्मति नहीं हुई है। सड़कों पर गड्ढे इस कदर हैं कि दोपहिया वाहनों का चलाना भी खतरे से खाली नहीं। एंबुलेंस व अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी इस रास्ते से गुजरने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को लेकर राजमहल कांग्रेस प्रखंड महासचिव मो. सिफरान अख्तर ने ज़िला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि बैरबन्ना मोड़ से कर्बला बाजार तक की सड़क क्षेत्र की जीवनरेखा है, और उसकी बदहाली ने ग्रामीणों की दिनचर्या को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो क्षेत्र में जन आक्रोश बढ़ सकता है और जन आंदोलन की नौबत आ सकती है।. सिफरान अख्तर ने इस मामले में राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एम. टी. राजा और सांसद विजय कुमार हांसदा से भी हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि मानसून को देखते हुए इस सड़क की मरम्मति को प्राथमिकता देते हुए कार्य जल्द शुरू कराया जाए।
उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित विभाग को निर्देशित कर सड़क को विशेष मरम्मति योजना में शामिल किया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और किसी बड़ी दुर्घटना से पहले हालात सुधारे जा सकें।
ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे सरकार और प्रशासन के खिलाफ सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बालू लदा हाईवा पलटा, ड्राइवर गंभीर रूप से घायल

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। बालू लेकर हजारीबाग जा रहा हाईवा टुकेश्वर प्रसाद के पेट्रोल पंप के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें ड्राइवर पूरी तरह से दब गया और उसका पैर बुरी तरह से जख्मी हो गया। काफी मशक्कत करने के बाद ग्रामीणों के प्रयास से ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका और इलाज के लिए भेजा गया। ड्राइवर कटकमसांडी का रहने वाला बताया जा रहा है। दुर्घटना होने का कारण का पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद हाईवा को उठाकर गैरेज ले जाया गया है। मामले को लेकर पुलिस ने बताने से इनकार किया, बालू एक नंबर है या दो नंबर इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन बधाई के पात्रः निसार खान

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला 15 सुत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य व सर्वधर्म मानवता मंच के संस्थापक-सह-केन्द्रीय अध्यक्ष निसार खान ने जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अथक प्रयास से हजारीबाग शहर तथा छड़वा में त्याग और बलिदान का त्यौहार मुहर्रम आपसी एकता, शांति, साम्प्रदायिक सौहार्द व हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न कराए जाने पर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए उनहे बधाई के पात्र बताया है । श्री खान ने एक बयान जारी कर त्याग व बलिदान का त्यौहार मुहर्रम के सफल आयोजन पर अपना-अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वालों में जिला शांति समिति के सदस्यगण सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी व छड़वा मुहर्रम कमिटी के पदाधिकारीगण तथा समाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं के प्रति भी हृदय से आभार व्यक्त किया है।

कांग्रेस ने जोड़ा देश, बढ़ाया भाईचारा : सुभाष यादव

जमुआ, प्रतिनिधि। कांग्रेस नेता और युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव पद के उम्मीदवार सुभाष यादव ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति के जरिए कहा कि कांग्रेस के शासन में देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ। उन्होंने कहा कि आज के नफरत भरे माहौल में कांग्रेस मोहब्बत का पैगाम दे रही है। युवाओं, किसानों और बेरोजगारों का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है। सुभाष यादव ने कहा कि वे संगठन के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। जनता का समर्थन और आशीर्वाद मिला तो जन उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें हर जगह से भरपूर समर्थन मिल रहा है। उनका लक्ष्य झारखंड में कांग्रेस को मजबूत कर नंबर वन पार्टी बनाना है। उन्होंने कहा कि वे सभी जातियों और वर्गों का सम्मान करते हैं। दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अगड़ों और अल्पसंख्यकों की हिफाजत और सम्मान करेंगे। किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने देंगे। सुभाष यादव ने कहा कि वे हर किसी के लिए खड़े रहते हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। उन्होंने युवा, किसान, कामगार, मजदूर, शिल्पी, उद्यमी, पढ़े-लिखे नौजवान, प्रबुद्ध जन और जन प्रतिनिधियों से समर्थन और आशीर्वाद की अपील की। कहा कि वे जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे।

श्रावणी मेला में पुण्य का मौकाः श्री संग्राम गौशाला समिति लगाएगी निःशुल्क सेवा शिविर

गिरिडीह, प्रतिनिधि। बेंगाबाद में रविवार को दुर्गा मंडप परिसर में श्री संग्राम गौशाला समिति की अहम बैठक संपन्न हुई। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा हेतु 11 जुलाई से 9 अगस्त तक निःशुल्क सेवा शिविर आयोजित करने पर मंथन हुआ। सेवा शिविर संयोजक विवेकानंद की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में तय हुआ कि बोल बम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को भोजन, जलपान, प्राथमिक चिकित्सा और विश्राम की पूरी सुविधा दी जाएगी। यह शिविर यादव रेडी पटनिया धर्मशाला, बांका (बिहार) में संचालित होगा। बैठक में समिति ने साफ किया कि सेवा शिविर में किसी भी जाति या धर्म का भेदभाव नहीं किया जाएगा। सभी यात्री समान रूप से लाभ ले सकेंगे। श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे स्वयं भी सेवा शिविर का लाभ उठाएं और दूसरों को भी इसकी जानकारी दें। बैठक में अनिल यादव, सुधीर शर्मा, सुजीत कुमार गुप्ता, आयुष कुमार गुप्ता, अमरेंद्र मंडल, कुंदन दुबे, चंदन दुबे समेत कई सदस्य उपस्थित रहे। यह सेवा कार्य न सिर्फ धार्मिक भावना का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग का संदेश भी देता है।

गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

● उपायुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 एवं जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की कार्य प्रगति की बारी-बारी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं के क्रियान्वयन व संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए ● जल आपूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी रखी जाएः उपायुक्त रामनिवास यादव ● पेयजल संबंधी शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर करें

गिरिडीह, प्रतिनिधि। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक की। बैठक में जिला उपायुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 एवं जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की कार्य प्रगति की बारी-बारी समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं के क्रियान्वयन व संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत, व्यक्तिगत घरेलू शौचालय के लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जल आपूर्ति योजनाओं को समयबद्ध तरीके से एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। जल जीवन मिशन की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लंबित योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करें। मल्टी विलेज और एकल विलेज योजनाएं को तय समय पर पूरा करें। साथ ही ठोस कचरा, तरल कचरा, गोबरधन योजना, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन ईकाई, प्लास्टिक संग्रहण केंद्र एवं कचरा उठाव वाहन, कंपोस्ट पीट, सोख्ता गड्ढा आदि की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। ओडीएफ प्लस गतिविधियों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ओडीएफ प्लस के सत्यापन कार्य की जानकारी ली। इसके अलावा उपायुक्त ने जलापूर्ति योजना के क्रियान्वयन, पेयजल समस्या के निराकरण और जल जीवन मिशन के तहत योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। आगे उपायुक्त ने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं से सभी विद्यालयों, सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवन और हेल्थ सब सेंटर को कवर करें। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर का संचालन एवं रख-रखाव के संबंध में संबंधित कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने 15वें वित्त आयोग, पंचायती राज, मनरेगा ग्रामीण विकास, नगर विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली और संबंधित विभाग के अधिकारी को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने व जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने लोगों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से पंचायत भवनों में व्यवहार परिवर्तन/रात्रि चौपाल आदि जैसे कार्यक्रम करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सेरिगेशन शेड आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में डीडीसी, अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल 1/2 समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीहः श्रावणी मेले से पहले झारखंडधाम का प्रशासनिक मुआयना

● खोरीमहुआ के एसडीएम अनिमेष रंजन ने झारखंडधाम मंदिर परिसर का निरीक्षण किया

शुभम सौरभ
गिरिडीह, विशेष प्रतिनिधि। श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। खोरीमहुआ के एसडीएम अनिमेष रंजन ने झारखंडधाम मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भगृह, परिक्रमा स्थल, शिवगंगा, प्रवेश द्वार, निकासी द्वार और पार्किंग स्थल का जायजा लिया। हर बिंदु पर मेले की दृष्टि से समीक्षा की। एसडीएम ने प्रबंधन समिति को निर्देश दिया कि परिसर में सफाई बनी रहे। पुरुष और महिला श्रद्धालुओं की कतारें अलग लगें। सीसीटीवी कैमरे की संख्या बढ़ाई जाए। कंट्रोल रूम बनाया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि श्रावणी मेले के लिए सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल, जवान एवं महिला कांस्टेबल एवं निगरानी के लिए पर्याप्त मात्रा में जगह-जगह पर दंडाधिकारीको भी मुस्तैद किया जाएगा। बाबा मंदिर के गर्भ गृह में ज्यादा भीड़ भाड़ नहीं होने दिया जाएगा और भीड़ को नियंत्रण के लिए पुलिस बल जवान के निगरानी में श्रद्धालुओं को मंदिर प्रवेश करने के लिए इंट्री दी जाएगी। अधिक भीड़ होने पर वीआईपी पूजा सोमवार और पूर्णिमा को समय देखते हुए कराया जाएगा। अधिकांश लोगों को लाइन लगाकर ही बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर सकेंगे। जमुआ के बीडीओ अमल जी ने कहा कि मंदिर परिसर में दर्जनों से अधिक लोग को सुरक्षा दृष्टिकोण से सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए मंदिर समिति को कहा ताकि दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को पूजा करने में सहयोग मिले, दो दिन में कंट्रोल रूम तैयार करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि भीड़ भाड़ में छोटे बच्चों को खोजने की सूचना केंद्र भी बनाएं जाएगा। ताकि लोगों को कही अलाउंस के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। इसके लिए मंदिर समिति को निर्देश दिया गया है कि सोमवार ओर पूर्णिमा के दिन इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही। सीओ संजय पांडेय ने कहा कि झारखंडधाम में किसी भी तरह का आने जाने वाले स्थानों पर अवैध तरीके से अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा। मंदिर के चारों ओर पीसीसी एवं मुख्य मार्ग में सड़क के किनारे दुकान सड़क के किनारे लगा देने से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है ऐसी स्थिति को देखते हुए लोगों से अपील किया है कि सड़क किनारे से 15 फीट हटकर दुकान लगाए नहीं तो अतिक्रमण करने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। यदि आप स्वयं हटा लेते हैं तो किसी प्रकार का कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। जल्दी प्रशासन द्वारा हटाया गया तो कार्रवाई के लिए तैयार है किसी भी सूरत पर अतिक्रमण करने नहीं दिया जाए। श्रद्धालु शिवगंगा तालाब में स्नान कर और चंद्रकूप से जल लेकर कतारबद्ध होंगे। उन्हें मुख्य द्वार से क्रमवार प्रवेश मिलेगा। अधिकारियों ने प्रबंधन समिति को निर्देश दिया कि मेले में पेयजल, स्वच्छता और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था रहे। हीरोडीह थाना प्रभारी महेश चन्द्र ने बताया कि श्रावणी मेला को लेकर पुलिस की गस्ती सभी रूट में बढ़ाई जाएगी ताकि आने वाले यात्रियों एवं राहगीरों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो। आम आवाम से कहा कि किसी भी प्रकार की कोई भी सूचना मोबाईल फोन पर दे इसके लिए 24घंटा तैयार है। निरीक्षण के दौरान हल्क कर्मचारी संजय साव, स्थानीय मुखिया आशुतोष कुशवाहा, पंसस राजेश वर्मा, सुधीर द्विवेदी, झारखंड धाम मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेश पंडा ने कहा कि आने वाले श्रद्धालुओं से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अपने अपने समान की रक्षा स्वयं करे, इसकी जवाबदेही समिति नहीं लेगी क्यों कि भीड़ भाड़ में जेवर और पर्स के साथ साथ मोबाईल को अपने सुरक्षित स्थानों पर रखे। तारा पंचायत समिति सदस्य मनोज पंडा, राहुल पंडा, रविन्द्र पंडा, सुभाष पंडा, प्रहलाद पंडा, धीरज पंडा, कृष्णा पंडा, नागों सिंह, उदय पंडा, पिंटू पंडा, जय आदि मौजूद थे।

सहायक श्रमायुक्त ने अपने कार्यालय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में ट्रांसपोर्टर/ बस मालिक के साथ कार्यालय कक्ष में बैठक

गिरिडीह, प्रतिनिधि। सोमवार को सहायक श्रमायुक्त ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में ट्रांसपोर्टर/बस मालिक के साथ कार्यालय कक्ष में बैठक किया गया। मोटर परिवहन कर्मचारी अधिनियम, 1961 के अंतर्गत परिवहन उपक्रमों में कार्यरत चालकों, खलासी एवं अन्य कामगारों से प्रतिदिन 8 घण्टे ही कार्य कराने संबंधित निदेश दिया। बैठक में सहायक श्रमायुक्त रवि शंकर, श्रम प्रवर्त्तन पदाधिकारी बसंत नारायण महतो, गिरिडीह सदर बस मालिक कैलाश राम, विकास यादव, नरेश कुमार, गोकुल राम एवं अन्य बस मालिक उपस्थित थे।

लापता किशोर का शव कुएं से बरामद, पुलिस जांच मैं जुटी

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के सरिया थाना क्षेत्र से रविवार की शाम से लापता 16 वर्षीय आर्यन कुमार का शव सोमवार को ठाकुर बाड़ी टोला के एक कुएं से मिला। परिजन और स्थानीय लोग घटना को लेकर गहराए सदमे में हैं, वहीं पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। शुरुआती जांच में आर्यन के कुएं में नहाने जाने की बात सामने आई है, लेकिन हत्या की भी आशंकाएं जताई जा रही हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, और असली वजह सामने आतिक शाके मैशोक का माहौल बना हुआ है।

गौ सेवा में समर्पित युवाओं की अनोखी मिसाल, बना प्रेरणा का स्रोत

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गौ माता की सेवा को लेकर आज का दिन समर्पण, सेवा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बन गया। सौरभ जलान की अध्यक्षता और शशांक अग्रवाल के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कोषाध्यक्ष सूरज टिबरेवाल और संयोजक आशीष जलान के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस पहल में निखिल झुनझुनवाला, सुबोध मोदी, विकाश शर्मा, मोनू जलान, संदीप केडिया, शेखर जलान, गौरव केडिया, विकाश खंडेलवाल और रवि जलान जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं ने गौ सेवा कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया।

घर-घर नल जल योजना बनी मजाक, करोड़ों खर्च कर भी लुप्पी पंचायत में डेढ़ साल से पानी नहींः राजेश यादव

● फॉरवर्ड ब्लॉक के जन अभियान क्रम में लोगों ने बताई परेशानियां, 9 जुलाई को बेंगाबाद में प्रदर्शन में भाग लेने का निर्णय

गिरिडीह, प्रतिनिधि। सरकार की महत्वाकांक्षी घर-घर नल जल योजना मानो मजाक बनकर रह गई है, जब लुप्पी जैसे पंचायत में पेयजलापूर्ति के नाम पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद लोगों को डेढ़ साल से पानी ही नहीं मिल रहा। ऐसे में जनता का वोट लेकर उन्हें विकास का शब्जबाग दिखाने वाले नेताओं और पार्टियों को निश्चित ही जवाब देना चाहिए। उक्त बातें ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक नेता एवं बेंगाबाद के पूर्व जिप सदस्य राजेश यादव ने प्रखंड के सुदूर लुप्पी पंचायत में संगठन द्वारा देशव्यापी आम हड़ताल को लेकर चलाए जा रहे जन अभियान के दौरान स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद कहीं। उन्होंने कहा कि, इस क्षेत्र के लोगों ने जिन्हें वोट दिया आज वे उनकी समस्याओं की सुधि लेने को तैयार नहीं। पंचायत के कई गांव आज भी सड़क की सुविधा से वंचित हैं। यहां का सरकारी अस्पताल पर्याप्त डॉक्टर और समुचित इलाज के बिना खुद ही अपने अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रहा है। रोजगार के अभाव में लोग पलायन करने को मजबूर हैं, जबकि मनरेगा लूट की योजना में तब्दील हो चुकी है। सभी गरीब जरूरतमंदों को आज तक आवास नहीं मिला, बल्कि इसके लिए भी उन्हें रिश्वत देने की मजबूरी होती है। जब लोगों को पीने का पानी ही उपलब्ध नहीं, तो किसान सिंचाई की भला कैसे सोच सकते हैं, चुनाव के समय वोट लेने के लिए गरीबों को जाति-मजहब के नाम पर बांट दिया जाता है। साथ ही, करोड़ों खर्च कर चुनाव जीत लिया जाता है, लेकिन अब उनके पास जनता के सवालों का कोई जवाब नहीं है। श्री यादव ने कहा कि, ऐसे में आम जनता को अपने सवालों को सामने रखकर राजनीति की शुरुआत करनी होगी। उन्हें अपने हक-अधिकार की लड़ाई संगठित होकर लड़ने की जरूरत है। कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने मजदूरों के खिलाफ चार लेबर कोड लागू किया है, जिसके बाद मजदूरों को एक तरह से ठेकेदारों और पूंजी पतियों के शोषण के अधीन धकेल दिया गया है। मजदूर विरोधी 4 लेबर कोड वापस लेने सहित श्रमिकों की अन्य मांगों को लेकर प्रस्तावित 9 जुलाई की हड़ताल में लोगों को अपने सवालों के साथ भाग लेना चाहिए। यहीं से उनके अधिकारों की लड़ाई शुरू होकर आगे बढ़ेगी। वहीं मौजूद लोगों ने एक मत होकर 9 जुलाई के प्रदर्शन में भाग लेने की का ऐलान किया। इस दौरान मुख्य रूप से फारवर्ड ब्लाक नेता मुरारी यादव, शंभू तुरी, शिवनंदन यादव, सुखदेव गोस्वामी सहित मुरारी यादव, गुलाब पंडित, लालो मियां, रामा तुरी, घनश्याम पंडित, रिजवान अंसारी, जयनाथ हजाम, बुलाकी हजम, बिल्टू पंडित, खुदी मोदी, रामू पंडित, गोविंद पंडित सहित अन्य मौजूद थे।

मोहर्रम का त्योहार बड़गांव बाजार टांड मेला में लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन बड़ी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बड़गांव में मोहर्रम का त्योहार बाजार टांड मेला में लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन बड़ी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मेला में मुख्य अतिथि टंडवा बीस सूत्री अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य सुभाष यादव, बड़गांव मुखिया विजय चौबे, प्रशासन के ऑर से मजिस्ट्रेट के तौर पर गौतम कुमार केशरी शामिल हुए। जिसमें जिला परिषद सदस्य सुभाष यादव के हाथों से संयुक्त रूप से फीता काट कर इस मेला में लाठी खेल कि शुरुआत किया गया। लाठी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले टीमों में अली शेरे खुदा बड़गांव, हुसैनी अलमदार नावाटांड, यादें हुसैन राहम, यादें हुसैन टीम कंडाबैर, जंगेबदर मुंगवा टांड, यादें हुसैन गर्रीकलां इस मेला में भाग लेकर एक से बढ़कर एक करतब दिखाते हुए मेला में शामिल हुए लोगों को खूब आनन्द एवं लुत्फ उठाइए लोग। पुरे देश में मोहर्रम का मेला एक दिन पूर्व मनाया गया लेकिन बड़गांव के मेला कमेटी द्वारा एक दिन बाद मनाने का फैसला लिया। सोमवार 07 जुलाई 2025 को बड़गांव बाजार टांड मेला भव्य तरीके से आयोजन करते हुए इस मेला में चारों ओर महिला पुरुष नौजवान बच्चे बुजुर्ग बाहर से आए और लाठी खेल प्रतियोगिता का खूब आनन्द उठाया। इस मेला कमेटी, इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद मुबारक, उपाध्यक्ष मोहम्मद नेसार, सचिव मोहम्मद कुदूस, उपसचिव अफजल अंसारी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद साबिर, मिडिया प्रभारी अबुल कलाम, एलान सर हाफीज अफरोज साहब कामता, मोहम्मद इदरीश अंसारी बड़गांव, निगरानी समिति मोहम्मद कुरैश, सैयद अली, सौकत × मोजफ्फर, मोहम्मद कासीम, मोहम्मद मेराज अंसारी, अशरफ अली, मोहम्मद जावेद अंसारी, मोहम्मद सलीमुदीन, इद्रीश रज़ा, आजाद × शमसाद, अफताब अंसारी, युसुफ अंसारी, मोहम्मद अख्तर, मोहम्मद रियासत अंसारी, मोहम्मद अरसद, मोहम्मद महफुज, इसके अलावे सदस्य रब्बानी मियाँ, मोसाफीर, शमशेर अली, मोहम्मद समीर, मास्टर मंसूर, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद आबिद, हाफिज कलीम, मोहम्मद शहबाज, सनवर अंसारी, मोहम्मद वसीम, ऐनुल अंसारी, मोहम्मद सरताज, इसराईज अंसारी, आशिक, जहीरुद्दीन अंसारी, कलीम, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद माजीद, मोहम्मद सराज, मोहम्मद फहीम, मोहम्मद सुहेल, मोहम्मद सोऐब, मोहम्मद साकिव, मोहम्मद मोईन, मोहम्मद महफूज, मोहम्मद सद्दाम, मोहम्मद जमशेद, मोहम्मद शाहील, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद रहुदी, इस के आलावा बाहर से काफी संख्या में लोग लाठी खेल प्रतियोगिता को देखने के लिए शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

असम के दरंग जिले के दलगांव विधानसभा क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मोबाइल फोन वितरण

पंकज नाथ, असम, आदिवासी एक्सप्रेस
असम के दरंग जिले के खारुपेटिया के असम क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में आज दलगांव विधानसभा क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच मोबाइल फोन वितरित किए गए। यह कार्यक्रम जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, दरंग की पहल पर और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दलगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक मजीबुर रहमान उपस्थित थे। विधायक ने अपने भाषण में कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इन मोबाइल फोनों के माध्यम से सरकार की महिला एवं बाल विकास योजनाओं के विभिन्न कार्यों को करने में सक्षम होंगी। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में दलगांव सम जिला के आयुक्त गोपाल शर्मा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इन मोबाइल फोनों के माध्यम से पोषण अभियान सहित विभिन्न योजनाओं के कार्य आसानी से कर सकेंगी। उन्होंने सभी को निष्ठा के साथ काम करने का आह्वान किया। पोषण अभियान के जिला समन्वयक पारवेज मेहदी आलम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण अधिकारी कोशेश्वर बरा, बाल विकास परियोजना अधिकारी नमिता दास और कृष्णा हजारिका, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि आज 602 मोबाइल फोन औपचारिक रूप से वितरित किए गए।

हुसैनाबाद व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने किया, महोगनी का पौधा रोपण

आदिवासी एक्सप्रेस/ लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने बताया कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के आदेशानुसार भारत देश के सभी राज्यों में दिनांक 01/07/2025 से 06/07/2025 तक सहकारिता सप्ताह मनाया जा रहा है जिसमें लगातार 5 दिन किसान हित में सभी पैक्स एवं व्यापारमंडल कार्यालय एवं विशेष प्रकार की समिति कार्यालय में कार्यक्रम चलाया गया।अंतिम दिन वातावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए व्यापारमंडल के प्रांगण में अध्यक्ष के नेतृत्व में महोगनी के पांच पौधे लगाए गए। मौके पर पैक्स अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव,बलराम मेहता, सुजीत मेहता, suday सिंह, उपेंद्र कुमार मेहता, बिमलेश पासवान, सुरेंद्र प्रसाद सिंह, बिपिन सिंह, कमला देवी, मुखिया संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय प्रसाद यादव, धर्मेंद्र कुमार यादव ,शशिरंजन, गुडु सिंह, ओमप्रकाश सिंह, रविशंकर सिंह ,सत्यनारायण सिंह, विश्वनाथ सिंह, रणजीत गुप्ता, रामप्रवेश सिंह एवं अन्य सभी सम्मानित।

सिंदूर पंचायत की मुखिया सरोज देवी द्वारा मंदिर जन्मोत्सव पर गुप्त दान, सहयोग का आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सदर प्रखंड अंतर्गत सिंदूर पंचायत में स्थित एक प्रसिद्ध मंदिर के जन्मोत्सव वर्षगांठ के अवसर पर पंचायत की मुखिया सरोज देवी एवं मुखिया प्रतिनिधि कृष्णा प्रसाद ने मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और मंदिर कमेटी को लिफाफे में गुप्त दान प्रदान किया।
इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि ने मंदिर प्रबंधन को आश्वस्त किया कि पंचायत स्तर से जो भी संभव सहयोग होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का संरक्षण और आयोजन सामाजिक एकता एवं संस्कृति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मंदिर कमेटी ने मुखिया और उनके प्रतिनिधि के योगदान के लिए आभार जताया और आशा जताई कि पंचायत का यह सहयोग भविष्य में भी मिलता रहेगा।

दलाई लामा को भारत रत्न देने की तैयारी के बीच, चीन ने किया उत्तराधिकारी चुनने का दावा

नई दिल्ली। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चुनने को लेकर चीन और भारत आमने सामने हैं। इधर भारत ने दलाई लामा को भारत रत्न देने की तैयारी शुरु की तो उधर चीन ने खुद ही दावा करते हुए कह दिया कि वो उत्तराधिकारी चुनेगा। भारत रत्न देने का अभियान जोर पकड़ रहा है। खबर है कि कई सांसदों ने इस पर सहमति जताई है और मांग को जल्द ही राष्ट्रपति को सौंपा जा सकता है। खास बात है कि यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब चीन लगातार खास रस्म के जरिए दलाई लामा के उत्तराधिकारी चुने जाने को लेकर प्रतिक्रिया दे रहा है। तिब्बत मामले में भारत के सर्वदलीय मंच में शामिल सांसदों ने दलाई लामा को भारत रत्न दिलाने की कवायद की है। रिपोर्ट के अनुसार, दावा किया जा रहा है कि इसके तहत 80 सांसदों के हस्ताक्षर भी हासिल कर लिए गए हैं। वहीं, फोरम के संयोजक भृतहरि महताब कई मौकों पर निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर चुके हैं।

मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा कर्पूरीग्राम स्टेशन के पश्चिम छोर पर सब-वे के निर्माण का किया गया शिलान्यास

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव आज बिहार के दौरे पर पटना पहुंचे। इस दौरान माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सर्वप्रथम दीघा ब्रिज हाल्ट का निरीक्षण किया। तत्पश्चात माननीय रेल मंत्री जी ने दीघा ब्रिज हाल्ट से कर्पूरीग्राम के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।
आज के माननीय रेल मंत्री के बिहार के दौरे के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर, दरभंगा के माननीय सांसद श्री गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर की माननीया सांसद श्रीमती शांभवी, बिहार विधान परिषद के माननीय विधायक डॉक्टर तरूण कुमार एवं

अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
कर्पूरीग्राम स्टेशन पर रेल मंत्री द्वारा कर्पूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन एवं कर्पूरीग्राम स्टेशन के पश्चिमी छोर पर सब-वे के निर्माण का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के उपरांत माननीय रेल मंत्री कर्पूरीग्राम स्टेशन पर प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए कहा कि कर्पूरीग्राम स्टेशन का 3.30 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन कार्य किया जाएगा जिसके तहत स्टेशन का रिमॉडलिंग एवं स्टेशन पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही कर्पूरीग्राम स्टेशन पर 18 फीट चौड़ा एफओबी का निर्माण किया जाएगा इसके साथ ही स्टेशन के पश्चिमी छोर पर 14 करोड़ रुपये की लागत से एक सब-वे का निर्माण कराया जाएगा। यह सब-वे न केवल रेल परिचालन को अधिक सुगम और संरक्षित बनाएगा बल्कि रेलवे लाइन के दोनों ओर स्थित गांवों और बस्तियों को जोड़ते हुए सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी एक नई गति प्रदान करेगा।
इसके उपरांत माननीय रेल मंत्री कर्पूरीग्राम से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए समस्तीपुर स्टेशन पहुंचे जहां उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा यात्रियों से बातचीत कर उनसे फीडबैक लिए। इसके बाद उन्होंने समस्तीपुर मंडल के उन्नयनीकृत कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर ट्रेनों के संरक्षित एवं सुचारू परिचालन के संबंध में उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए। इसके उपरांत माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में समस्तीपुर मंडल के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए माननीय मंत्री जी द्वारा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए और परियोजनाओं को समय-सीमा के अंदर पूरा करने पर बल दिया।
आज के इस दौरे के दौरान माननीय रेल मंत्री जी ने कहा कि माल यातायात में रेल की हिस्सेदारी 20 से 29 प्रतिशत हो गया जिसे बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले 11 सालों में भारतीय रेलवे पर 35000 किमी से ज्यादा का नया रेलवे ट्रैक का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि अब रेल ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण केन्द्र सरकार द्वारा ही बनाया जाएगा। उन्होंने रेलवे में नियुक्ति हेतु वार्षिक कैलेण्डर जारी किया गया है जिसमें और सुधार किया जा रहा है ताकि तय समय पर परीक्षा का आयोजन किया जा सके। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता के लिए अतिरिक्त प्रयास करने निर्देश दिए ताकि जमीन पर लोगों को गुणवत्ता युक्त कार्य दिख सके। निरीक्षण के दौरान पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह तथा दानापुर, सोनपुर एवं समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

उमराह के लिए 58 लोगों का जत्था 10 जुलाई को मक्का एवं मदीना शरीफ के लिए होंगे रवाना

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ के अंसारी चौक स्थित अल जमजम टूर एंड देवर्ल्स के कार्यालय में उमराह पर जाने वाले 58 यात्रियों को प्रशिक्षण (तरबियत) कैंप आयोजित कर उसे उमराह के सारे अरकान को बारीकी से दिया गया। मौके पर ऊक्त टूर के डायरेक्टर मौलाना सगीर अहमद रिजवी, सय्यद इमामउद्दीन रिजवी और सलमान रजा मरकजी ने संयुक्त रूप से बताया कि आगामी 10 जुलाई 2025 को गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों से 58 लोगों का ग्रुप उमराह के लिए मक्का मदीना रवाना होगा,जिसकी सारी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। कैंप में आये जायरीनों

(यात्रियों) को प्रशिक्षक मुफ्ती मोसर्रफ हुसैन मिसवाही ने उमराह की फजीलत पर बयान दिया। इसके बाद मुफ्ती अब्दुल कुद्दूस आवैसी ने मक्का एवं मदीना शरीफ से जुड़ी अहम बातें बताईं। हज के अरकान और यात्रा से जुड़ी जानकारी दी गई। शिविर में ट्रेनर्स सगीर अहमद रिज़वी द्वारा यात्रियों को सारे अरकान (अनिवार्य कर्तव्यों) और यात्रा के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों (प्रक्रियाओं) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यात्रियों को उमराह यात्रा के हर एक अरकान को विस्तार पूर्वक दी ताकि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सकें। प्रशिक्षण के दौरान मक्का और मदीना में निभाई जाने वाली सभी तरह के अरकान समूह अनुशासन, खान-पान के नियमों और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कारी अकबर हुसैन साकी, मौलाना अनवर मिसबाही, मौलाना मोजम्मिल ख्वानी, सरताज नूरानी, मोठ मुम्तान, मोठे रहमान, असलम रखा, मो. नासिर हुसैन, मोठ जाकिर अंसारी सहित दर्जनों अलीम उलेमा एवं उमराह पर जाने वाले यात्री मौजूद रहे।

दिल्ली बूट कैम्प के लिए जितेश कटारा का चयन

- द गुड पॉलिटिशियन 2025 के अंतिम चरण में सलूम्बर

फूल शंकर डामोर उदयपुर
सलूंबर विधानसभा बाप पार्टी के द गुड पालटिशियन विधायक प्रत्याशी जितेश कटारा का द गुड चयन हुआ है। वे 19-20 जुलाई को दिल्ली में होने वाले दो दिवसीय आवासीय बूट कैम्प में हिस्सा लेंगे। इंडियन स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी की ओर से आयोजित इस बूट कैम्प में देशभर से चुने गए युवा लीडर शामिल होंगे। इसका उद्देश्य राजनीति में सक्रिय युवाओं के दृष्टिकोण को समझना और सिद्धांत आधारित नेतृत्व को आगे लाना है। यह जानकारी जीतेश कटारा के प्रतिनिधि सूरजमल अहारी ने दी।

अगर आप बहुत बड़े बॉस हो तो चलो यूपी-बिहार, पटक-पटकर... निशिकांत दुबे

संवाददाता द्वारा
रांची। मुंबई में बिहार विधानसभा चुनाव और बीएमसी चुनावों से पहले गैर-मराठियों, खासकर हिंदी बोलने वालों के साथ मारपीट का मामला गरमा गया है। भाजपा और अन्य दलों ने राज ठाकरे और उनकी पार्टी MNS को घेरा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे को चुनौती दी है कि वे महाराष्ट्र से बाहर निकलकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि अगर वे बहुत बड़े बॉस हैं तो बिहार, उत्तर प्रदेश या तमिलनाडु में आएं, उन्हें पटक-पटक कर मारेंगे। MNS कार्यकर्ताओं ने मराठी नहीं बोलने पर एक फूड स्टॉल मालिक की पिटाई की। फिर एक निवेशक के कार्यालय पर हमला किया। इसके बाद यह मुद्दा और भी बढ़ गया है।
समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे लोग हिंदी बोलने वालों को पीट रहे हैं और हमारे पैसे से जी रहे हैं। उन्होंने पूछा कि उनके पास किस तरह के उद्योग हैं। दुबे ने यह भी कहा कि अगर उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हिंदी बोलने वालों को पीटते हैं, तो उन्हें उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटना चाहिए। उन्होंने राज ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे इतने बड़े बॉस हैं, तो महाराष्ट्र से बाहर आकर बिहार, उत्तर प्रदेश या तमिलनाडु में दिखाएं। उन्होंने धमकी भरे अंदाज में कहा, तुमको पटक पटक के मारेंगे।
दुबे ने यह भी कहा कि हम मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि बीएमसी चुनाव होने वाले हैं और इसलिए राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे सस्ती राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने राज ठाकरे को चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे माहिम जाएं और माहिम दरगाह के सामने किसी भी हिंदी या उर्दू बोलने वाले को पीट कर दिखाएं।

भारी बारिश के अलर्ट के चलते कई राज्यों में स्कूल-कॉलेज की छुट्टी घोषित

नई दिल्ली। सोमवार को भारी बारिश से मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पहले कंफ्यूजन था कि मोहर्रम की छुट्टी 7 जुलाई को मिलेगी या नहीं। भारतीय मौसम विभाग ने 6 से 12 जुलाई तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी है। दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। तापमान में गिरावट के साथ ही कुछ घंटों की बारिश ने जलभराव की समस्या बढ़ा दी है। ऐसे में बच्चों के लिए स्कूल पहुंच पाना एक बड़ी समस्या है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश के चलते स्कूल खुले। कुछ इलाकों में मुहर्रम के चलते आज भी छुट्टी घोषित कर दी गई थी।

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी: धनखड़

कोच्चि/नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरूद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता।उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा, संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध

कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वास्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है,जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है तो कई सवाल उठते हैं जिनका पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है?
इस घटनाक्रम में कई दंडात्मक प्रावधानों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमें इस मुद्दे की जड़ तक जाना होगा, क्योंकि लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण है। हमारी न्यायपालिका, जिस पर लोगों का विश्वास अडिग है, आज इस घटना के कारण उसकी नींव डगमगा गई है। यह गढ़ हिल गया है।

राहुल गांधी महागठबंधन के चक्का जाम में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बिहार में इसी साले होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम चला रहा है। राजद और कांग्रेस समेत कई दल चुनाव आयोग के इस कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ विपक्ष ने लामबंदी तेज कर दी है। महागठबंधन ने 9 जुलाई को बिहार में चक्का जाम का ऐलान किया है। इसमें लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे। रविवार को सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि चक्का जाम असरदार रहेगा। महागठबंधन के सभी दल चक्का जाम में शामिल होंगे। इधर कांग्रेस ने एक बार फिर

चुनाव आयोग पर षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा है कि आयोग ने कागजात और तस्वीरों को लेकर जो ताजा सूचना दी है, उसकी आवश्यकता मतदाता पुनरीक्षण में नहीं है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने अब कहा है कि निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी दस्तावेजों के बिना भी सत्यापन पर निर्णय ले सकता है। उन्होंने कहा कि अगर अंतिम निर्णय ईआरओ के विवेक पर छोड़ा गया तो वे मनमानी करेंगे। सरकार अपने फायदे के लिए दबाव डालकर उनसे नाम हटवा सकती है। उन्होंने कहा कि जब जनवरी में मतदाता सूची का प्रकाशन हो चुका है तो फिर से प्रक्रिया शुरू करना संदेह पैदा करता है। इसलिए आयोग को तुरंत इस निर्णय को वापस लेना चाहिए। प्रेसवार्ता में डॉ. मदन मोहन झा, प्रेमचंद मिश्र, राजेश राठौड़ आदि मौजूद रहे। मतदाता सूची संशोधन को राजद सांसद मनोज झा और तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मनोज झा ने एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की है। एसआइआर के लिए अभी न तो पर्याप्त समय है और न ही दस्तावेज सभी नागरिकों के पास उपलब्ध हैं। कुछ वैध दस्तावेजों (आधार-कार्ड, राशन-कार्ड, मनरेगा जाब-कार्ड आदि) को स्वीकार नहीं करने पर भी उन्होंने आपत्ति जताई है।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई 10 जुलाई को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने की सहमति दे दी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। याचिकाओं में विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने और राज्य में मौजूदा मतदाता सूची के आधार पर ही विधानसभा चुनाव कराने की मांग की है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और

जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे याचिकाओं की प्रति निर्वाचन आयोग को मुहैया कराएं, हम इस पर गुरुवार को विस्तार से सुनवाई करेंगे।
इससे पहले, बिहार में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के 24 जून के आदेश के खिलाफ याचिका दाखिल करने वालों की ओर से कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शीर्ष अदालत से तत्काल इस मामले की सुनवाई करने का आग्रह किया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने पीठ से कहा कि आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है क्योंकि इससे राज्य में लाखों लोग अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। राजद सांसद मनोज झा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शीर्ष अदालत से याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई करने और निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा तय समय सीमा के भीतर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करना असंभव कार्य है क्योंकि नवंबर में चुनाव होने की संभावना है)।
एक अन्य याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ से कहा कि बिहार में लगभज 8 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से करीब चार करोड़ मतदाताओं को इस प्रक्रिया के तहत अपने दस्तावेज जमा कराने होंगे। सिंघवी ने कहा कि समयसीमा बहुत सख्त है और यदि 25 जुलाई तक आप (मतदाता) दस्तावेज जमा नहीं करते हैं, तो उनका नाम मतदाता सूची से हट सकता है और राज्य में बड़े पैमाने पर लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए असम के निबिर हजारिका भारतीय तैराकी टीम में चयनित

गुवाहाटी,। असम के प्रतिभाशाली तैराक निबिर हजारिका का चयन आगामी एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए भारतीय तैराकी टीम में हुआ है। यह प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता आगामी 23 से 27 अक्टूबर के बीच बहरीन में आयोजित की जाएगी। 78वीं सीनियर नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप और टाइम ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय तैराकी महासंघ द्वारा पात्रता और चयन नीति के तहत 14 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की गई, जिसमें निबिर ने असम का प्रतिनिधित्व करते हुए जगह बनाई है। निबिर के चयन से असम के तैराकी जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह एक ही महीने में दूसरी बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले जनांजय ज्योति हजारिका और तीर्थंकर के विश्व जूनियर एक्रोटिक चैंपियनशिप में भाग लेने की घोषणा हुई थी। असम तैराकी संघ के सचिव भास्कर रंजन दास और प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने निबिर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इसे असम टीम के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण बताया।

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में चौथे दिन असम और जम्मू-कश्मीर ने दर्ज की अहम जीत

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के चौथे दिन डिवीजन 'सी' और 'बी' के रोमांचक मुकाबलों में कई टीमों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। असम हॉकी और जम्मू-कश्मीर हॉकी ने डिवीजन 'सी' के अपने अंतिम मुकाबले जीतकर प्रतियोगिता में शानदार समापन किया। इसके साथ ही हॉकी हिमाचल (पूल ए) और असम हॉकी (पूल बी) ने शीर्ष पर रहते हुए डिवीजन 'बी' में प्रमोशन प्राप्त कर लिया। असम हॉकी ने तेलंगाना हॉकी को 6-2 से हराया। इस मैच में रितिका टिग्गा (3', 14', 58') की हैट्रिक और ज्योष्णा एक्का (9', 52') तथा कप्तान रोशनी बुई (54') के बेहतरीन खेल ने असम को जीत दिलाई। तेलंगाना के लिए अनु कुमारी (46') और ए. वर्षिता (22') ने एक-एक गोल किया।हॉकी जम्मू-कश्मीर ने गोआंस हॉकी को 4-1 से पराजित किया। गोआ की वायदांडे भूमि भिमा (5') ने शुरुआत में बढ़त दिलाई, लेकिन अक्षरा दत्ता (9', 46'), कुमारी शिवानी (23') और मनीक्षा देवी (59') के गोल ने जम्मू-कश्मीर को जीत दिला दी।

भारतीय पैराग्लाइडर पायलट की मैसोडोनिया में मौत, प्रतियोगिता के दौरान हुआ हादसा

धर्मशाला। दक्षिणी पूर्वी यूरोप के मैसेडोनिया देश में विश्व स्तरीय पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के दौरान भारतीय पैराग्लाइडिंग पायलट विजय सोनी का उड़ान के दौरान हुए हादसे में दुखद निधन हो गया। विजय सोनी मैसोडोनिया में भारतीय टीम के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने गए थे। प्रतियोगिता के दौरान हुए हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पैराग्लाइडिंग के दौरान उनके पैराग्लाइडर में तकनीकी खराबी के चलते यह हादसा हुआ है। करीब 52 वर्षीय यह पायलट मूल रूप से गुजरात के रहने वाले थे। लेकिन विश्व प्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट बीड़ बिलिंग से उनका काफी पुराना नाता रहा है। वह यहां कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। पैराग्लाइडिंग के शौकीन विजय सोनी साल में एक या दो बार बीड़ बिलिंग जरूर आते थे। हालांकि वह पुणे में अपना पैराग्लाइडिंग स्कूल चला रहे थे। उधर उनके अचानक निधन से बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन (बीपीए) ने गहरा शोक प्रकट किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग शर्मा और महासचिव सुरेश कुमार ने एसोसिएशन की तरफ से शोक प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि विजय सोनी न केवल एक कुशल पैराग्लाइडिंग पायलट थे, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत के एक गौरवशाली प्रतिनिधि भी थे। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में भव्य स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड मैं हैं। दोनों टीमों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही है। दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। इस बीच हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का लंदन के इंडिया हाउस में एक समारोह में भव्य स्वागत किया गया। मुख्य कोच अमोल मजूमदार के नेतृत्व में भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ शनिवार शाम को भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उनका स्वागत किया। हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन लंदन ने रविवार ने एक्स पर बताया कि इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने टीम का स्वागत किया और महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने तथा युवा लड़कियों को प्रेरित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। ईसीबी क्रिकेट की प्रतिनिधि शिवानी ओबेरॉय, यूके की मंत्री सीमा मल्होत्रा और कोच अमोल मजूमदार ने भी इस अवसर पर बात रखी।

संजोग गुप्ता बने आईसीसी के नए सीइओ

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को संजोग गुप्ता को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) नियुक्त किया है। वह आईसीसी के सातवें सीइओ बनेंगे। संजोग गुप्ता, खेल और मीडिया जगत में दो दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले, भारत के प्रमुख स्पोर्ट्स मीडिया नेतृत्वकर्ताओं में गिने जाते हैं। वह आज पदभार ग्रहण करेंगे और आईसीसी के सातवें सीईओ बनेंगे। वर्तमान में जियोस्टार के सीइओ - स्पोर्ट्स एंड लाइव एक्सपीरियंस के रूप में कार्यरत संजोग को खेल रणनीति, कमर्शियल डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी इनोवेशन में महारत हासिल है। उन्हें भारत में आधुनिक खेल इकोसिस्टम का प्रमुख शिल्पकार माना जाता है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि संजोग गुप्ता को आईसीसी का सीइओ नियुक्त किया गया है। उनका वैश्विक खेल और मीडिया क्षेत्र का अनुभव, खेल को वैश्विक स्तर पर

विस्तार देने में बेहद उपयोगी साबित होगा। उनका तकनीक के प्रति रुझान और फैन-फर्स्ट सोच हमें पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलकर क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंचों तक ले जाने में मदद करेगा। जय शाह ने बताया कि इस पद के लिए कई शानदार नामों पर विचार किया गया, लेकिन नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता के नाम की सिफारिश की, जिसे आईसीसी बोर्ड ने मंजूरी दी। मार्च 2025 में शुरू हुई इस वैश्विक चयन प्रक्रिया में 25 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें खेल प्रशासन, मीडिया, और अन्य कॉर्पोरेट क्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। आईसीसी की एचआर एवं पारिश्रमिक समिति ने 12 शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों की प्रोफाइल नामांकन समिति को भेजी, जिसमें बीसीसीआई,इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और आईसीसी के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे। नियुक्ति के बाद संजोग गुप्ता ने कहा, यह मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि मुझे ऐसे समय आईसीसी का नेतृत्व करने का अवसर मिला जब क्रिकेट वैश्विक स्तर पर तेज़ी से फैल रहा है। लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और तकनीक की तेजी से हो रही प्रगति इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह आईसीसी के सदस्य बोर्डों के साथ मिलकर खेल को और विकसित करने, प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने और क्रिकेट की वैश्विक पहुंच को और गहरा करने के लिए तत्पर हैं।

संजोग गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत पत्रकारिता से की थी और 2010 में स्टार इंडिया से जुड़े। 2020 में वह डिज्नी-स्टोर स्पोर्ट्स के प्रमुख बने और आईपीएल, आईसीसी टूर्नामेंट्स, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसे आयोजनों को नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने महिला खेल कवरेज, बहुभाषी ब्रॉडकास्टिंग, और डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच जैसे इनोवेशन को बढ़ावा दिया।

एशियन ताइक्कांडो प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद का आशीष मलेशिया रवाना

एजेंसी

मुरादाबाद। जिले के ताइक्कांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का चयन बीते दिनों 6वीं कैडेट एशियन ताइक्कांडो प्रतियोगिता के लिए भारतीय ताइक्कांडो टीम में हुआ था। यह प्रतियोगिता 24 से 29 जुलाई तक मलेशिया के कुचिंग शहर में आयोजित होगी। आशीष सिंह सोमवार का मलेशिया के लिए रवाना हुआ। इस दौरान जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज़ अली के साथ पदाधिकारी डॉ जी कुमार, डॉ विनोद कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा, केशव थापा, सुमित शर्मा, शोभित भारद्वाज, अरविंद सिंह, संदीप कुमार, अर्जुन थापा आदि ने आशीष को रवाना होने के दौरान शुभकामनाएं दी। जिला ताइक्कांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। जिसके आधार पर 22 जून से 24 जून तक जालंधर कैंट में स्थित लवली प्रोविजनल यूनिवर्सिटी में

6वीं कैडेट एशियन ताइक्कांडो सिलेक्शन ट्रायल कराए गए। ट्रायल में स्वर्ण पदक विजेता को भारतीय टीम में चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि आशीष सिंह पिछले पांच वर्षों से आरएसडी एकेडमी में संचालित साई ताइक्कांडो एकेडमी में अभ्यास कर रहा है और मेरे नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

विंबलडन 2025 : कार्लोस अल्कराज़ क्वार्टरफाइनल में, रूबलेव को दी शिकस्त

एजेंसी

लंदन। दूसरे वरीय स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज़ ने रविवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में रूस के आंद्रेई रूबलेव को एक कड़े मुकाबले में 6-7(5), 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर विंबलडन 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ अल्कराज़ ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार 22वीं जीत दर्ज की और लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतने की उम्मीदें बरकरार रखीं। मैच की शुरुआत में अल्कराज़ थोड़े संघर्ष में दिखे, और रूबलेव ने पहले सेट में उन्हें 4-1 की बढ़त के साथ चौंका दिया। हालांकि, अल्कराज़ ने वापसी की कोशिश की, लेकिन रूबलेव ने शानदार खेल दिखाते हुए टाईब्रेक में पहला सेट अपने नाम कर लिया।दबाव में होने के बावजूद अल्कराज़ ने संयम बनाए रखा और दूसरे सेट में रूबलेव की एक डबल फॉल्ट का फायदा उठाते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में अपने पक्ष में खत्म कर दिया। अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज़ का सामना ब्रिटेन के कैमरन नॉरी से

होगा, जो घरेलू दर्शकों के बीच एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद जगा रहा है। इस जीत के साथ अल्कराज़ एक बार फिर साबित कर चुके हैं कि वह ग्रास कोर्ट के बादशाह बनते जा रहे हैं, और उनका तीसरा विंबलडन खिताब अब ज्यादा दूर नहीं दिखता।

रूबलेव ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन ब्रेक प्वाइंट्स को भुना नहीं पाए, जबकि अल्कराज़ ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए सेट अपने नाम किया। चौथे सेट में अल्कराज़ पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए। उन्होंने एक अहम ब्रेक हासिल किया और फिर बिना कोई गलती किए मैच को

एएफसी कप क्वालीफिकेशन पर भारतीय महिला टीम को 42.75 लाख रुपये का इनाम

नई दिल्ली।अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को भारतीय महिला फुटबॉल टीम को एएफसी महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 42.75 लाख) के इनाम की घोषणा की।

महिला टीम ने ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले में मेज़बान और उच्च रैंकिंग वाली थाईलैंड की टीम को 2-1 से हराकर अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एशियन कप के लिए क्वालीफाई किया। इससे पहले भारत ने मंगोलिया को 13-0, तिमोर-लेस्ते को 4-0 और इराक को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, हालांकि मैदान पर नतीजे एकतरफा लग सकते हैं, लेकिन ये पिछले कुछ वर्षों की निरंतर योजना और विकासात्मक प्रयासों का परिणाम हैं। इस सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं था—यह एक दीर्घकालिक

दृष्टिकोण और संरचित तैयारी का परिणाम है। टीम के लिए फारवर्ड प्यारी शाशा सबसे ज़्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। उन्होंने मंगोलिया के खिलाफ पहले ही मुकाबले में पांच गोल किए। गौरतलब है कि अगले साल होने वाला एशियन कप महिला विश्व कप 2027 और लॉस एंजेलेस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफायर के तौर पर भी कार्य करेगा।

वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराकर टॉप-2 में किया स्थान पक्का

एजेंसी

लाडरहिल। वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ सोमवार (भारतीय समयानुसार)अपने आखिरी लीग मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली। बारिश के कारण 18 ओवर प्रति पारी के इस मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए।

बारिश के चलते टॉस में देरी हुई, जिसके बाद वॉशिंगटन ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एमआई न्यूयॉर्क की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान निकोलस पूरन व मोनांक पटेल पहले तीन ओवरों में ही पवेलियन लौट गए। हालांकि कुंवरजीत सिंह ने 33 रनों की संयमित पारी खेली, लेकिन मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से लड़खड़ा गया।

ग्लेन मैक्सवेल ने तजिंदर ढिल्लों और शरद लुंबा को लगातार गेंदों पर आउट कर पारी को झकझोर दिया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने भी दो विकेट लेकर एमआई न्यूयॉर्क की कमर तोड़ दी। टीम निर्धारित 18 ओवरों में 112/8 का ही स्कोर बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और मिशेल ओवेन जल्दी आउट हो गए। लेकिन एंड्रिस गौस (नाबाद 46 रन, 34 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा। बीच के ओवरों में मार्क चैपमैन ने 18 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर रन गति को तेज किया। हालांकि चैपमैन और मैक्सवेल एक के बाद एक आउट हो गए, लेकिन गौस ने ग्लेन फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को तीन ओवर पहले ही जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोरः

एमआई न्यूयॉर्कः 112/8 (18 ओवर) (कुंवरजीत सिंह 33, ग्लेन मैक्सवेल 3/29)।

वॉशिंगटन फ्रीडमः 113/4 (15 ओवर)एंड्रिस गौस 46, ट्रिस्टन लूस 2/39)*।

नतीजाः वॉशिंगटन फ्रीडम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

श्रीमंत झा ने लक्जमबर्ग पैरा-आर्म रेसलिंग कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

लक्जमबर्ग। भारत के स्टार पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहराया है। लक्जमबर्ग पैरा-आर्म रेसलिंग कप 2025 में +80 किलोग्राम वर्ग में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर न केवल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, बल्कि इस जीत को उन्होंने अहमदाबाद प्लेन क्रैश पीड़ितों को समर्पित कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय भी दिया। 04 से 06 जुलाई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एशिया के नंबर वन और दुनिया के तीसरे नंबर के पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने फाइनल में जर्मनी के ओलेकसांद्र लीशुकोव को हराया। इस स्वर्ण पदक के साथ उन्होंने बुल्गारिया में होने वाली वर्ल्ड पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। श्रीमंत भारत के लिए 56 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं। जीत के बाद श्रीमंत झा ने कहा कि यह जीत मेरे लिए खास है। मैं हर मुकाबला अपने देश के लिए और शहीदों की स्मृति में लड़ता हूं। मेरी

अगली तैयारी वर्ल्ड चैंपियनशिप की होगी। मेरी कोशिश रहेगी कि भारत को फिर से गर्व का अनुभव हो।पीपल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झींझानी, छत्तीसगढ़ राज्य इकाई के अध्यक्ष जी. सुरेश बाबे, चेयरमैन बृज मोहन सिंह, सचिव श्रीकांत, कोच राजू साहू सहित कई खेल पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

भारत ने तोड़ा बर्मिंघम का अभिमान, इंग्लैंड को 336 रन से हराया

एजेंसी

एजबेस्टन(बर्मिंघम)। भारत ने तेज़ गेंदबाज़ आकाश दीप की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से हराकर 5 मैचों की श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली। आकाश ने दूसरी पारी में 99 रन देकर 6 विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, वहीं उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट लेकर 187 रन दिए – यह इंग्लैंड में किसी भी भारतीय गेंदबाज़ का सर्वश्रेष्ठ मैच प्रदर्शन है।

यह भारत की विदेशी सरज़मीं पर सबसे बड़ी रन से जीत भी रही। इसके साथ ही भारत एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बन गई।

बारिश के बाद भी भारत ने नहीं छोड़ा दबाव

पांचवें दिन की शुरुआत बारिश के चलते 100 मिनट की देरी से हुई। इसके बाद दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने गेंदबाज़ी की शुरुआत की। आकाश ने शुरुआत में ही ओली पोप को बोल्ड कर दिया और फिर हैरी

ब्रूक को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को दो बड़ी सफलताएं दिलाईं।बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ ने कुछ देर तक मोर्चा संभाले रखा, लेकिन लंच से पहले वॉशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स को एलबीडब्ल्यू कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। लंच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप ने लगातार दबाव बनाए रखा। आकाश ने स्मिथ को आउट कर अपनी पहली टेस्ट पारी में पांच विकेट पूरे किए। फिर आख़िरकार कार्स को आउट कर उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट हासिल किए।

शुभमन गिल की कप्तानी पारी और रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाज़ी

इस टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल ने दो शानदार पारियां खेलीं। पहली पारी में उन्होंने 269 रन बनाए – यह किसी भारतीय कप्तान का टेस्ट में सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने रविंद्र जडेजा (89 रन) के साथ 203 रन और वॉशिंगटन सुंदर (84 रन) के साथ 144 रन की साझेदारियाँ कीं, जिससे भारत पहली पारी में 587 रन तक पहुंचा। इंग्लैंड की ओर से जैमी स्मिथ (184*) और हैरी ब्रूक (158) ने वापसी की कोशिश की लेकिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन ही बना सका। मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लिए जबकि अकाश ने 4 विकेट हासिल किए। दूसरी पारी में भी शुभमन गिल ने 161 रन बनाए और भारत ने 427/6 पर पारी घोषित कर इंग्लैंड को 608 रन का विशाल लक्ष्य दिया।

एजबेस्टन टेस्ट के बाद बोले कप्तान शुभमन गिल- गेंदबाज़ों की मदद नहीं तो खेल का मज़ा नहीं

एजेंसी

एजबेस्टन। एजबेस्टन टेस्ट में बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने के बाद भी शुभमन गिल ने कहा कि जब गेंदबाज़ों को मदद नहीं मिलती और खेल पूरी तरह बल्लेबाज़ों के पक्ष में झुक जाता है, तो टेस्ट क्रिकेट अपनी असली भावना खो देता है। भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हराकर सीरीज़ 1-1 से बराबर कर ली। गिल ने इस मैच में 269 और 161 रनों की दो शानदार पारियां खेलीं और कुल 430 रन बनाए। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कहा कि फ्लैट पिच और जल्दी नरम हो रही ड्यूक गेंद के कारण गेंदबाज़ी बेहद मुश्किल हो गई थी। मैच के बाद गिल ने कहा, बॉल बहुत जल्दी सॉफ्ट और आउट ऑफ शेप हो रही है। पता नहीं मौसम की वजह से या पिच की वजह से, लेकिन गेंदबाज़ों के लिए विकेट लेना बहुत मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, अगर सिर्फ 20-30 ओवर ही मदद मिलती है और बाकी दिन रन रोकने की सोचते रहना पड़े, तो फिर खेल का मज़ा ही नहीं रह जाता। बैट और बॉल के बीच बैलेंस बहुत ज़रूरी है।

गिल ने इस टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज़ गेंदबाज़ों आकाश दीप और मोहम्मद सिराज की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, ÷दोनों ने मिलकर 16-17 विकेट लिए, जो कि बुमराह भाई के बिना बहुत बड़ी बात है। बहुत लोगों को शक था कि हम 20 विकेट निकाल पाएंगे या नहीं, लेकिन इन दोनों ने कमाल कर दिया।

उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की भी सराहना की, जिन्होंने आखिरी दिन पहली स्पेल में शानदार गेंदबाज़ी की, हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला।

इंग्लैंड की फ्लैट पिचों पर चुटकी

गिल ने मज़ाक में कहा कि इंग्लैंड शायद अब इतनी फ्लैट पिच दोबारा नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को टेस्ट में लंबे समय तक बल्लेबाज़ी करने का फायदा मिला।

गिल ने कहा, अब तक जितने भी दिन खेले गए हैं, उनमें से ज़्यादातर दिन हम बल्लेबाज़ी कर रहे थे, जो हमारे लिए अच्छा है। अगर हम लगातार 300-400 रन बना सके, तो हम हर मैच में बने रहेंगे। गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए हुई अहम शतकीय साझेदारी का ज़िक्र भी किया और बताया कि वही साझेदारी टीम की बढ़त को मनोवैज्ञानिक रूप से मज़बूत बना गई।

कार्लसन ने जीता ग्रैंड चेस टूर 2025 खिताब; गुकेश तीसरे स्थान पर, प्रज्ञानानंद नौवें पर

एजेंसी

ज़ाग्रेब। वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन (नॉर्वे) ने ग्रैंड चेस टूर 2025 रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने तीसरे स्थान के साथ प्रतियोगिता का समापन किया, जबकि भारत के आर. प्रज्ञानानंद नौवें स्थान पर रहे। कार्लसन ने अंतिम ब्लिट्ज मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी इवान सारिच को हराकर कुल 22.5 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। यह उनका लगातार छठा जीसीटी रैपिड और ब्लिट्ज खिताब है। रैपिड चरण में 10 अंक लेने के बाद कार्लसन ने ब्लिट्ज में 18 राउंड से 12.5 अंक जुटाए और वेस्ली सो पर 2.5 अंकों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। वहीं, गुकेश ने रैपिड चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया था, लेकिन ब्लिट्ज में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा। 18 ब्लिट्ज राउंड में उन्होंने केवल 5.5 अंक जुटाए। अंतिम गेम में उन्होंने हमवतन प्रज्ञानानंद के खिलाफ ड्रॉ खेला और कुल 19.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दूसरी ओर, प्रज्ञानानंद पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष करते नजर आए और 15 अंकों के साथ नौवें स्थान पर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में ,133 रन से हराया, टेस्ट सीरीज़ पर किया कब्जा

एजेंसी

ग्रेनेडा। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 133 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन की शुरुआत 221/7 के स्कोर से की और केवल 22 रन जोड़ते हुए 243 पर ऑलआउट हो गई। हालांकि यह बढ़त उनके गेंदबाज़ों के लिए पर्याप्त साबित हुई।

दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ के धमाकेदार गेंद से हुई, जिन्होंने पैट कमिंस को पवेलियन भेजा। इसके बाद एलेक्स कैरी को भी उन्होंने एलबीडब्ल्यू आउट किया। जोश हेज़लवुड को अल्ज़ारी जोसेफ ने बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी समाप्त की। वेस्टइंडीज को 277 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ों के सामने उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। जोश हेज़लवुड ने महज़ आठ गेंदों में जॉन कैंपबेल को पगबाधा आउट

कर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। इसके बाद मिशेल स्टार्क ने कीसी कार्टर को कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रैंडन किंग ने आते ही तीन चौके जड़े, लेकिन कप्तान क्रेग ब्रैथवेट को ब्यू वेबस्टर ने अपना शिकार बनाया। किंग भी ज्यादा देर नहीं टिक पाए और पैट कमिंस की गेंद पर उनकी गिल्लियां बिखर गईं। स्कोर जल्द ही 33/4 हो गया। दोपहर के बाद शाई होप और रोस्टन चेज़ ने कुछ संघर्ष दिखाया लेकिन हेज़लवुड ने होप को आउट कर साझेदारी तोड़ी। चार ओवर बाद चेज़ भी चलते बने और वेस्टइंडीज की हार तय हो गई। अंत में अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ और जेडन सील्स ने मिलकर छह छक्के जरूर लगाए लेकिन हार की मार्जिन को ज्यादा नहीं घटा सके। नाथन लायन ने इन तीनों को आउट कर वेस्टइंडीज की पारी को महज 143 रन पर समेट दिया। मेज़बान टीम की दूसरी पारी सिर्फ 35 ओवर में सिमट गई।

संक्षिप्त स्कोरः

ऑस्ट्रेलियाः 286 (एलेक्स कैरी 63; अल्ज़ारी जोसेफ 4/61) और 243 (स्टीव स्मिथ 71; शमार जोसेफ 4/66)।

वेस्टइंडीजः 253 (ब्रैंडन किंग 75; नाथन लायन 3/75)और 143 (रोस्टन चेज़ 34; मिशेल स्टार्क 3/24)

वेस्टइंडीज की टीम 133 रन से हारी।

पतंजलि ने लॉन्च किया दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग

एजेंसी

हरिद्वार। पतंजलि ने आज इंडियन डेंटल एसोसिएशन की उपस्थिति में दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग नामक उत्पाद लांच किया। यह उत्पाद आयुर्वेद ग्रंथों में उल्लेखित गंडूष विधि पर आधारित है। आयुर्वेद में इसे 'दिनचर्या' का अभिन्न हिस्सा माना गया है। स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में उत्पाद लॉन्चिंग इंडियन डेंटल एसोसिएशन, उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. राजीव बंसल, सचिव डॉ. विश्वजीत वालिया, कोषाध्यक्ष डॉ. वैभव पाहवा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह उत्पाद पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के तीन वर्षों के अथक पुरुषार्थ और समर्पण का परिणाम है। दन्त कांति गंडूष ऑयल पुलिंग केवल एक दैनिक क्रिया नहीं, यह एक चिकित्सा विज्ञान है, जो आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि चरक संहिता व सुश्रुत संहिता जैसे आयुर्वेद के मूल ग्रंथों में गंडूष को मुँह के स्वास्थ्य की प्रमुख प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया गया है। यह पतंजलि की दंत कांति श्रृंखला का नवीनतम और अभिनव उत्पाद है। उन्होंने कहा कि इसमें तुम्बरू तेल है, जो दाँतों व मसूड़ों को मजबूत करता है। लौंग तेल है, जो दांत के दर्द में राहत प्रदान करता है।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह 5 नए आईपीओ की दस्तक, 9 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान पांच कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं। इनमें से एक ट्रैवल फूड सर्विसेज का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन नए आईपीओ के अलावा निवेशकों के पास पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में 7 जुलाई तक और एक आईपीओ में 8 जुलाई तक बोली लगाने का मौका है। इसी तरह अगले सप्ताह 9 कंपनियां स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने जा रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 7 जुलाई को ट्रैवल फूड सर्विसेज का 2,000 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 9 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 1,045 से 1,100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 13 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। 7 जुलाई को ही केमकार्ट इंडिया का 80.08 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ की क्लोजिंग 9 जुलाई को होगी। आईपीओ के तहत 236 से 248 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 10 जुलाई को होगा। इसके बाद 14 जुलाई को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

टॉप 10 में शामिल देश की 6 कंपनियों का मार्केट कैप 70 हजार करोड़ से ज्यादा गिरा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 42,149.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 70,325.50 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 30 जून से 4 जुलाई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 15,359.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 20,66,949.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सीतारमण ने रियो में रूसी वित्त मंत्री के साथ की बैठक

रियो डी जेनेरियो (ब्राज़ील)। वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव से मुलाकात की और ब्रिक्स मंच के माध्यम से साझा हितों के लिए विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की दिशा सहयोग करते रहने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। वित्त मंत्री सीतारमण के कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया पर जारी वक्तव्य के मुताबिक दोनों नेताओं ने भारत-रूस के दीर्घकालिक साझेदारी पर चर्चा की। श्रीमती सीतारमण ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया। वित्त मंत्री ने कहा ,भारत और रूस के बीच आपसी विश्वास और समझ का स्तर अनुकरणीय है तथा हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी लचीली और दृढ़ बनी हुई है। वित्त मंत्री ने 2024 में ब्रिक्स की सफल अध्यक्षता के लिए रूस को बधाई दी और कहा कि भारत साझा हितों के क्षेत्रों में दक्षिण-दक्षिण सहयोग बनाने के लिए ब्रिक्स मंच का लाभ उठाना जारी रखेगा।

जेन स्ट्रीट मामले के बाद बोले सेबी चीफ; नए नियमों की नहीं, अधिक प्रवर्तन और निगरानी की आवश्यकता

एजेंसी

मुंबई । सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने सोमवार को कहा कि हमें नए नियमों की नहीं, बल्कि अधिक प्रवर्तन और निगरानी की आवश्यकता है।

पांडे की ओर से यह बयान ऐसे समय पर दिया गया है, जब जेन स्ट्रीट मामला सामने आने के बाद नए नियमों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मीडिया से बातचीत करते हुए जेन स्ट्रीट मामले पर बोलते हुए सेबी चीफ ने कहा,÷बाजार नियामक के पास सभी प्रकार की धोखाधड़ी और हेराफेरी के खिलाफ कार्रवाई करने की ताकत है और हमारा अंतरिम आदेश इसकी गवाही दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जेन स्ट्रीट के लिए जारी किए गए आदेश में काफी विश्लेषणात्मक कार्य किया गया था, हालांकि धोखाधड़ी वाली गतिविधियां कई

तरीकों से की जाती हैं। पांडे ने कहा, हेरफेर करने वाले व्यवहारों को अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा अलग-अलग तरीकों से समझा जा सकता है। ऐसा कोई एक खास तरीका नहीं है जिससे आपको आकलन करना पड़े... हमारे पीएफयूटीपी विनियमों में बहुत स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि बाजार में हेरफेर करने वाले और धोखाधड़ी वाले व्यवहारों की अनुमति नहीं है और विनियमों के अंतर्गत सेबी के पास जांच करने और कार्रवाई करने की सभी शक्तियां हैं। सेबी चेयरमैन ने आगे कहा कि नियामक और एक्सचेंज इस मामले को निगरानी मुद्दे के रूप में देख रहे हैं। सेबी ने जेन स्ट्रीट पर आरोप लगाया गया है कि उसने नियमों के खिलाफ जाकर गलत रणनीतियों के इस्तेमाल से इंडेक्स ऑप्शंस में 43,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा कमाया है। सेबी के अनुसार, जेन स्ट्रीट और इसकी संबंधित संस्थाओं ने बैंक निफ्टी सूचकांक को आर्टिफिशियल तरीके से बढ़ाने और घटाने के लिए एक इंट्रा-डे ट्रेडिंग रणनीति तैयार की। बाजार नियामक ने पाया कि 1 जनवरी, 2023 और 31 मार्च, 2025 के बीच, जेन स्ट्रीट और उसकी संस्थाओं ने 43,289 करोड़ रुपए का चौंका देने वाला मुनाफा कमाया, जो मुख्य रूप से बैंक निफ्टी ऑप्शन से था।

पुष्पा ज्वेलर्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। ज्वेलरी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट का काम करने वाली कंपनी पुष्पा ज्वेलर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 147 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 23.81 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 112 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ देर में ही ये शेयर 117.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गया। इस तरह अपर सर्किट के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही करीब 20 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। पुष्पा ज्वेलर्स का 98.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जून से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.46 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.51 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.71 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 78.94 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13.41 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं।

स्टॉक मार्केट में सिल्की ओवरसीज की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। मिंक ब्लैंकेट्स, कंफर्टर्स और बेडशीट्स जैसे प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी सिल्की ओवरसीज के शेयर आज मामूली बढ़त के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री करने में सफल हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 161 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 6.2 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 171 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर मे ये शेयर गिरकर 162.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.90 प्रतिशत के फायदे में हैं। सिल्की ओवरसीज का 30.68 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर

से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 169.93 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.10 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने नई स्टोरेज फैसिलिटी तैयार करने, पुराने कर्ज का भुगतान करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सीडर टेक्सटाइल ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद आई और गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। यार्न बनाने वाली कंपनी सीडर टेक्सटाइल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 119 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में और गिरावट आ गई। दोपहर 11¬30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 26 रुपये के नुकसान के साथ 114 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह पहले दिन ही दोपहर 11:30 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 18.57 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था। सीडर टेक्सटाइल का 60.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। क्लोजिंग के बाद 3 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया गया था। इस

आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 12.26 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 37.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.04 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मशीनरी का नवीनीकरण करने, सोलर पावर का इंस्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 220 करोड़ की आय हुई थी। हालांकि इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में इसकी आय घट कर 191 करोड़ रुपये रह गई। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 11.05 करोड़ रुपये का रहा।

भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता के बीच अमेरिकी टैरिफ अब 1 अगस्त से होंगे लागू

एजेंसी

नई दिल्ली/वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विशिष्ट टैरिफ अब 1 अगस्त से प्रभावी होने वाले हैं, जो भारत सहित कई देशों के साथ व्यापार वार्ता के तेज होने के बीच एक अस्थायी राहत प्रदान करते हैं। इससे पहले, अमेरिकी टैरिफ 9 जुलाई से प्रभावी होने वाले थे।अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने रविवार (अमेरिकी समय) को मीडिया से बात करते हुए टैरिफ राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अभी दरें और सौदे तय कर रहे हैं। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि हम 9 जुलाई तक अधिकांश देशों के साथ पत्रों या अंतिम समझौतों के माध्यम से काम पूरा कर लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि आगामी टैरिफ बढ़ोतरी की चेतावनी देने वाले अधिसूचना पत्र

सोमवार (अमेरिकी समय) से जारी होने लगेंगे। ट्रंप ने कहा कि बैठकर 15 अलग-अलग तरह की चीजों पर काम करने से कहीं अधिक आसान नोटिस भेजना होगा। अगर आप संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करना चाहते हैं तो आपको यही भुगतान करना होगा।अप्रैल में ट्रंप ने अमेरिका के अधिकांश व्यापारिक साझेदारों पर 10 प्रतिशत का बेस टैरिफ और उसके बाद 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका ने अब तक यूनाइटेड किंगडम और वियतनाम के साथ व्यापार सौदों की घोषणा की है। इसी के साथ कुछ और व्यापार सौदे पाइपलाइन में हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सीएनएन से कहा, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे कुछ व्यापारिक साझेदारों को पत्र भेजकर संदेश देंगे कि अगर वे चीजों को आगे नहीं बढ़ाते हैं तो 1 अगस्त को वे 2 अप्रैल के टैरिफ स्तर पर वापस आ जाएंगे। इसलिए मुझे लगता है कि बहुत जल्द ही बहुत सारे सौदे देखे जा सकते हैं। मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत का उच्च स्तरीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी अधिकारियों के साथ व्यापार वार्ता के बाद कृषि और डेयरी उत्पादों के व्यापार के संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम समझौते पर पहुंचे बिना वाशिंगटन से लौट आया है, जिस पर अमेरिका जोर दे रहा है। इस बीच, ट्रंप ने घोषणा की है कि उन देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा जो ब्रिक्स की अमेरिकी विरोधी नीतियों के साथ खुद को जोड़ते हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,250 रुपये से लेकर 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,100 रुपये से लेकर 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मार्क लोएरे ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। महिलाओं के लिए फुटवियर बनाने वाली कंपनी मार्क लोएरे फैशंस के शेयरों ने कमजोर लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 80 रुपये के स्तर पर ही हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर गिरकर 76 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के ही कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मार्क लोएरे फैशंस का 21 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 21 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने आउटलेट खोलने, मल्टी पर्पस रैक्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 66 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.08 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ उछल कर 4.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 6 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 42.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में वंदन फूड्स की मजबूत एंट्री, मुनाफा वसूली के बावजूद फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। कैस्टर डी-ऑयल केक बनाने वाली कंपनी वंदन फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट भी आई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 115 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 8.70 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 125 रुपये के स्तर पर ही हुई। मजबूत लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण दोपहर 11 बजे तक ये शेयर गिरकर 120 रुपये के स्तर पर आ गया था। इस गिरावट के बावजूद 11 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 4.35 प्रतिशत के फायदे में थे। वंदन फूड्स का 30.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.75 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 0.73 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 26.40 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई फैसिलिटी का सेट अप करने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11 लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी 64 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमाने में सफल रही। इसके अगले वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध लाभ उछल कर 2.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों ने एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.012 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आयशर मोटर्स और बजाज फिनसर्व के शेयर 1.75 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एटरनल, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.33 प्रतिशत से लेकर 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,462 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,239 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

टैरिफ वृद्धि के बाद तमिलनाडु में ईवी चार्जिंग ऑपरेटरों की बढ़ सकती है लागत

एजेंसी

चेन्नई । तमिलनाडु विद्युत विनियामक आयोग (टीएनईआरसी) द्वारा बिजली दरों में संशोधन के बाद पूरे तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग ऑपरेटर परिचालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती हैं। तमिलनाडु में नई बिजली दरें 1 जुलाई से प्रभावी हो गई हैं। संशोधित टैरिफ संरचना ने ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए ऊर्जा शुल्क और निश्चित मासिक शुल्क दोनों में वृद्धि की गई है, जिससे राज्य में सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की आर्थिक व्यवहार्यता के बारे में ऑपरेटरों के बीच चिंता बढ़ गई है।हालांकि, टीएनईआरसी ने अपने टाइम-ऑफ-डे (टीओडी) टैरिफ मॉडल को बरकरार रखा है, जिसे पहली बार 2023 में ऑफ-पीक चार्जिंग को प्रोत्साहित करने के लिए पेश किया गया था।

नई संरचना के तहत, सौर घंटों (सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक) के दौरान चार्ज करने पर 6.50 रुपए प्रति किलोवाट घंटा लागत आएगी, पीक घंटों (सुबह 6 बजे से सुबह 9 बजे और शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक) के दौरान, दर 9.45 रुपए से बढ़कर 9.75 रुपए प्रति किलोवाट घंटा हो गई है। रात में चार्जिंग (रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक) के लिए अब 8.10 रुपए प्रति किलोवाट घंटा

का शुल्क लगेगा, जबकि पहले यह 7.85 रुपये था।

नई शुल्क संरचना के तहत सबसे बड़ी बढ़ोतरी हाई-टेंशन (एचटी) कनेक्शन के लिए निर्धारित शुल्क में की गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर फास्ट-चार्जिंग स्टेशनों द्वारा किया जाता है। इसके लिए मासिक निर्धारित शुल्क दोगुने से भी अधिक 304 रुपए प्रति केवीए हो गया है, जो पहले 145 रुपए प्रति केवीए था। ये चार्ज वास्तविक उपयोग की परवाह किए बिना स्वीकृत लोड के आधार पर लगाए जाते हैं। उदाहरण के लिए, 50 किलोवाट का फास्ट-चार्जिंग स्टेशन, जिसके लिए पहले लगभग 1,300 रुपए निर्धारित शुल्क (बिजली करों को छोड़कर) का भुगतान करता था, अब 2,750 रुपये प्रति माह का भुगतान करना होगा। इससे पहले से ही कम क्षमता उपयोग के स्तर से जूझ रहे ऑपरेटरों की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने की उम्मीद है। इंडियन चार्ज पॉइंट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के निदेशक के.पी. कार्तिकेयन ने इस बढ़ोतरी को एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा, हमारी बिजली की औसत लागत 9 से 9.50 रुपए प्रति यूनिट हुआ करती थी। नए टैरिफ के साथ, इसमें लगभग 2.50 रुपए प्रति यूनिट की वृद्धि हुई है यानी बिजली की लागत में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ऑपरेटर अब राज्य सरकार से नीति ढांचे की समीक्षा करने और ईवी चार्जिंग इकोसिस्टम को व्यवहार्य बनाए रखने के लिए प्रोत्साहन या सब्सिडी पर विचार करने का आग्रह कर रहे हैं। इस तरह के समर्थन के बिना, कई लोगों को डर है कि बढ़ी हुई लागत तमिलनाडु में एक मजबूत, किफायती सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की गति को धीमा कर सकती है।

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर–1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

विशेष संवाददाता द्वारा

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली होकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगन ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042